



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-07092021-229481
CG-DL-E-07092021-229481

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]
No. 255]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 7, 2021/भाद्र 16, 1943
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 7, 2021/BHADRA 16, 1943

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
अधिसूचना
अंतिम जांच परिणाम
नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2021
मामला सं. (एडी-ओआई-22/2020)

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एल्युमीनियम के कुछ विशिष्ट फ्लैट रोल्ड उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 06/27/2020-डीजीटीआर.—समय समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी समय समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण नियमावली, 1995 के संबंध में:-

क. मामले की पृष्ठभूमि:

- मै. हिंदालको इंडस्ट्रीज लि. (जिन्हें यहां आवेदक या घरेलू उद्योग भी कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे यहां संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एल्युमीनियम के कुछ विशिष्ट फ्लैट रोल्ड उत्पादों (जिन्हें यहां संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद या पीयूसी भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी जांच की शुरुआत के लिए समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे यहां अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की

पहचान, आकलन और संग्रहण और क्षति के निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 के संबंध में (जिसे यहां नियमावली अथवा एडी नियमावली भी कहा गया है) के अनुसरण में घरेलू उद्योग की ओर से निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है।

3. और जबकि, प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत को न्याय संगत सिद्ध करने के लिए आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए और पाटन रोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने के लिए जो यदि लगाई जाती तो घरेलू उद्योग को क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होती, नियमों के अनुसरण में संबद्ध जांच की शुरुआत करते हुए भारत के सरकारी राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित अधिसूचना सं. 6/27/2020-डीजीटीआर दिनांक 8 सितंबर, 2020 के अनुसार एक पब्लिक नोटिस जारी किया।

ख. प्रक्रिया

4. संबद्ध जांच के संबंध में यहां नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:-

- क. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसरण में जांच शुरुआत संबंधी कार्रवाई को आगे बढ़ाने से पहले पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण, में प्रकाशित एक पब्लिक नोटिस सं. 06/27/2020-डीजीटीआर दिनांक 8 सितंबर, 2020 जारी किया।
- ग. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों; भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, अन्य भारतीय उत्पादकों और घरेलू उद्योग को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे जांच शुरुआत अधिसूचना के 30 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- घ. प्राधिकारी ने नियमों के अनुसरण में भारत में संबद्ध देश के दूतावास और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रति उपलब्ध कराई।
- ड. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर देने के लिए उनके देश से निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने का भी अनुरोध किया गया। चीन जन.गण. से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों सहित, उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी उन्हें भेजी गई।
- च. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातकों की प्रश्नावली भेजी:-
 - i. शियामन शेंगमाओ कं. लि.
 - ii. हांग युई टोंग कंपनी लिमिटेड
 - iii. डिंगशेंग एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज
 - iv. शियाशुन होलिंग्स लिमिटेड
 - v. ल्यूयांग लांगडिंग एल्युमिनियम
 - vi. हनान मिंगतई एल्युमिनियम इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
 - vii. जियांगसू अल्चा एल्युमिनियम कं. लि.
- छ. संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दायर किए:-
 - I. जियांगसू डिंगशेंग न्यू मैटिरियल्स ज्वाइंट-स्टॉक कं. लि.
 - II. हांगझोऊ डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं., लि.

- III. डिंगशेंग एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज (हांगकांग) ट्रेडिंग कं., लिमिटेड
 - IV. इनर मंगोलिया लियांगशेंग न्यू एनर्जी मैटेरियल कं.
 - V. आरकोनिक (कुनशन) एल्युमिनियम प्रोडक्ट्स कं. लि.,
 - VI. मै. ग्राजिस एल्युमिनियम (शंघाई) लि., (जीएस)
- ज. प्राधिकारी ने नियमों के अनुसरण में, आवश्यक सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातक/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी:-
- I. टेक्रोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लि.
 - II. एस के एम स्टील लिमिटेड
 - III. जिंदल (इंडिया) लिमिटेड
 - IV. बानको प्रोडक्ट्स लि.
 - V. ग्रीनबेरी फॉयल्स इंडिया लिमिटेड
 - VI. टाटा टोयो रेडियेटर लि.
 - VII. एंबर एंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड
- झ. निम्नलिखित आयातकों ने आयातक/प्रयोक्ता प्रश्नावली उत्तर दायर किए:-
- I. अलक्राफ्ट थर्मोटेक्नोलोजिज प्रा. लि.
 - II. टेक्रोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
 - III. जिंदल (इंडिया) लिमिटेड
 - IV. रविराज फॉयल्स लिमिटेड
 - V. इन्डोमैक्स इंडस्ट्रीज
 - VI. अलूडेकोर लेमिनेशन प्राइवेट लिमिटेड
 - VII. माहले आनंद थर्मल सिस्टम्स प्रा. लि.
- ञ. निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी अनुरोध किए हैं:-
- i. एल्युमिनियम सेकेन्ड्री मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन
 - ii. ए सी पी मैन्युफैक्चर एसोसिएशन
 - iii. ग्रीनबेरी फॉयल्स इंडिया लिमिटेड
 - iv. श्री वेंकटेश्वर इलैक्ट्रोकास्ट प्राइवेट लिमिटेड
 - v. हनान ऑटोमोटिव सिस्टम्स इंडिया प्रा. लि.
 - vi. माहले आनंद थर्मल सिस्टम्स प्रा. लि.
- ट. प्राधिकारी ने अनुरोध किए जाने पर प्रश्नावली उत्तर दायर किए जाने के लिए निर्यातकों को 6 दिसंबर, 2020 तक समय विस्तार प्रदान किया।
- ठ. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की सूची के साथ उनके उत्तर के अगोपनीय पाठ को साझा करने के लिए पक्षकारों को निर्देश दिया। पक्षकारों ने ई-मेल के जरिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ उत्तर के अगोपनीय पाठ का आदान-प्रदान किया।

- ड. आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से अनिवार्य समझी गई सीमा तक और सूचना की मांग की गई। प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग और निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का सारणी अध्ययन (टेबल स्टडी) के द्वारा अनिवार्य समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया।
- ढ. जांच 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 (12 महीने) की अवधि के लिए आयोजित की गई (जिसे यहां “जांच की अवधि” या “पीओआई” कहा गया है) क्षति विश्लेषण में 1 अप्रैल, 2016-31 मार्च, 2017, 1 अप्रैल 2017 – 31 मार्च, 2018, 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 और पीओआई की अवधि शामिल है।
- ण. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदा-वार विवरण उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया, जिसे प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किया गया। प्राधिकारी ने सौदों की उचित जांच के बाद आयातों की मात्रा के परिकलन और इसके विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- त. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण और बिक्री के लिए उत्पादन और लागत की इष्टतम लागत के आधार पर क्षति-रहित कीमत (एनआईपी) तैयार की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से निम्न पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- थ. नियमावली के अनुसरण में, प्राधिकारी ने 25 मई, 2021 को आयोजित मौखिक सुनवाई में अपने अनुरोध मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान किया जिसमें विभिन्न पक्षकारों ने भाग लिया। जिन हितबद्ध पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रकट किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों के लिखित में अनुरोध प्रस्तुत करने की सलाह दी गई। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारा के लिए प्रत्युत्तर अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया गया।
- द. इस जांच में आवश्यक तथ्यों से युक्त एक प्रकटीकरण विवरण, जो कि अंतिम जांच परिणाम के आधार पर बनता, इच्छुक पार्टियों को 26.08.2021 को जारी किया गया था और इच्छुक पार्टियों को उस पर टिप्पणी करने के लिए 02.09.2021 तक का समय दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।
- ध. प्राधिकारी ने उस सीमा तक, इस स्तर पर सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना और उठाए गए सभी विवादों पर विचार किया है जिस तक उन्हें साक्ष्यों द्वारा समर्थित किया गया है और वर्तमान जांच के संगत समझा गया है। इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी वे संगत पाए गए हैं, पर इस प्रकटीकरण विवरण में प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- न. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी जरूरत थी गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।
- प. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है या अन्यथा रूप से वर्तमान जांच की अवधि के दौरान अनिवार्य सूचना प्रदान करने से मना किया है या जांच में उल्लेखनीय रूप से हस्तक्षेप किया है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज किए हैं।

- फ. इस अंतिम जांच परिणाम में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार समझी गई सूचना को दर्शाता है।
- ब. अमरीकी डॉलर को भारतीय रूपए में परिवर्तित करने के लिए पीओआई के लिए विचारित विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 71.66 रूपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए मुख्य अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- क. विचाराधीन उत्पाद "एल्युमीनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद" (एफआरपी) है। एफ आर पी एल्युमिनियम रोल्ड कॉयल्स या विभिन्न आयामों वाली एल्युमीनियम रोल्ड शीटों के रूप में बनाए जाते हैं। एफ आर पी का निर्माण विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद प्राइमरी या सैकेंडरी एल्युमिनियम से किया जाता है जैसे मेल्टिंग एवं एलौयिंग, स्लैब कास्टिंग (स्लैब/कान्कास्ट), हॉट रोलिंग, कोल्ड रोलिंग और अन्य फिनिशिंग प्रक्रियाएं और इनका गॉज, टेपर, अलॉय, चौड़ाई, फिनिश आदि के आधार पर विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए प्रयोग किया जाता है।
- ख. उत्पादन क्षेत्र में उत्पादों के सभी उत्पादन और आकार, साथ ही पैटर्न के साथ कॉयल, शीट, सर्कल्स, प्लेट्स आदि शामिल हैं, जिनमें मिल फिनिशड या कोटिड उत्पाद शामिल हैं। पी यू सी के क्षेत्र में सभी आयामों, डायमीटर्स, मौटाई, चौड़ाई, अलॉय, फिनिश वाले उत्पादन शामिल हैं, इनमें ये शामिल नहीं हैं:-
- कैन-बॉडी स्टॉक – इसमें एल्युमीनियम केन्स बनाने के लिए प्रयुक्त केन एंड स्टॉक (सी ई एस) भी शामिल हैं; और
 - अंतिम जांच परिणाम की दिनांक 10 मार्च, 2017 की अधिसूचना सं. एफ संख्या 14/06/2015-डीजीएडी के अनुसरण में जारी सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 23/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 16 मई, 2017 के अनुसार पाटन रोधी शुल्क को आकर्षित करने वाले 80 माइक्रोन्स तक के एल्युमीनियम फॉयल्स।

पी सी एन

- ग. आवेदक ने पी यू सी में शामिल उत्पाद प्रकारों की सामान्य रूप से स्वीकृत वाणिज्यिक शब्दावली के आधार पर, अन्य बातों के मध्य, कुछ विशेष उत्पाद नियंत्रण संख्याओं (पीसीएन) को अपनाने का प्रस्ताव किया है।
- घ. पी सी एन वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वाणिज्यिक शब्दावली पर आधारित है ताकि उचित तुलना को सुनिश्चित किया जा सके। ये सभी उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित फ्लैट रोल्ड उत्पादों के समूह में आते हैं। यदि विभिन्न उत्पाद प्रकारों के कीमत निर्धारण में कोई महत्वपूर्ण अंतर है तो उसे पाटन और क्षति मार्जिन के प्रयोजनार्थ पी सी एन से पी सी एन की तुलना के माध्यम से पता लगाया जाना चाहिए।
- ड. बहिष्करण अनुरोध: हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए बहिष्करण अनुरोध के संबंध में, घरेलू उद्योग द्वारा निम्नानुसार निवेदन किया गया है:-

80 माइक्रोन तक के एल्युमीनियम फॉयल पर पाटनरोधी शुल्क लागू करते हुए सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 23/2017 के साथ 80 माइक्रोन तक के एल्युमीनियम फॉयल

घरेलू उद्योग ने उन मदों के संबंध में, जिन्हें सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 23/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 16 मई, 2017 के तहत बहिष्कृत किया गया है, प्राधिकारी के स्पष्टीकरण का विरोध नहीं किया है। तथापि, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि ऐसा स्पष्टीकरण स्पष्ट रूप से ऐसे तथ्य को नोट करता है कि "एल्युमीनियम कम्पोजित पैनल स्टॉक" अथवा "ए सी पी मिल फिनिश" और संगत नॉन-क्लैड एल्युमीनियम फॉयल के साथ क्लैड वास्तव में इस जांच के क्षेत्र

में शामिल है। स्पष्टीकरण के लिए यह भी अनुरोध किया जाता है कि सीमा शुल्क अधिसूचना 23/2017 में “ए सी पी मिल फिनिश” बहिष्कृत नहीं है, जिसे वर्तमान जांच में पीयूसी में शामिल किया गया है। बल्कि, यह ए सी पी को बहिष्कृत करता है (अर्थात् तैयार उत्पाद) जो “ए सी पी मिल फिनिश” से भिन्न है।

0.3 मि.मी. से अधिक मोटाई का फॉयल स्टॉक

घरेलू उद्योग के पास 0.3 मि.मी. की मोटाई से कम मोटाई वाले उत्पादों का उत्पाद करने की सक्षमता है और इस ने वास्तव में पी ओ आई में 0.3 मि.मी. मोटाई से कम वाले उत्पादों की आपूर्ति की है।

1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक

भारतीय प्रयोक्ताओं के लिए 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले फॉयल स्टॉक को खरीदने की कोई आवश्यकता नहीं है। रविराज फॉयल: (i) घरेलू उद्योग से सीधे 1000 मि.मी. फॉयल खरीद सकते हैं और उसी में व्यापार कर सकते हैं; या (ii) वे 1000 मि.मी. से अधिक किसी भी चौड़ाई के फॉयल खरीद सकते हैं और इसे काट सकते हैं। इस में कोई छीजन नहीं होती है, जैसा कि रविराज फॉयल द्वारा दावा किया गया है। साक्ष्य यह दर्शाएंगे कि सब - 1000 मि.मी. श्रेणी के भीतर अलग-अलग चौड़ाई के फॉयल का उपयोग करने वाले विभिन्न उद्योग हैं।

वित्तीय वर्ष 17 से वित्तीय वर्ष 21 से फॉयल स्टॉक का आयात डाटा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है कि चौड़ाई के व्यापक स्पेक्ट्रम के लिए बाजार मौजूद हैं। पी ओ आई में लगभग 90 प्रतिशत बाजार <1940 मि.मी. चौड़ाई के लिए था। वास्तव में, वित्तीय वर्ष 19 तक, 1940 मि.मी. से अधिक फॉयल स्टॉक के आयात नहीं होते थे।

घरेलू उद्योग की बिक्रियों की तुलना में ≥ 2000 मि.मी. चौड़ाई के आयातों की कीमत लगातार कम रही है। इसलिए, यह स्पष्ट है कि इनका देश में पाटन किया जा रहा है।

यदि 1940 मि.मी. से अधिक के उत्पादों का बहिष्करण किया जाता है तो 1940 मि.मी. से अधिक के आयातों में वृद्धि होगी जिस कारण पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना के लिए गहन पाटन किया जाएगा। क्योंकि आयातक आसानी से इन उत्पादों को कम चौड़ाई में काट सकते हैं।

1940 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले उत्पादों का कोई “विशिष्ट” अंतिम प्रयोग नहीं है।

अलॉय 8079 के उत्पाद

घरेलू उद्योग भारतीय प्रयोक्ताओं को नियमित रूप से अलॉय 8079 की आपूर्ति कर रहा है। यह अन्य ग्राहकों को भी अलॉय 8079 की आपूर्ति कर रहा है जहां इसे किसी भी प्रकार की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के बिना उपभोक्ताओं से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।

कलर कोटिड एल्युमीनियम फॉयल

घरेलू उद्योग ने पी ओ आई में विभिन्न ग्राहकों को कलर कोटिड एल्युमीनियम फॉयल की आपूर्ति की है।

0.12 मि.मी. – 0.2 मि.मी. की मोटाई के ए सी पी स्टॉक/ए सी पी फिनिश

घरेलू उद्योग नियमित रूप से 0.10 मि.मी. से 0.2 मि.मी. की मोटाई में ग्राहकों को ए सी पी मिल फिनिश की आपूर्ति कर रहा है।

1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले लिथोग्राफिक एल्युमीनियम कॉयल्स

घरेलू उद्योग ने अतीत में ग्राहकों को 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले कॉयल्स की आपूर्ति की है। इस के अलावा, याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्पादों की गुणवत्ता सभी विशिष्ट अनिवार्यताओं को पूरा करती है।

कोई भी उद्योग या विनिर्माता हर समय सभी विशिष्टताओं को पूरा करते हुए उत्पादों की आपूर्ति नहीं कर सकता है, उद्योग और विचाराधीन उत्पाद के आधार पर किसी एक खेप या विविध खेप में कुछ ऐसे उत्पाद हो सकते हैं, जो सारी विशेषताओं को पूरा नहीं करते हों। ऐसे मामलों में, ऐसे उत्पादों को वापिस कर दिया जाता है और उसके लिए राशि को भविष्य के आदेशों के प्रति समायोजित कर दिया जाता है या रिफंड कर दिया जाता है। यह स्वयं में बहिष्करण का आधार नहीं हो सकता।

ट्यूब, हैडर प्लेट और एंड प्लेट, अनक्लैड फिन स्टॉक और अनक्लैड कॉयल और अनक्लैड कॉयल के लिए क्लैडिड कॉयल और अनक्लैड कॉयल

घरेलू उद्योग हैडर प्लेट और एंड प्लेट के लिए अनक्लैड फिन स्टॉक, अनक्लैड कॉयल और क्लैडिड कॉयल का विनिर्माण कर सकता है। घरेलू उद्योग ने वास्तव में विगत में (2016 में) प्रयोक्ताओं को अपेक्षित विशेषताओं के साथ संगत हितबद्ध पक्षकारों को सामग्री की आपूर्ति की लेकिन भविष्य में फिर कभी आदेश प्राप्त नहीं किए। किसी प्रयोक्ता द्वारा एक बार की गई शिकायत बहिष्करण का आधार नहीं हो सकती। यह विशेष रूप से परीक्षण और वाणिज्यिक आदेशों के मामले में महत्वपूर्ण नहीं है। चूंकि परीक्षण आदेश छोटे हैं और विभिन्न वर्गों में किए जाते हैं, यह संभव है कि सभी खेप गणितीय सटीकता के लिए सभी विशिष्टताओं को पूरा न करें। यह बहिष्करण का आधार नहीं हो सकता। कोई भी धातु विनिर्माता हर समय सभी विशेषताओं को पूरा करने वाले उत्पादों की आपूर्ति नहीं कर सकता। कुछ अस्वीकरण हैं और ऐसे अस्वीकरणों को हल करने और उनका समाधान करने की प्रक्रियाएं मौजूद हैं।

0.30 मि.मी. से अधिक मोटाई वाले अलॉय

घरेलू उद्योग ने नोट किया है कि जहां इस विविधता के लिए बहिष्करण की मांग नहीं की गई थी, कुछ प्रयोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि 0.30 मि.मी. अलॉय से अधिक मोटाई के साथ भारतीय उद्योग के उत्पाद अपेक्षित गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं।

घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि इन उत्पादों की बिक्री बढ़ रही है, जो इसके उत्पादों की बेहतर गुणवत्ता के लिए एक विधान है।

घरेलू उद्योग के उत्पाद गुणवत्ता और वैश्विक सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करते

यह आरोप कि घरेलू उद्योग ऑटो उद्योग के लिए अपेक्षित सुरक्षा और वैश्विक मानकों को पूरा नहीं कर सकता, बिना प्रमाण के और निराधार है। घरेलू उद्योग नियमित रूप से ऑटो उद्योग को विभिन्न उत्पादों (जैसे ऑटो फिन, क्लैड, हार्ड अलॉय, आदि) की आपूर्ति करता है।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

6. नीचे विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध दिए गए हैं:-

- क. विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र बहुत विस्तृत है और इसमें स्वयं घरेलू उद्योग द्वारा बहिष्कृत किए गए उत्पाद शामिल हैं। यह जांच शुरुआत नोटिस में प्रतिबिंबित नहीं है।
- ख. घरेलू उद्योग, विशेष रूप से ऑटोमोटिव उद्योग में हीट एक्सचेंजर अनुप्रयोगों के लिए एल्युमीनियम के एफआरपी का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त परिष्कृत नहीं है। अधिक विशेष रूप से, हीट एक्सचेंजर अनुप्रयोगों के लिए जरूरी है कि उत्पादों की >45 एमपीए की पोस्ट-ब्रेज यील्ड स्ट्रेंथ होनी चाहिए। ऐसी वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए घरेलू उद्योग के पास अनुसंधान और विकास अनुभव नहीं है।
- ग. पीसीएन को उचित रूप से परिभाषित नहीं किया गया है और यह उचित तुलना को इस प्रकार अनुमति नहीं देता है:-
 - विचाराधीन उत्पाद की मोटाई और चौड़ाई के अनुसार लागत और कीमत भिन्न होती है, लेकिन ऐसी मोटाई और चौड़ाई के आधार पर उत्पाद प्रकारों के बीच कोई विभाजन नहीं किया गया है।

- विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में फॉयल के रूप में बेहतर रूप से ज्ञात, उत्पादित और बिक्री की गई मोटाई शामिल की गई है।
- घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित न की गई मोटाइयां भी शामिल हैं।

घ. बहिष्करण अनुरोध: विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित बहिष्करणों के लिए अनुरोध किया गया है:-

0.3 मि.मी. से कम मोटाई के फॉयल स्टॉक

घरेलू उद्योग केवल 0.3 मि.मी. मोटाई वाले फॉयल स्टॉक का उत्पादन कर सकता है। अतः 0.3 मि.मी. से कम की मोटाई वाले फॉयल स्टॉक का बहिष्करण किया जाना चाहिए।

0.3 मि.मी. से कम की मोटाई के फॉयल स्टॉक का प्रयोग 6 माइक्रोन और 6.5 माइक्रोन के अल्युमीनियम फॉयल को बनाने के लिए किया जाता है जिसमें अल्ट्रालाइट गॉज और सिगरेट फॉयल शामिल हैं जब कि 0.3 मि.मी. मोटाई को फॉयल स्टॉक का प्रयोग 9 माइक्रोन्स और अधिक के अल्युमीनियम फॉयल को बनाने के लिए किया जाता है।

विभिन्न प्रकार के फॉयल्स का उत्पादन करने के लिए किसी भी प्रकार के फॉयल स्टॉक का प्रयोग करना तकनीकी और व्यावसायिक रूप से संभव नहीं है। यदि 0.3 मि.मी. और अधिक मोटाई वाले फॉयल स्टॉक का प्रयोग इस समय 0.3 मि.मी. से कम मोटाई के फॉयल स्टॉक द्वारा विनिर्मित किए जा रहे उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए किया जाता है तो मशीन के जरिए पासिस की संख्या बढ़ जाएगी, जिस कारण उत्पाद की गुणवत्ता में ह्रास आएगा और प्रयोक्ताओं की उत्पादकता को घटाएगा।

1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक

घरेलू उद्योग के पास 1940 मि.मी. से अधिक चौड़ाई की संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है।

घरेलू उद्योग ने 1950 मि.मी. के बाद शामिल होने वाले किसी भी उत्पाद के लिए किसी पीसीएन का प्रस्ताव नहीं किया है। प्रयोक्ता उपभोक्ता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए और मिलों की रोलिंग क्षमता का प्रयोग करने के लिए 2000 मि.मी. अधिक की चौड़ाई वाले विचाराधीन उत्पाद का आयात कर रहे हैं।

1000 मि.मी. फॉयल का उत्पादन करने के लिए, प्रयोक्ता को 2000 मि.मी. की फॉयल की जरूरत है। यह दो कारणों से है:-

- प्रयोक्ता द्वारा स्थापित मशीन 1700 मि.मी. से कम की एफआरपी का प्रयोग नहीं कर सकती।
- यहां प्रतिवादियों द्वारा की गई बिक्रियों की बहुलता इस प्रकार की है कि उन्हें 2000 मि.मी. की जरूरत है।

इसलिए, यदि प्रयोक्ता 2000 मि.मी. से निम्न एफआरपी की खरीद करते हैं तो उन्हें 1000 मि.मी. उत्पाद की बिक्री के बाद बचे हुए उत्पाद के लिए प्रयोक्ताओं को ढूंढना होगा। इसलिए, प्रयोक्ता के पास अंत में बचे हुए एफ आर पी का महत्वपूर्ण स्टॉक बचेगा यदि वे 2000 मि.मी. से निम्न एफ आर पी का प्रयोग करते हुए 1000 मि.मी. फॉयल का उत्पादन करते हैं।

प्रयोक्ता प्रवंचना के संबंध में किसी चिन्ता का पता लगाने के लिए अंतिम प्रयोक्ता उद्यमों को उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए इच्छुक होंगे।

फॉयल स्टॉक एए 8079

घरेलू उद्योग एए 1235 (0.3 मि.मी. से अधिक मोटाई) का उत्पादन करता है। वर्तमान घरेलू उद्योग ने हाल ही में एए 8079 का विकास करने का प्रयास किया है। तथापि, वर्तमान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद तकनीकी जरूरतों/मानकों को पूरा नहीं करते क्योंकि इसे 7 माइक्रोन से कम पर रोल नहीं किया जा सकता। 7 माइक्रोन से कम पर इसे रोल करने पर रोलिंग प्रक्रिया के दौरान फॉयल टूट जाता है।

कलर कोटिड एल्यूमीनियम काँयल्स

घरेलू उद्योग के पास कलर कोडिड काँयल्स का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। एसीपी स्टॉक/एसीपी मिल फिनिश से कलर कोटिड काँयल के उत्पादन के लिए पृथक प्लांट की जरूरत है और इसके लिए लगभग 5 करोड़ रुपए तक राशि का निवेश अपरिहार्य होता है जिसे इसकी अमहत्वपूर्ण लागत के बावजूद भी घरेलू उद्योग ने नहीं किया है।

प्रयोक्ता स्वयं कलर कोडिड काँयल का उत्पादन करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण निवेश करने की स्थिति में नहीं हैं।

कलर कोटिड एल्यूमीनियम काँयल को एल्यूमीनियम फ्लैट रोलड उत्पादों के आयातों के संबंध में पिछली रक्षोपाय जांच में बहिष्कृत किया गया था। कलर कोटिड एल्यूमीनियम फॉयल को चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एल्यूमीनियम फॉयल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में सेस्टेट द्वारा विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से भी बहिष्कृत किया गया था। तदनुसार, कलर कोटिड एल्यूमीनियम काँयल को वर्तमान जांच के क्षेत्र से भी बाहर रखा जाना चाहिए।

देश में इतनी भारी मांग के बावजूद घरेलू उद्योग ने उपभोक्ताओं को किसी कलर कोटिड काँयल की बिक्री नहीं की है। इसका पीसीएन वार बिक्री सूचना से सत्यापन किया जा सकता है जो वर्तमान घरेलू उद्योग द्वारा अवश्य उपलब्ध कराई गई होगी।

0.12 मि.मी. -0.2 मि.मी. के बीच मोटाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी मिल फिनिश

घरेलू उद्योग के पास 0.12 मि.मी. - 0.2 मि.मी. के बीच मोटाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी मिल फिनिश का विनिर्माण करने की क्षमता नहीं है। अतः इसे पीयूसी के क्षेत्र के बाहर रखा जाना चाहिए।

भारत में लगभग 40 प्रतिशत आयात उक्त मोटाई के हैं। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित न किए जा रहे उत्पादों का बहिष्करण करने की पद्धति को लगातार अपनाया है।

1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के लिथोग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स

एल्यूमीनियम ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स का विनिर्माण उच्च शुद्धता वाली लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स से किया जाता है जो कि इसके विनिर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण और कच्चा माल है। लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल, जो वर्तमान पीयूसी का एक भाग है, एल्यूमीनियम और लिथियम के मिश्रण से बने एक विशेष ग्रेड के एल्यूमीनियम काँयल्स हैं।

टेक नोवा को कुछ विशेष प्रकार के उच्च चौड़ाई रेंज के लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स की जरूरत है जो ऊपर 1600 मि.मी. तक जाता है, जिसे घरेलू उद्योग विनिर्मित नहीं करता। घरेलू उद्योग व्यावसायिक रूप से 1150 मि.मी. से अधिक लिथो-ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है। परिणामस्वरूप, प्रयोक्ता के पास भारत में 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल का आयात करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

पीओआई और 2020-21 के दौरान, 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स के 95 प्रतिशत से 100 प्रतिशत का आयात किया जाता है जबकि घरेलू उद्योग 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स के केवल 0 प्रतिशत से 5 प्रतिशत की आपूर्ति करने में समर्थ है।

घरेलू उद्योग द्वारा इन काँयल्स में से अधिकतर की परीक्षण आधार पर आपूर्ति की गई थी जिनमें से कई अपेक्षित जरूरी गुणवत्ता मानकों का उत्पादन करने में असफल रहे और अस्वीकृत कर दिए गए।

इस प्रकार, प्राधिकारी से उत्पाद क्षेत्र से 1150 मि.मी. से अधिक के लिथो ग्रेड एल्यूमीनियम काँयल्स को शामिल न करने का अनुरोध किया जाता है।

ट्यूब, हैडर प्लेट और एंड प्लेट, अनक्लैड फिन स्टॉक और अनक्लॉड कॉयल के लिए क्लेडिड फॉयल

यह उत्पाद अत्यधिक तकनीकी है और इसके लिए विशेषज्ञता की जरूरत है जो चीनी निर्यातक धारित करते हैं। घरेलू उद्योग के पास ऐसी विशेषज्ञता नहीं है और इस समय, अपने सर्वोत्तम रूप में रिवर्स इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्माण में संलग्न है जो पहले से ही बाजार में है। घरेलू उद्योग आयातित सामग्री की एक कुशल तरीके से नकल करने के कार्य को पूरा करने में भी असमर्थ है, अधिक विशेष रूप से कहा जाए तो हीट एक्सचेंजर एप्लिकेशन के लिए इस बात की जरूरत होती है कि उत्पादों की पोस्ट-ब्रेज यील्ड शक्ति >45 एमपीए की हो। घरेलू उद्योग के पास इसका विनिर्माण करने की क्षमता नहीं है।

एक आयातक ने घरेलू उद्योग से क्रय करने का प्रयास किया और घरेलू उद्योग विशिष्टताओं के अनुसार आपूर्ति करने में असफल रहा है।

हीट एक्सचेंजर एप्लिकेशन्स को एफआरपी/फॉयल पर पूर्ववर्ती पाटनरोधी जांचों में एडीडी में शामिल नहीं किया गया था और तदनुसार, इसे वर्तमान जांच में भी बहिष्कृत किया जाना चाहिए।

केन-बॉडी स्टॉक जिसमें एल्यूमीनियम केन्स को बनाने के लिए प्रयुक्त केन एंड स्टॉक (सीईएस) और 80 माइक्रोन तक का एल्यूमीनियम फॉयल शामिल हैं।

प्राधिकारी को “एल्यूमीनियम केन्स को बनाने के लिए प्रयुक्त केन एंड स्टॉक (सीईएस) सहित केन-बॉडी स्टॉक” और “80 माइक्रोन तक के एल्यूमीनियम फॉयल” को बहिष्कृत करना चाहिए (जैसा कि अंतिम जांच परिणाम सं. 14/06/2015-डीजीएडी दिनांक 10 मार्च, 2017 और जांच शुरुआत अधिसूचना सं. 6/21/2020-डीजीटीआर दिनांक 20 जून 2020 में बहिष्कृत किया गया था)। सीमा शुल्क अधिसूचना और अंतिम जांच परिणामों के संदर्भ में बहिष्करण नहीं किया जाना चाहिए और बहिष्कृत किए गए उत्पादों का एक विस्तृत विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के (i) एल्यूमीनियम कम्पोजिट पैनल एवं (ii) सक्षम नान क्लैड एल्यूमीनियम फॉयल के साथ क्लैड को शामिल करने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। चीन जन.गण. के मूल के 80 माइक्रोन तक के एल्यूमीनियम फॉयल के संबंध में पाटनरोधी जांच में, प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित उत्पाद प्रकारों को शामिल नहीं किया है क्योंकि इनका घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन नहीं किया जा रहा है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान मामले में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में बड़ी संख्या में मुद्दे उठाए हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर पीयूसी के क्षेत्र में कुछ विशेष उत्पादों को शामिल न किए जाने की मांग की है कि घरेलू उद्योग इस उत्पाद प्रकार को उत्पादित करने या अपेक्षित उत्पाद प्रकार में उत्पाद की आपूर्ति करने में समर्थ नहीं है अथवा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्ति किए गए उत्पाद की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों से संगत सूचना की मांग करने के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों के दावों की जांच की गई है और 'टेबल सत्यापन' के दौरान भी इसकी जांच की गई और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रिकॉर्ड पर प्रस्तुत साक्ष्य को भी ध्यान में रखा गया।
8. विचाराधीन उत्पाद “एल्यूमीनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद” हैं। एफ आर पी एल्यूमीनियम रोल्ड कॉयल्स अथवा विभिन्न आयामों वाले एल्यूमीनियम रोल्ड शीटों के रूप में बनाए जाते हैं। उत्पादों के क्षेत्र में उत्पाद के सभी उत्पाद रूप और आकार, अन्य बातों के साथ-साथ, कॉयल, शीटें, सर्कल्स, मिल फनिशड या कोटिड उत्पादों सहित पैटर्न आदि शामिल हैं।
9. प्राधिकारी ने इसके आवेदन में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कुछ विशेष बहिष्करण नोट किए हैं। प्राधिकारी स्पष्ट करते हैं कि इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से निम्नलिखित उत्पादों को बहिष्कृत किया गया है:-
 - i. केन-बॉडी स्टॉक – जिसमें एल्यूमीनियम केन बनाने के लिए प्रयुक्त केन एंड स्टॉक (सीईएस) भी शामिल हैं।
 - ii. एल्यूमीनियम फॉयल 80 माइक्रोन तक।

10. प्राधिकारी सत्यापित करते हैं कि ऊपर दिए गए जिन ग्रेडों को बाहर रखा गया है, उन्हें आयात आंकड़ों के भाग के रूप में नहीं माना गया है और इसलिए ऐसा पाटन और क्षति विश्लेषण का निर्धारण करने के उद्देश्य से किया गया है।
11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुएं विभिन्न प्रकारों में आयातित की जा रही हैं। आवेदक ने पीसीएन से पीसीएन की तुलना करने के लिए उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) का प्रस्ताव किया था। ऐसे मापदंडों पर विचार करते हुए जो उत्पाद की संबद्ध लागत और कीमतों पर प्रभाव डालते हैं, प्राधिकारी ने जांच शुरुआत अधिसूचना सं. 06/27/2020-डीजीटीआर दिनांक 8 सितंबर, 2020 के अनुसार पीसीएन क्रिया पद्धति अधिसूचित की। वर्तमान जांच में अपनाई गई पीसीएन क्रिया पद्धति निम्नानुसार है:-

पीसीएन	मोटाई की रेंज (मि.मी.)	चौड़ाई (मि.मी.)	मिश्रण	अलॉय श्रृंखला	लंबाई की रेंज (मि.मी.)	प्राथमिक अनुप्रयोग
एसीपी स्टॉक / एसीपी मिल फिनिश (एसीपी)	0.12 से 0.98	760 से 1550	एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 22, एच 24, एच 28	1 एक्स, एक्सएक्स, 3 एक्स, एक्सएक्स, 5 एक्स, एक्सएक्स,	-	फसेड, पार्टिशन, सिगनेज आदि के लिए एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनल्स
कलर कोटिड	0.12 से 1.63	760 से 1550	एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 22, एच 24, एच 28, एच 4X	1 एक्स, एक्सएक्स, 3 एक्स, एक्सएक्स, 5 एक्स, एक्सएक्स,	1000 से 7000 (for Sheet)	फसेड, इंसुलेशन, रफिंग/क्लेडिंग के लिए एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनल
फिन स्टॉक	0.04 से 1.5	10 से 1220	ओ, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, & एफ	1 एक्स, एक्सएक्स, 3 एक्स, एक्सएक्स, 8 एक्स, एक्सएक्स		ऑटोमोटिव/ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्रियल हीट एक्सचेंजर और एयर कंडीशनिंग के लिए एचवीएसी अनुप्रयोग
क्लैड	0.045 से 4.0	10 से 1200	ओ, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, & एफ	3 एक्स, एक्सएक्स, 4 एक्स, एक्सएक्स, 5 एक्स, एक्सएक्स, 7 एक्स, एक्सएक्स	500 से 4500 (for Sheet)	ऑटोमोटिव/ ट्रांसपोर्ट के लिए एचवीएसी अनुप्रयोग

सर्कलस	0.6 से 7.25	102 से 1350 (डायमीटर)	ओ, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 24, T6	1 एक्स एक्सएक्स, 3 एक्स एक्सएक्स, 4 एक्स एक्सएक्स, 5 एक्स एक्सएक्स, 6 एक्स एक्सएक्स, 8 एक्स एक्सएक्स		प्रेशर कुकर एवं कुक वेयर्स
फॉयल स्टॉक	0.08 से 0.60 से ज्यादा	540 से 1940	एच 14, एच 16, एच 18, एच 24 एवं एफ	1 एक्स एक्सएक्स, 3 एक्स एक्सएक्स, 8 एक्स एक्सएक्स,		पैकेजिंग
हार्ड एलॉय	0.20 से 5	20 से 1900	ओ, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, एच 32, एच 34, एच 36, एच 38, टी 4, टी 5, टी 6	2 एक्स एक्सएक्स, 5 एक्स एक्सएक्स, 6 एक्स एक्सएक्स, 7 एक्स एक्सएक्स	500 से 6000	औद्योगिक निर्माण और सुरक्षा अनुप्रयोग
लियोग्राफिक एल्यूमिनियम	0.20 से 0.35	600 से 1460	एच 18	1xxx		प्रिंटिंग प्लेट्स
प्लेट्स	5 से 300	140 से 1900	टी 6, एफ, ओ, एच 111	1 एक्स एक्सएक्स, 2 एक्स एक्सएक्स, 3 एक्स एक्सएक्स, 5 एक्स एक्सएक्स, 6 एक्स	500 से 6000	रक्षा एवं औद्योगिक अनुप्रयोग

				एक्सएक्स, 7 एक्स एक्सएक्स, 8 एक्स एक्सएक्स		
क्लोजर स्टॉक	0.13 से 0.52	38 से 1940	ओ, एच 14, एच 16, एच 18, एच 34, एच 36, एच 39	1 एक्स एक्सएक्स, 3 एक्स एक्सएक्स, 5 एक्स एक्सएक्स, 8xxx	425 से 1300	पीपी कैप्स और पैकेजिंग
सामान्य इंजीनियरिंग और औद्योगिक अनुप्रयोगों (जिन्हें जीईक्यू कहा जा सकता है) सहित अनुप्रयोग	0.07 से 5	10 से 1950	ओ, एच 12, एच 14, एच 15, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, एफ, एच 2एक्स, एच 3एक्स, एच 4एक्स, टी 4, टी 6	1 एक्स एक्सएक्स, 3 एक्स एक्सएक्स, 5 एक्स एक्सएक्स, 6 एक्स एक्सएक्स, 8 एक्स एक्सएक्स	600 से 6000	आद्योगिक, ऑटोमोटिव, निर्माण, ड्यूरेबल्स, इंसुलेशन आदि।

12. विभिन्न प्रकार के एल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय हैं जिन में भौतिक, उत्पादन, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र और उपकरण, कार्य और प्रयोग आदि शामिल हैं। विभिन्न श्रेणियों/प्रकार विभिन्न अंतिम प्रयोक्ताओं की अनिवार्यताओं को पूरा करने के लिए अभिप्रेरित है। अंतिम प्रयोग आवश्यकताओं के अनुसार एल्यूमीनियम फ्लैट-रोल्ड उत्पादों का डिजाइन भिन्न हो जाता है। जहां तक विनिमेयता का संबंध है, जो एल्यूमीनियम फ्लैट-रोल्ड उत्पाद विभिन्न उत्पाद समूहों से संबंधित हैं, विभिन्न कारणों से विनिमय योग्य नहीं हो सकते जैसे कि प्रयुक्त विशिष्ट अलॉय उपचार अथवा फिनिशिंग का प्रकार। फिर भी, ये उत्पाद जांच के उत्पाद क्षेत्र में आते हैं क्योंकि ये समान आधारभूत, रसायनिक और तकनीकी विशेषताएं साझा करते हैं। तथापि विभिन्न प्रकारों के एल्यूमीनियम-रोल्ड उत्पाद एक वस्तु का उत्पादन करते हैं और यदि घरेलू उद्योग भारत में आयातित किए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु का विनिर्माण कर रहा है तो उत्पाद प्रकारों को बहिष्कृत किया जाना उचित नहीं होगा।
13. प्राधिकारी ने कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर भी विचार किया है कि वर्तमान मामले में पीयूसी का क्षेत्र बहुत अधिक विस्तृत है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम न ही नियमावली के अंतर्गत ऐसी कोई बाधा है जो विविध उत्पाद प्रकारों को उत्पादन के क्षेत्र की सीमा में रखने से रोकती है। वास्तव में, प्राधिकारी ने विगत में चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, यूरोपियन संघ, जापान, ताईवान, इंडोनेशिया, यूएसए, थाइलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई, हांगकांग, सिंगापुर, मैक्सिको, वियतनाम और मलेशिया से स्टेनलेस स्टील के फ्लैट रोल्ड उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में दिनांक 23 दिसंबर, 2020 को अपने अंतिम जांच परिणाम में यह जांच परिणाम देते हुए स्टेनलैस स्टील के हॉट रोल्ड और कोल्ड रोल्ड उत्पादों, दोनों, पर जांच आयोजित की थी कि ये दोनों प्रकार वृहत स्टेनलेस स्टील श्रेणी की दो उप-श्रेणियां थीं। इसी

प्रकार, फ्लैट रोल्ड एल्यूमीनियम उत्पादों के विभिन्न प्रकार एल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों की व्यापक श्रेणियों का भाग है और इन्हें समान जांच के क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है।

14. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के बहिष्करण संबंधी अनुरोधों पर विचार किया। विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित बहिष्करणों के लिए अनुरोध किया है और प्राधिकारी ने सभी बहिष्करण संबंधी अनुरोधों की यहां नीचे जांच की है:-

- क. 0.3 मि.मी. से निम्न मोटाई के फॉयल स्टॉक
 - ख. 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक
 - ग. अलॉय 8079 के उत्पाद
 - घ. कलर कोटिड एल्यूमीनियम कॉयल
 - ड. 0.12 मि.मी. – 0.2 मि.मी. मोटाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी फिनिश
 - च. 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के लिथोग्राफिक एल्यूमीनियम कॉयल्स
 - छ. ट्यूब, हैडर प्लेट और एंड प्लेट, अनक्लैड फिन स्टॉक और अनक्लैड कॉयल के लिए क्लैडिड कॉयल
- 0.3 मि.मी. से निम्न मोटाई के फॉयल स्टॉक

15. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग केवल 0.3 मि.मी. से अधिक मोटाई के फॉयल स्टॉक का उत्पादन कर सकता है। तथापि, घरेलू उद्योग ने 0.3 मि.मी. से निम्न फॉयल स्टॉक के उत्पादन और बिक्री को दर्शाने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। जो यह स्थापित करता है कि घरेलू उद्योग के पास उत्पाद का विनिर्माण करने की क्षमता है और इस ने निश्चय ही पीओआई के दौरान उत्पाद का विनिर्माण और आपूर्ति की है। इसलिए, प्राधिकारी पीयूसी के क्षेत्र से ऐसे उत्पाद का बहिष्कृत किया जाना उचित नहीं होगा।

1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक

16. 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक के संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ऐसी चौड़ाई की आपूर्ति नहीं करता। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि 1950 मि.मी. से अधिक के फॉयल स्टॉक का कोई “विशिष्ट उपयोग” नहीं है।
17. किए गए अनुरोधों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक का प्रयोग कर बनाए गए तैयार उत्पाद (अर्थात् फॉयल) का कोई व्यापारिक उपयोग नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1950 मि.मी. से अधिक के फॉयल स्टॉक और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए 1950 मि.मी. से निम्न के फॉयल स्टॉक में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक का प्रयोग करते हुए बनाए गए फॉयल स्टॉक का कोई विशिष्ट प्रयोग नहीं है। रविराज के तर्क कि 2000 मि.मी. से नीचे की किसी भी वस्तु का परिणाम छीजन में होता है, असमर्थनीय है क्योंकि कम चौड़ाई वाले फॉयल स्टॉक को भी अंतिम उत्पादों को उत्पादित करने के लिए रोल किया जा सकता है। इस संबंध में, घरेलू उद्योग ने सब 1000 मि.मी. चौड़ाई वाले फॉयल स्टॉक के प्रयोग का प्रदर्शन करने के लिए साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन, कार्यों और टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में 1950 मि.मी. चौड़ाई के फॉयल स्टॉक और 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। इसलिए, प्राधिकारी जांच के क्षेत्र में 1950 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक को शामिल न किया जाना उचित नहीं समझते।

अलॉय 8079 का उत्पादन

18. हितबद्ध पक्षकारों का कहना है कि वर्तमान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद तकनीकी अनिवार्यताओं/मानकों को पूरा नहीं करता क्योंकि इसे 7 माइक्रोन से नीचे रोल नहीं किया जा सकता। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इसने भारतीय प्रयोक्ताओं की अलॉय 8079 की आपूर्ति की है और इसके संबंध में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं।

19. प्रयोक्ताओं/आयातकों ने अपने उत्तर में, आयातित और घरेलू वस्तुओं के बीच किसी प्रकार के तकनीकी/भौतिक अंतर की पहचान नहीं की है। इसके विपरीत, घरेलू उद्योग ने ग्राहकों से प्रशंसा और गुणवत्ता अनुमोदन प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं।
20. पीयूसी के क्षेत्र का आकलन करने के लिए गुणवत्ता कोई कारण नहीं है। गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद का बहिष्करण करने के लिए कोई पर्याप्त औचित्य नहीं है।

कलर कोटिड एल्यूमीनियम फॉयल

21. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के पास कलर कोटिड कॉयल्स का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। तथापि, घरेलू उद्योग ने साक्ष्य उपलब्ध कराया है कि इसने पीओआई में इस मामले में एक हितबद्ध पक्षकार सहित बहुत से ग्राहकों को कलर कोटिड एल्यूमीनियम कॉयल की आपूर्ति की है।
22. पिछली जांचों में कलर कोटिड एल्यूमीनियम कॉयल के बहिष्करण के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य और आंकड़ों को ध्यान में रखा है और प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग विनिर्माण कर रहा है और इस ने ग्राहकों को कलर कोटिड एल्यूमीनियम कॉयल की आपूर्ति की है और इसलिए वे पीयूसी के क्षेत्र में शामिल हैं।

0.12 मि.मी. -0.2 मि.मी. मोटाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी फिनिश

23. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के पास 0.12 मि.मी. – 0.2 मि.मी. के बीच की मोटाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी फिनिश का विनिर्माण करने की क्षमता नहीं है। इसलिए, इसे पीयूसी के क्षेत्र से बहिष्कृत किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इसने भारतीय प्रयोक्ताओं को इन उत्पादों की आपूर्ति की है और इस संबंध में दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराया है। इसलिए, प्राधिकारी पीयूसी के क्षेत्र से इस उत्पाद को बहिष्कृत किया जाना उचित नहीं होगा।

1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले लिथोग्राफिक एल्यूमीनियम कॉयल्स

24. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग 1150 मि.मी. से अधिक और 1600 मि.मी. चौड़ाई तक के लिथोग्राफिक एल्यूमीनियम कॉयल्स की आपूर्ति करने में व्यावसायिक रूप से सक्षम नहीं है और यह कि घरेलू उद्योग 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के लिथोग्रेड एल्यूमीनियम कॉयल्स की केवल 0 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक ही आपूर्ति करने में ही सक्षम हैं।
25. दूसरी ओर, घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि इस ने सारी विनिर्दिष्ट अनिवार्यताओं को पूरा करते हुए ग्राहकों को अतीत में 1150 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले कॉयल्स की आपूर्ति की है।
26. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का सत्यापन किया और पाया कि घरेलू उद्योग ने पक्षकारों में से एक को 1150 मि.मी. से अधिक और 1600 मि.मी. तक की चौड़ाई वाले लिथोग्रेड एल्यूमीनियम कॉयल्स की आपूर्ति की है। तदनुसार, इसे पीयूसी के क्षेत्र में शामिल किया गया है।
27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक संभव मांग-आपूर्ति अंतर विशेष उत्पाद प्रकार के बहिष्करण का औचित्य सिद्ध नहीं करता जहां वे विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में विचाराधीन उत्पाद के तुलनीय हैं।
28. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा इन कॉयलों की आपूर्ति परीक्षण आधार पर की गई थी जिस में से बहुत से कॉयल जरूरी अपेक्षित गुणवत्ता मानकों को प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं और अस्वीकृत किए जाने के अधीन थे।
29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि सरकार ने उत्पाद के लिए विशिष्ट मानक निर्धारित किए हैं और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद ऐसे मानकों के अनुरूप हैं, तो उपभोक्ता यह दावा नहीं कर सकता कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित प्रकार अपेक्षित मानकों को पूरा नहीं करता। यह भी नोट किया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए और भारत में आयातित उत्पाद की गुणवत्ता में अंतर को प्रदर्शित करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कुछ विशेष उपलब्ध नहीं कराया गया है।

30. इसलिए, प्राधिकारी पीयूसी के क्षेत्र से ऐसे उत्पाद का बहिष्करण नहीं करते हैं।
ट्यूब, हैडर प्लेट और एंड प्लेट, अनक्लैड फिन स्टॉक और अन-क्लैड कॉयल के लिए क्लैडिड कॉयल
31. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग ऑटो इंडस्ट्री में अनिवार्य उच्च गुणवत्ता और तकनीकी उत्पादों को उपलब्ध नहीं करा सकता जबकि घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि वह अनक्लैड फिन स्टॉक, अनक्लैड कॉयल और हैडर प्लेट और एंड प्लेट के लिए क्लैडिड कॉयल का विनिर्माण कर सकता है।
32. उत्पादों की गुणवत्ता के संबंध में, प्राधिकारी दोहराते हैं कि एक पाटनरोधी जांच में बहिष्करण के लिए गुणवत्ता संबंधी मुद्दे आधार नहीं बन सकते।
33. इसलिए, प्राधिकारी पीयूसी के क्षेत्र से ऐसे उत्पाद के का बहिष्करण नहीं करते हैं।
34. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान जांच के प्रयोजन हेतु विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र इस प्रकार है:-
“विचाराधीन उत्पाद “एल्युमीनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद” है। एफ आर पी एल्युमिनियम रोल्ड कॉयल्स या विभिन्न आयातों वाली एल्युमीनियम रोल्ड शीटों के रूप में बनाए जाते हैं। उत्पादन क्षेत्र में उत्पादों के सभी उत्पादन प्रकार और आकार, अन्य के साथ ही पैटर्न सहित कॉयल, शीट, सर्कल्स, प्लेट्स आदि शामिल हैं, जिनमें फिनिश या कोटिड उत्पाद शामिल हैं। पी यू सी के क्षेत्र में सभी आयातों, डायमीटर्स, मौटाई, चौडाई, अलाय, फिनिश वाले उत्पादन शामिल हैं, इनमें से शामिल नहीं हैं:-
i. कैन-बॉडी स्टॉक – इसमें एल्युमीनियम केन्स बताने के लिए प्रयुक्त केन एंड स्टॉक (सी ई एस) भी शामिल हैं; और
ii. 80 माइक्रोन्स तक के एल्युमीनियम फॉयल्स (यह सत्यापित है कि “एल्युमिनियम कंपोजिट पैनल स्टॉक” या “एसीपी मिल फिनिश” और अनुकूल नॉन-क्लैड एल्युमिनियम फॉयल इस जांच के क्षेत्र में शामिल है)
35. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के पश्चात, प्राधिकारी धारित करते हैं कि संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भों में विचाराधीन उत्पाद के तुलनीय है। तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से ये दोनों प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इनका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। प्राधिकारी धारित करते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद नियमावली के अनुसरण में विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग और स्थिति

घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध:

36. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और मत के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित मुख्य प्रमुख अनुरोध किए गए हैं:-
- क. आवेदन मै. हिंदालको इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने न तो संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है और न यह संबद्ध वस्तुओं के किसी उत्पादक या निर्यातक से संबंधित है।
- ख. कुल भारतीय उत्पादन में याचिकाकर्ता का उत्पादन हिस्सा लगभग 71 प्रतिशत है। इसे ध्यान में रखते हुए, याचिकाकर्ता नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के अनुसरण में पात्र घरेलू उद्योग है।
- ग. इसके अलावा, आवेदन दो घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. जिंदल एल्युमीनियम लि. और मै. मानकसिया एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड द्वारा समर्थित है। समर्थकों ने अपेक्षित जरूरी डाटा प्रस्तुत किया है। उन्होंने प्राधिकारी के समक्ष सभी महत्वपूर्ण सूचना को प्रकट किया है। ऐसी सूचना का प्रकटन घरेलू उद्योग द्वारा दावा की जा रही क्षति और स्थिति को सत्यापित करता है।
- घ. इसके अलावा, दो अन्य घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. वेदांता लिमिटेड और मै. वर्गो एल्युमीनियम ने शुल्कों को लागू करने के लिए समर्थन व्यक्त किया है।

घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध:

37. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग के क्षेत्र और स्थिति के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. जिंदल और मानकसिया ने चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, घरेलू उद्योग में ऐसे घरेलू उत्पादकों को शामिल नहीं करना चाहिए, जबकि वे स्वयं संबद्ध वस्तुओं के आयातक हों। इसलिए जिंदल और मानकसिया को घरेलू उद्योग में शामिल नहीं माना जाना चाहिए।
- ख. वेदांता लिमिटेड द्वारा व्यापार नोटिस सं. 13/2019 द्वारा यथा निर्धारित फॉर्मेट में समर्थक सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। वेदांता लिमिटेड ने याचिका के समर्थन में याचिका के साथ केवल एक पृष्ठ का पत्र उपलब्ध कराया है।
- ग. समर्थक कंपनियों द्वारा उक्त व्यापार नोटिस में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित फॉर्मेट में उनके आर्थिक मापदंडों के आंकड़ों सहित कुछ विशिष्ट सूचना उपलब्ध कराना जरूरी है। तथापि, वर्तमान जांच में, समर्थकों ने केवल उत्पादन और बिक्री से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं और उसे भी गोपनीय होने का दावा किया गया है। केवल जिंदल और मानकसिया ने उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ (एनसीवी) उपलब्ध कराया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

38. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) ‘‘घरेलू उद्योग’’ का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘‘घरेलू उद्योग’’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

- 39. आवेदन मै. हिंदालको इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दायर किया गया है और इस का मै. जिंदल एल्यूमीनियम लिमिटेड और मै. मानकसिया एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड द्वारा समर्थन किया गया है। इसके अलावा, दो अन्य घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. वेदांता लिमिटेड और मै. वर्गो एल्यूमीनियम ने शुल्कों के अधिरोपण के लिए समर्थन स्पष्ट किया है।
- 40. नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा इसकी जांच किया जाना जरूरी है कि क्या (क) घरेलू उत्पादक स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक के लिए स्पष्ट रूप से आवेदन का समर्थन कर रहे हैं; और (ख) ऐसे घरेलू उत्पादकों द्वारा आवेदन का समर्थन किया गया है जिनका सामूहिक आउटपुट घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है, जो आवेदन का न तो समर्थन करता है और न ही विरोध। आवेदक कुल घरेलू उत्पादन का 71 प्रतिशत स्थापित करता है और समर्थकों सहित आवेदक कुल भारतीय उत्पादन का 91 प्रतिशत स्थापित करता है।
- 41. इसलिए, हिंदालको इंडस्ट्रीज लिमि. नियमावली के तहत घरेलू उद्योग का गठन करने की आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 42. इसके अलावा, मै. जिंदल एल्यूमीनियम लिमिटेड और मै. मानकसिया एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मानकसिया ने जांच की अवधि में पीयूसी का आयात नहीं किया है जबकि जिंदल ने कुछ आयात किए हैं। जिंदल द्वारा किए गए आयात आवेदकों की स्थिति को प्रभावित नहीं करते, यह अकेला ही कुल घरेलू उत्पादन का 71 प्रतिशत स्थापित करता है।
- 43. जहां तक इस विवाद का संबंध है कि समर्थकों ने व्यापार नोटिस सं. 13/2018 दिनांक 27 सितंबर, 2018 के अनुसरण में सूचना प्रस्तुत नहीं की है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने सभी हितबद्ध पक्षकारों को यथा प्रयोज्य फॉर्मेट में और उचित साक्ष्य के साथ अपने दावों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया था।

ड. गोपनीयता का मामला**ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध:**

44. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए प्रश्नावली उत्तर में अत्यधिक त्रुटियां हैं और गोपनीयता के मानदंडों का उल्लंघन करते हैं। विरोधी हितबद्ध पक्षकार अर्थात् निर्यातक, आयातक और प्रयोक्ता ने पूरी तरह से व्यापार नोटिस सं. 10/2018 दिनांक 7 सितंबर, 2018 में उनके लिए स्थापित की गई अनिवार्यताओं की उपेक्षा की है।
- ख. घरेलू उद्योग ने जांच में सभी निर्यातकों और आयातकों द्वारा दायर उत्तर में त्रुटियों की ओर इंगित करते हुए, संप्रेषण दायर किया है। ग्रॉजेट एल्यूमीनियम शंघाई लि. के अलावा, किसी भी पक्षकार ने इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं करायी है। किसी भी विश्वसनीय उत्तर की अनुपस्थिति में, प्राधिकारी को निर्देश देना चाहिए कि वे या तो कमियों को दूर करें या उन उत्तरों को अस्वीकार करें जो पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण हैं।
- ग. जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मेटिरियल्स जॉयंट-स्टॉक कंपनी लिमिटेड, डिंगशेंग एल्यूमीनियम इंडस्ट्रीज (हांगकांग) ट्रेडिंग कं. लिमिटेड, हांगझाऊ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. और मंगोलिया लियांगशेंग न्यू एनर्जी मेटिरियल कं. लि. के संबंधित पक्षकार, जो पीयूसी के उत्पादन या बिक्रियों में संलग्न हैं, ने पृथक प्रश्नावली उत्तर दायर नहीं किए हैं, इसलिए इन निर्यातकों के उत्तर को अस्वीकृत किया जाना चाहिए।

ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

45. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और वास्तव में उस सूचना का भी दावा किया है जिसे गोपनीय के रूप में व्यापार नोटिस संख्या 10/2018 के संदर्भ में उनके द्वारा प्रकट किया जाना था। एनआईपी की जानकारी के साथ-साथ अन्य पैरामीटर जैसे खरीद मात्रा और पीयूसी का मूल्य, जुटाई गई निधियों को इसके लिये उचित कारण बताये बिना प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- ख. आवेदन प्रारूप में सूचीबद्ध सभी क्षति मापदंडों को नहीं दिया गया है। घरेलू उद्योग में खोए हुए अनुबंधों या इनकी घटती बिक्री का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। औसत उद्योग मापदंड के लिए क्षमता उपयोग, प्रतिदिन की उत्पादकता, मांग-सूची, पीबीआईटी नियोजित औसत पूंजी के प्रतिशत के रूप में इनके द्वारा कोई भी आंकड़े नहीं दिये गये हैं। प्रारूप क से ठ तक का कोई सार्थक सारांश उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- ग. घरेलू उद्योग ने एक यह दावा किया है कि प्रत्येक पीसीएन के लिए पाटन और क्षति का आकलन किया जाना चाहिए लेकिन उन्होंने पीसीएन वार चुनिंदा रूप से कोई सूचना उपलब्ध नहीं करायी है।
- घ. सामान्य मूल्य की गणना घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर नहीं की गई है और इसलिए इस सूचना को गोपनीय रखने का कोई कारण नहीं है।
- ड. घरेलू उद्योग द्वारा पहचाने गए निर्यातकों की संबंधित संस्थाएं विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में संलग्न नहीं हैं बल्कि एल्यूमीनियम खंड में शामिल हैं।
- च. इसके अलावा समर्थकों (वेदांता, जिंदल और मानकसिया एल्यूमीनियम) के आर्थिक मानकों को उपलब्ध नहीं कराया गया है। समर्थकों के रूप में, उन्होंने व्यापार सूचना संख्या 13/2018 का उल्लंघन किया है, जिसके लिए समर्थक की सार्थक और पर्याप्त जानकारी जैसे लाभप्रदता, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ आदि की आवश्यकता होती है। समर्थकों के पास केवल उत्पादन और बिक्री से संबंधित आंकड़े हैं और वह भी गोपनीय होने का दावा किया गया है। जिंदल और मनकसिया ने अपने अनुरोध का गैर-गोपनीय संस्करण उपलब्ध कराया है लेकिन अन्य समर्थक वेदान्त द्वारा इन्हें अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया है।

- छ. डिगिंग ग्रुप में सभी संबंधित संस्थाओं अर्थात् उत्पादकों/निर्यातक, जो भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और निर्यात में शामिल हैं, ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दिये हैं।
- ज. आर्कोनिक (कुंशन) एल्यूमीनियम प्रोडक्ट्स कम्पनी लिमिटेड द्वारा दायर अपूर्ण प्रतिक्रिया का आरोप अनुचित था और तथ्यों पर आधारित नहीं था। आर्कोनिक (किन्हुआंगदाओ) एल्यूमीनियम इंडस्ट्रीज कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन सामान की खरीद या निर्यात शामिल नहीं था।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

46. गोपनीयता के संबंध में जांच के दौरान आवेदक के साथ-साथ अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों की प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझी गई सीमा तक निम्नवत जांच की गई है।
47. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, नियमावली के नियम 7 के अनुसार निम्नवत प्रावधान किए गये हैं:
- “गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।*
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।*
- (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”*
48. गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षों द्वारा दी गई जानकारी की जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहाँ कहीं आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को वहाँ स्वीकार कर लिया और ऐसी जानकारी को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसे प्रकट नहीं किया गया है। जहाँ कहीं भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई जानकारी के पर्याप्त अगोपनीय संस्करण उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय संस्करण को ईमेल परिचालन के माध्यम से उपलब्ध कराया।

च. विविध अनुरोध

च.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

49. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:
- क. आयात संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़ों को छांटते समय किसी भी गैर विचाराधीन आयात लेन-देन (80 माइक्रोन तक एल्यूमीनियम फाइल सहित) को पीयूसी के रूप में नहीं माना गया है। एचएस कोड 7607 के तहत किए गए आयात जो उत्पाद के दायरे में आते हैं उन्हें पीयूसी माना गया है।
- ख. समर्थकों के कार्य-निष्पादन के संबंध में, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद की पेशकश (उत्पाद प्रकार, मिश्र धातु, गुण-धर्म, आदि के संदर्भ में) सहायक कंपनियों द्वारा उत्पाद की पेशकश की तुलना में बड़ी है जो सीमित उत्पाद प्रकारों (पीसीएन) में सौदा करती हैं। समर्थकों द्वारा कम क्षमताओं और सीमिति प्रकार के उत्पाद तथा आवेदकों के वित्तीय निष्पादन और समर्थकों के वित्तीय निष्पादन की तुलना अनुचित होगी तथा यह कोई स्टीक तुलना नहीं मानी जा सकती। सहायक कंपनियों द्वारा अपनायी गयी उत्पादन प्रक्रिया आवेदक

की अनुपादन प्रक्रिया से अलग है और याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निवेश की राशि सहायक कंपनियों द्वारा किये गये निवेश से काफी अधिक है। इन कारकों के मद्देनज़र आवेदक और सहायक कंपनियों का प्रदर्शन भिन्न हो सकता है। किसी भी स्थिति में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर विचार करना चाहिए और पाटित आयातों के कारण उसे हुई क्षति का आकलन करना चाहिए।

- ग. याचिकाकर्ता के प्रचालन जांच की अवधि के दौरान (मार्च 2020 के अंत तक) केवल 7-8 दिनों की अवधि के लिए कोविड-19 महामारी से प्रभावित था इसलिए निष्पादन में इस गिरावट के लिए कोविड-19 को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।
- घ. जहां तक यूएस चीन व्यापार युद्ध पर प्रभाव का संबंध है, चीन से भारत में पीयूसी के आयातों में भारी मात्रा में पाटित और हानिकारक कीमतों में वृद्धि जारी रही।
- ड. मलेशिया से किए गए आयात कुल स्तर पर क्षतिरहित कीमत से कम हैं (व्यक्तिगत पीसीएन के लिए एनआईपी और पहुंच कीमतों पर विचार करने के बाद)। इसलिए मलेशिया को एक संबद्ध देश के रूप में शामिल नहीं किया गया है।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

50. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. प्राधिकारी के पास घरेलू उद्योग को होने वाले पाटन और क्षति के बारे में केवल प्रथम दृष्टया साक्ष्य थे जो वर्तमान जांच की शुरुआत बने। वर्तमान प्रारम्भन प्रथम दृष्टया साक्ष्य पर आधारित है। 'प्रथम दृष्टया' और 'पर्याप्त' दो पूरी तरह से अलग शब्द हैं जो अलग-अलग मानकों को दर्शाते हैं और जिन्हें आपस में बदला नहीं जा सकता है। शार्टर आक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अनुसार "प्रथम दृष्टया" शब्द "पहली छाप" को इंगित करता है और "पर्याप्त" शब्द का अर्थ "कानूनी रूप से संतोषजनक" है। इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका कानून के तहत निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती और वर्तमान में की गई यह शुरुआत कानूनन ठीक नहीं है।
- ख. यह शुरुआत अपर्याप्त और गलत साक्ष्यों पर आधारित थी इसलिए यह कानूनन गलत है। इस जांच की शुरुआत के बाद पीओआई के आंकड़ों में बदलाव हुआ है क्योंकि आवेदक द्वारा प्रस्तावित पीओआई अप्रैल से दिसंबर 2019 तक था लेकिन, प्राधिकारी द्वारा माना गया पीओआई अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक का है। इसलिए प्राधिकारी के पास पाटन और क्षति में कारणात्मक संबंध स्थापित करने के लिए जांच की अवधि के कुल 12 महीने का कोई प्रथम दृष्टया साक्ष्य नहीं था जिसके कारण चीन से आयातों में लगभग 8000 मी.टन की कमी जैसे मानकों में परिवर्तन हुआ। कैप्टिव खपत, मालसूची, नकद लाभ, ब्याज लागत, कीमत में कटौती आदि जैसे अन्य मानदंड हैं जिनमें क्षति अवधि के लिए भी बदलाव आया है जबकि अद्यतन याचिका का उद्देश्य केवल पीओआई के लिए आंकड़ों को संशोधित करना था, मानदंडों में अन्य परिवर्तन घरेलू उद्योग द्वारा उचित नहीं ठहराये जा सकते तथा इसकी विश्वसनीयता को तय नहीं कर सकते।
- ग. घरेलू उद्योग में वर्तमान जांच में डीजीसीआईएंडएस से सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1972 के टैरिफ शीर्ष 7606 और 7607 के लिए लेनदेन-वार आयात आंकड़े प्राप्त किए हैं। थाइलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य और चीन जन.गण. से 80 माइक्रोन से कम के एल्यूमीनियम फॉयल की चल रही जांच में घरेलू उद्योग ने कुल आयात का निर्धारण करने के लिए टैरिफ शीर्ष 7607 के लिए लेनदेन भी प्राप्त किया है। वर्तमान जांच और 80 माइक्रोन से कम एल्यूमीनियम फॉयल की जांच में एचएस कोड 7607 के तहत आयातों की दोहरी गणना की संभावना है।
- घ. आयात आंकड़ों को अलग करने की पद्धति स्पष्ट नहीं है और प्राधिकारी से यह अनुरोध किये जाते हैं:

एचएस कोड 7607 और 7606 के तहत अलग-अलग पीयूसी के आयात की पहचान करना।

एल्यूमीनियम फॉयल की, वर्तमान में की जा रही जांच में, चीन से कुल आयात होने वाले एल्यूमीनियम फॉयल की पहचान।

वर्तमान जांच में एचएस कोड 7607 के तहत पीयूसी के आयात और 80 माइक्रोन से कम के एल्यूमीनियम फॉयल के आयात को चालू जांच में जोड़ने के लिए और एचएस कोड 7607 के तहत कुल आयात मात्रा के साथ निर्धारित आयातों के योग की तुलना यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन सभी आयातों का योग एचएस कोड 7607 के तहत भारत में हुए कुल आयात से अधिक नहीं है।

- ड. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह साबित किया है कि सहायक कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और इसलिए घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. से होने वाले आयातों के कारण कोई क्षति नहीं उठानी पड़ रही है।
- च. आवेदक की घरेलू बिक्री या तो स्थिर रही है या बढ़ी है। हालांकि, संबद्ध वस्तुओं की कैप्टिव खपत और घरेलू उत्पादक की निर्यात बिक्री में गिरावट आयी है, यह स्पष्ट है कि कैप्टिव खपत की कुल मात्रा ने घरेलू उद्योग को उस क्षति से बचाया है जो संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण हो सकती है।
- छ. विचाराधीन उत्पाद में अंतिम रूप से अनुप्रयोग और तकनीकी विशेषताओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियां शामिल हैं। पीयूसी में परस्पर जुड़े उत्पादों की शृंखला और कई उद्योगों में उपयोगिता आधारित वस्तुएं शामिल हैं। इसलिए यह जांच करने की आवश्यकता है कि क्या घरेलू उद्योग के पास जांच अवधि सहित क्षति जांच अवधि के दौरान प्रत्येक खंड में मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता थी।
- ज. समग्र रूप से संबद्ध वस्तुओं की मांग में लगातार वृद्धि के बावजूद याचिकाकर्ता की स्थापित क्षमता स्थिर रही है। प्राधिकारी को इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या घरेलू उद्योग के पास सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान भारतीय बाजारों में मांग में हो रही वृद्धि को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमताएं हैं।
- झ. अन्य देशों जैसे मलेशिया, थाइलैंड, यूएसए, यूएई, जापान, कनाडा, ओमान आदि से होने वाले आयातों में जांच की अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। हिंडाल्को ने इन देशों को पाटनरोधी जांच के उद्देश्य से शामिल नहीं किया है। अन्य देशों से होने वाले पाटन से इंकार नहीं किया जा सकता।
- ञ. याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि पाटन और क्षति निर्धारण के प्रयोजन के लिए पीसीएन पद्धति को अपनाया जाना चाहिए। लेकिन हिंडाल्को पीसीएन क्लैड और पीसीएन फिन स्टॉक के लिए अलग-अलग गणना किये गए सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन के अन्तर को उपलब्ध कराने में विफल रही है जो प्रभावी दावों की सार्थक समझ को खारिज कर रही है।
- ट. संबद्ध वस्तुओं पर अनुचित पाटनरोधी शुल्क लगाने से उत्पादक को उत्पादित किये जा रहे उत्पादों में लाभ होगा और 80 माइक्रोन और उससे कम एल्यूमीनियम फॉयल के स्टैंड अलोन उत्पादों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह फॉयल के स्टैंड अलोन उत्पादकों के लिए उत्पादन लागत में वृद्धि करेगा और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को दबा देगा।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

51. प्राधिकारी ने अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विविध अनुरोधों को नोट किया है और इन अनुरोधों के सभी पहलुओं की जांच की है।
52. सहायक कंपनियों के निष्पादन के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा दिये गये तर्कों को प्राधिकारी ने ध्यान में रखा है, फिर भी वर्तमान जांच में क्षति निर्धारण के प्रयोजन से घरेलू द्वारा उपलब्ध कराये आंकड़ों पर प्राधिकारी ने विचार किया है।
53. आयात आंकड़ों को अलग करने की पद्धति के संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराये गए आंकड़ों की जांच की है और नोट किया है कि आयात आंकड़ों को चुनाव करते समय किसी भी गैर पीयूसी आयात लेनदेन (80 माइक्रोन तक एल्यूमीनियम फॉयल सहित) को पीयूसी के रूप में नहीं माना गया है।

54. मलेशिया को एक संबद्ध देश के रूप में शामिल करने के बारे में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आंकड़ों के आधार पर मलेशिया से होने वाला कुल आयात 3 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन इसे संबंधित पीसीएन की, अक्षतिकारी कीमत पर आयात किया गया है।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1 सामान्य मूल्य

55. अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र से किसी उपयुक्त तीसरे देश को किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

छ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

56. सामान्य मूल्य के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (2) में यह उल्लेख किया गया है कि किसी देश को पाटनरोधी जांच के उद्देश्य से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एनएमई) तब माना जायेगा यदि उसे जांच अवधि से पहले की अवधि में पिछले वर्षों में एनएमई के रूप में माना गया हो और जांच में सहयोग करने वाली फर्म बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांतों के तहत संचालित होने वाले पर्याप्त सबूत पेश नहीं करती है।
- ख. प्राधिकारी ने “चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, जापान, ताइवान और वियतनाम” से डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच” के मामले में अंतिम जांच परिणाम में (अधिसूचना संख्या 6/7/2019-डीजीटीआर और दिनांक 15 मई, 2020), चीन जन.गण. से भाग लेने वाले निर्यातकों को एनएमई सिद्धांतों के तहत परिचालन के रूप में माना है। इसे ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी को चीन जन.गण. में काम करने वाली फर्मों को एनएमई सिद्धांतों के तहत प्रचालन कर रही फर्मों के रूप में मानना जारी रखना चाहिए।
- ग. ऐसे पर्याप्त सबूत हैं जो एल्यूमिनियम क्षेत्र में चीनी सरकार द्वारा लगातार किये जा रहे हस्तक्षेप को प्रदर्शित करते हैं। उदाहरण के लिए, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन द्वारा “अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में विकृतियों को मापना: एल्यूमीनियम मूल्य श्रृंखला” शीर्षक से 2019 की एक रिपोर्ट में कई तरीकों की पहचान की गई है जिनके माध्यम से चीनी सरकार ने एल्यूमीनियम मूल्य श्रृंखला में हस्तक्षेप किया।
- घ. यूरोपीय संघ आयोग ने व्यापार रक्षा जांच के उद्देश्य से चीन जन.गण. की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण विकृतियों पर एल्यूमीनियम क्षेत्र से संबंधित विशिष्ट विकृतियों पर चर्चा करते हुए एक हालिया अध्ययन किया है।

- ड. अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा चीन जन.गण. के द्वारा 6 विस्तृत मापदंडों पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था जारी रखने का एक विस्तृत अध्ययन किया था। अध्ययन के आधार पर अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने यह निष्कर्ष निकाला कि चीन जन.गण. गैर बाजार अर्थव्यवस्था परम्परा के तहत प्रचालन जारी रखता है।
- च. ग्रेजिस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड के अलावा किसी भी भागीदार निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के लिए अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।
- छ. बाजार अर्थव्यवस्था के उपचार से संबंधित ग्रेज के दावों को खारिज कर दिया जाना चाहिए तथा सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया जाए।

पीयूसी के उत्पादन के लिए खपत की जाने वाली प्राथमिक धातु राज्य नियंत्रित उद्योगों से प्राप्त की जाती है। इसके अलावा चीन में कच्चे माल का मूल्य निर्धारण एसएचएफई मूल्य निर्धारण का अनुसरण करके की जाती है, जिसमें राज्य का हस्तक्षेप होता है।

निर्यातक चीन में प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करता है। चीनी निर्यात को लाभ पहुंचाने के लिए विनिमय दरों में हेरफेर किया जा रहा है। अमेरिकी सरकार द्वारा चीन को मुद्रा में जोड़-तोड़ करने वाले के रूप में घोषित किया गया है।

छ.3 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

57. सामान्य मूल्य के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किये गए थे:

- क. घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. से आयातों के लिए 25-45 प्रतिशत के देशव्यापी पाटन अंतर का दावा किया है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित पाटन अंतर गलत समायोजनों के कारण बढ़ा है।
- ख. घरेलू उद्योग में कारखानागत कीमत निर्धारित करने के लिए 3 प्रतिशत अप्रतिदेय वैट का समायोजन किया है।
- ग. प्राधिकारी को निर्यात कीमत और पाटन अंतर का निर्धारण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रभावली में दिये गये उत्तरों के आधार पर करना चाहिए ना कि घरेलू उद्योगों के दावों के आधार पर।
- घ. चीन को एक बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए। 11 दिसंबर, 2016 के बाद, कोई भी सदस्य देश चीन जन.गण. से होने वाले आयात से निपटने के दौरान पाटनरोधी समझौते के अनुच्छेद-2 में शामिल सामान्य मूल्य के निर्धारण पर मानक नियमों से विचलन नहीं कर पायेगा।
- ड. ग्रेजिस शंघाई एक सार्वजनिक सूचीबद्ध स्वीडन की कम्पनी, मैसर्स ग्रेजिस एबी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी है। ग्रेजिस एबी स्टॉकहोम नैस्डैक में सूचीबद्ध है। चीन में कोई भी स्थानीय कंपनी, चाहे वो निजी हो या राज्य के स्वामित्व वाली, ग्रेजिस शंघाई में इनकी कोई शेयरधारित नहीं है। कोई भी स्थानीय कंपनी ग्रेजिस शंघाई के प्रचालन या संबद्ध देश में बिक्री या निर्यात बिक्री पर कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं रखती है। ग्रेजिस शंघाई वैश्विक आन्तरिक कारपोरेट प्रशासन मॉडल के तहत काम करता है और मूल कंपनियों की लेखा नीतियों का पालन करता है। बोर्ड का कोई भी शेयर धारक या निवेशक चीनी राष्ट्रीयता का नहीं है। एसोसिएशन ऑफ ग्रेजिस शंघाई के अनुच्छेद के अनुसार, ग्रेजिस शंघाई संचालन से संबंधित सभी निर्णय बोर्ड के बहुमत द्वारा लिए जाते हैं। ग्रेजिस शंघाई की व्यवसायिक नीतियों और निवेश योजना में वित्तीय बजटों, अन्तिम खातों, लाभ वितरण, वेतन और निदेशक मंडल के पारिश्रमिक, निदेशक मंडल की नियुक्ति और प्रतिस्थापन आदि से संबंधित सभी निर्णय ग्रेज एबी द्वारा लिये जाते हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि चीन में किसी भी स्थानीय या राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी का ग्रेजिस शंघाई पर कोई नियंत्रण नहीं है। इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी को, ग्रेजिस शंघाई को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करना चाहिए और पाटन अंतर की गणना उनके द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के आधार पर की जानी चाहिए।
- च. ग्रेजिस शंघाई के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन अंतर की गणना, उनके द्वारा दाखिल किए गए उत्तरों के आधार पर और नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 1 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 ए(6ए)

के अनुसार, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किये गए उत्तरों के आधार पर सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन अंतर की गणना की जानी आवश्यक है, जब ऐसे रिकॉर्ड उचित रूप से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री से जुड़ी लागतों को दर्शाते हैं और देश में आमतौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के अनुसार होते हैं। ग्रेंजेस शंघाई अपने खातों को बिजनेस एंटरप्राइजिज “एएसबीईएस” के लिए लेखांकन मानकों के अनुसार रखता है, जो चीन जन.गण. में लेखांकन मानक हैं। चीन के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए एएसबीई अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय मानकों के अनुरूप हैं चूंकि ग्रेंजेस शंघाई के खाते आईएफआरएस पर आधारित हैं, अतः ग्रेंजेस शंघाई के सामान्य मूल्य की गणना उनके द्वारा बनाये गये रिकॉर्ड के आधार पर की जानी चाहिए।

- छ. भले ही चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाता हो लेकिन कानून व्यक्तिगत फर्मों को ये दावा करने और प्रदर्शित करने की अनुमति देता है कि वे चीनी अर्थव्यवस्था में यदि कोई विकृतियां हैं तो उनसे वह अप्रभावित हैं। ग्रेंजेस शंघाई पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) के प्रावधान पर निर्भर करता है जो गैर बाजार अर्थव्यवस्था करने में काम करने वाली फर्मों को अनुमति देता है ताकि उन फर्मों को बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांतों के अनुसार काम करता हुआ माना जाए। उप पैरा (3) के परन्तुक में यह भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि किसी फर्म के लिए बाजार स्थिति यथावत बनी रहती है तो प्राधिकारी को अनुबंध-1 के पैरा 1 में दिये गये सिद्धांतों को लागू करना चाहिए। ग्रेंजेस शंघाई ने प्रदर्शित किया है कि उप पैरा (3) के अनुबंध-1 के पैरा 8 को पूरा किया गया है और यह बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर काम करता है।
- क. ग्रेंजेस शंघाई एक स्वीडिश कंपनी की सहायक कंपनी है और इसके संचालन में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है। इसमें पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली की कोई भी विकृति नहीं है। ग्रेंजेस शंघाई ने पहले राज्य के स्वामित्व के तहत किसी भी संयंत्र, कारखाने या कंपनी का अधिकरण या रूपान्तरण नहीं किया है।
- ख. कच्चे माल की लागत, बिक्री, निवेश, प्रौद्योगिकी की लागत आदि से संबंधित सभी निर्णय राज्य के हस्तक्षेप के बिना बाजार के संकेतों के आधार पर लिए जाते हैं।
- ग. ग्रेंजेस शंघाई का उत्पादन और वित्तीय लागत में किसी भी प्रकार की विकृति नहीं है। संपत्ति का मूल ह्रास, बट्टे खाते में डालना आदि आईएफआरएस के अनुसार किये जाते हैं और ग्रेंज शंघाई को किसी भी तरह का कोई मुआवजा नहीं दिया गया है।
- घ. ग्रेंज शंघाई चीन के दिवालिया और संपत्ति कानूनों के अधीन है जो ग्रेंज शंघाई के संचालन के लिए स्थिरता की गारंटी है।
- ड. विनिमय दर का रूपान्तरण बाजार दरों पर किया जाता है।
- ज. ग्रेंज शंघाई एक फर्म के रूप में रखे जाने की सभी वैधानिक शर्तों को पूरा करता है जो बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर काम करता है, और इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था उपचार को इसके अनुरूप ही होना चाहिए। हिंडाल्को केवल यह दावा करती है कि चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले एक देश के रूप में माना जाना चाहिए। हिंडाल्को इस बात पर विवाद नहीं करता है कि ग्रेंज शंघाई वैधानिक शर्तों को पूरा करते हैं और बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धान्तों पर काम करता है। प्राधिकारी ने पिछले कई जांच परिणामों में संबद्ध देश में अन्य कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में परिचालन करते हुए माना है, भले ही वे संबद्ध देश में प्रचलित बाजार विनिमय दरों का उपयोग कर रही थीं।
- झ. हिंडाल्को के विपरीत ग्रेंज शंघाई एक पिछड़ा एकीकृत संयंत्र नहीं है और इसका प्रारंभिक कच्चा माल एल्यूमीनियम सिल्लियां हैं। ग्रेंज शंघाई द्वारा जिन कीमतों पर एल्यूमीनियम सिल्लियां खरीदी जाती हैं वे एल्यूमीनियम सिल्लियों के अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मूल्यों के बराबर है। एल्यूमीनियम सिल्लियों जैसे प्रमुख आयातों की लागत अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों को दर्शाती है, जैसा कि प्रस्तुत जानकारी से स्पष्ट है। ग्रेंजेस शंघाई ने पीओआई के दौरान खरीदी गई उपयोगी वस्तुओं की दरों को उपलब्ध कराया है। उपयोगिताओं की कीमतें अन्तर्राष्ट्रीय बाजार के बराबर है। बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के जवाब में ग्रेंजेस शंघाई ने लिए

गये ऋण की राशि और जिस दर पर ऋण लिया गया है, उसको बताया है। ब्याज की दरें बाजार दरें हैं जो अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों में तुलनात्मक ब्याज दरों के बराबर हैं।

- ज. हिंडाल्को का दावा है कि ग्रेंज शंघाई को इस आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि इसमें प्रमुख कच्चे माल, एल्यूमीनियम इनगट का मूल्य निर्धारण एसएचएफई कीमतों पर आधारित है और एसएचएफई की कीमतों में चीनी सरकार द्वारा हेरफेर किया जाता है और इन कीमतों को बाजार की ताकतों द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है। हिंडाल्को के अनुसार, शेष विश्व एलएमई का उपयोग करता है और एसएचएफई की कीमतें ऐतिहासिक रूप से एलएमई कीमतों से कम है। यह तथ्यात्मक रूप से गलत दावा है क्योंकि जांच की अवधि के दौरान यानी अप्रैल 2019 से मार्च, 2020 तक एलएमई की कीमतों में एसएचएफई की कीमतों से अधिक होने की प्रवृत्ति उलट गई थी। एलएमई और एसएचएफई की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है और एलएमई की कीमत एसएचएफई की कीमतों से अधिक हो सकती हैं। ग्रेंजिस शंघाई ने यह दिखाते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किये हैं कि जांच की अवधि के दौरान सिलिलियों की औसत कीमत एलएमई पर प्रचलित कीमत से अधिक थी। ऐसा हो सकता है कि ऐतिहासिक रूप से एसएचएफई की कीमतें एलएमई की कीमतों से कम हो लेकिन वर्तमान जांच अवधि के लिए यह सत्य नहीं है। वर्तमान जांच के संदर्भ में हिंडाल्को का दावा तर्कसंगत नहीं है।
- ट. ग्रेंजिस शंघाई ने निर्यातक प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली दोनों के लिए प्रश्नावली में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों और उसके जारी विभिन्न व्यापार नोटिसों के संबंध में एक पूर्ण प्रतिक्रिया प्रस्तुत की है। हिंडाल्को के पास यह कहने का कोई वैध आधार नहीं है कि ग्रेंजिस शंघाई द्वारा दिया गया जवाब त्रुटिपूर्ण है। ग्रेंजिस शंघाई ने वैधानिक प्रावधानों और सभी प्रासंगिक पहलुओं में इसकी प्रतिक्रिया के तहत इसके द्वारा प्रदान किये जाने वाली सभी जानकारी प्रदान की है। इसलिए, ग्रेंजिस शंघाई द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। हिंडाल्को ने एक विस्तृत पत्र दायर किया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि ग्रेंजिस शंघाई द्वारा दायर प्रतिक्रियाएँ त्रुटिपूर्ण थी और अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया था। ग्रेंजिस शंघाई ने इन दावों का खंडन किया था और अपनी गोपनीय प्रतिक्रियाओं में निहित जानकारी का और खुलासा किया था। हिंडाल्को द्वारा ग्रेंजिस शंघाई की प्रश्नावली प्रतिक्रियाओं पर किसी और टिप्पणी के अभाव में या तो हिंडाल्को द्वारा या सार्वजनिक सुनवाई में या उनके लिखित प्रस्तुतीकरण से यह सुरक्षित रूप से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि उन्हें फाइलिंग के खिलाफ कोई और आपत्ति या शिकायत नहीं है। ग्रेंजिस शंघाई द्वारा दायर की गई प्रश्नावली के जवाब स्वीकार करने लायक हैं।
- ठ. इसलिए, ग्रेंजिस को बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर काम करने वाले निर्यातक के तौर पर देखा जाना चाहिए। ग्रेंज के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन की गणना उनके द्वारा दाखिल किये गये उत्तर के आधार पर और नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 1 के साथ पठित धारा 9 क(6क) के अनुसार की जानी चाहिए।
- ड. चीन जन.गण. से अनक्लैड फिन स्टॉक उत्पादों की एफओबी कीमत लगभग 190 रु. प्रति किलोग्राम है जबकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद को जिस कीमत पर आपूर्ति किया जाना संभव था, उसकी कीमत 185 रु. प्रति किलोग्राम थी, इसलिए पीयूसी के पाटन का कोई सबूत नहीं है।
- ढ. हिंडाल्को के पाटन मार्जिन की गणना की अवहेलना की जानी चाहिए क्योंकि इसे ग्रेंज शंघाई को उसकी टिप्पणियों के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है। हिंडाल्को ने एलएमई कीमतों+प्रीमियम के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण किया है लेकिन हिंडाल्को अन्य हितबद्ध पक्षों को इस कीमत का खुलासा करने में विफल रही है। जिस आधार पर निर्माण लागत और अन्य लागतों की गणना की गई है। आवेदन में उसका कोई मार्गदर्शन नहीं किया गया है। यदि हिंडाल्को हितबद्ध पक्षकारों को गणना प्रदान करने में विफल रहता है तो प्राधिकारी को उसके द्वारा परिकलित पाटन मार्जिन की पूरी तरह से अवहेलना करनी चाहिए क्योंकि पाटन मार्जिन का प्रकटीकरण न करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लेख होगा।
- ण. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना किसी भी मामले में कमजोरियों से ग्रस्त हैं। ग्रेंजिस शंघाई की आशंका है कि हिंडाल्को की याचिका में सामान्य मूल्य की गणना अवास्तविक है, क्योंकि धातु की कीमतों

को हिंडालको पर लागू प्रीमियम के अनुसार बढ़ा दिया गया है। प्रीमियम ग्रेजेश शंघाई के व्यापार मॉडल के लिये प्रासंगिक नहीं है। इसलिए इसे सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जा सकता है। राज्य के हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न धातु एक्सचेंजों के बीच कीमतों की तुलना भी आधार एलएमई मूल्य के संदर्भ में की जानी चाहिए। अन्यथा भी, प्रीमियम प्रासंगिक नहीं है क्योंकि यह विशेष लेनदेन की विशिष्ट शर्तों पर निर्भर है। जब तक खरीद लेन-देन की बारीकियों को नहीं जाना जाता है, तब तक यह कच्चे माल की कीमतों में एक काल्पनिक और अनुचित जोड़ है। यहां तक कि तथाकथित प्रीमियम की मात्रा और ऐसे प्रीमियम प्राप्त करने के लिए किये गये अनुमानों का भी खुलासा नहीं किया गया है। इसके अलावा, आवेदन के अनुसार निर्यात मूल्य की गणना में 4 प्रतिशत वैट के कारण होने वाला समायोजन शामिल है जिसके गैर-वापिसी होने का दावा किया गया है। यह समायोजन ग्रेज शंघाई के मामले में प्रासंगिक नहीं है क्योंकि वैट ग्रेज शंघाई द्वारा भारत को किये जाने वाले निर्यात की बिक्री लागत में शामिल नहीं है। जांच की अवधि के दौरान संपूर्ण वैट ग्रेज शंघाई को वापिस कर दिया गया है।

छ.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

58. डब्ल्यूटीओ में चाइनीज एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान हैं: “जीएटीटी 1994 का अनुच्छेद VI, टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 (“पाटनरोधी करार”) के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार एक डब्ल्यूटीओ सदस्य में चीन के मूल के आयातों की संलिप्तता की कार्यवाहियों में लागू होंगे जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

“क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद- VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:

- (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती है तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो।

किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क) (II) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

59. यह नोट किया जाता है कि अनुच्छेद 15(ए)(ii) में निहित प्रावधान समाप्त हो गए हैं जबकि विश्व व्यापार संगठन के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधानों को परिग्रहण प्रोटोकॉल के तहत एक दायित्व के साथ पढ़ा जाता है तथा मानदंड की आवश्यकता होती है। अतः बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का दावा करने पर पूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली जानकारी/आंकड़ों के माध्यम से संतुष्ट होने के लिए इसे नियमों के अनुच्छेद-1 के पैरा 8 में निर्धारित किया गया है। तदनुसार, चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, जोकि पूरक प्रश्नावली उत्तर में जानकारी प्रदान करके नियमों के संदर्भ में निर्यातक देश या व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा अनुमान के खंडन के अधीन है। इसकी भी जांच की गई है और प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण., इंडोनेशिया, मलेशिया और थाइलैंड से 80 माइक्रोन या उससे कम के एल्यूमीनियम फॉयल के आयातों के संबंध में हाल में की गई जांच में पाटनरोधी दिनांक 18 जून, 2021 की अन्तिम जांच में यह तय किया गया है जिसमें प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानने की पुष्टि की है।
60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड को छोड़कर चीन जन.गण. के किसी अन्य सहयोगी उत्पादक/निर्यातक ने पूरक प्रश्नावली दाखिल नहीं की है। इसलिए, अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य गणना पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही की जानी अपेक्षित है।

छ.5 सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

छ.5.1 ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड, चीन जन.गण. की एमईटी स्थिति का मूल्यांकन

61. प्राधिकारी का कहना है कि ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड ने यह बताया है कि यह एक सार्वजनिक सूचीबद्ध स्वीडिश कंपनी, मैसर्स ग्रेंजेस एबी को पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है तथा ग्रेंजेस एबी स्टॉक होम, नैस्डैक में सूचीबद्ध है एवं चीन की किसी भी स्थानीय कंपनी, चाहे वह निजी हो या राज्य के स्वामित्व वाली, की ग्रेंजेस शंघाई में कोई शेयरधारित नहीं है एवं कोई भी स्थानीय कंपनी संबद्ध देश में ग्रेंजेस शंघाई के संचालन या बिक्री पर या निर्यात बिक्री पर कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं रखती है, ग्रेंजेस शंघाई वैश्विक आंतरिक कारपोरेट प्रशासन मॉडल के तहत काम रहा है और मूल कंपनी की लेखा नीतियों का पालन करता है। इस कंपनी के बोर्ड का कोई भी शेयरधारक या निदेशक चीनी राष्ट्रीयता का नहीं है, ग्रेंज शंघाई के संघ के अनुच्छेद के अनुसार, ग्रेंज शंघाई के संचालन से संबंधित सभी निर्णय बोर्ड के बहुमत द्वारा लिए जाते हैं, ग्रेंज शंघाई की व्यवसायिक नीतियों और निवेश योजनाओं, वित्तीय बजटों, अन्तिम खातों, लाभ वितरण, वेतन और निदेश मंडल के पारिश्रमिक, निदेश मंडल की नियुक्ति और प्रतिस्थापन आदि से संबंधित सभी निर्णय ग्रेंजेस एबी द्वारा लिए गये हैं और इसलिए प्राधिकारी को उनके द्वारा दायर किए गए उत्तरों और नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 1 के साथ पठित धारा 9क (6क) के अनुसार ग्रेंज शंघाई के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन अंतर की गणना करनी चाहिए।
62. ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड के एमईटी दर्जे का दावा करने के संबंध में प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं:
63. संशोधित किए गए पाटनरोधी नियमों के अनुच्छेद 8, अनुबंध-1 के अनुसार, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. से निर्यातक निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर जानकारी और पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करता है और पैरा 8 के उप अनुच्छेद (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के विपरीत सिद्ध करता है। चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना आवश्यक है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पर विचार कर सके कि निम्नलिखित मानदंड के अनुसार क्या है:

- क. कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश सहित कीमतों, लागत और इनपुट के संबंध में चीन जन.गण. की संबंधित फर्मों के निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाते हुए बाजार संकेतों के जवाब में और इस संबंध में महत्वपूर्ण राज्य हस्तक्षेप के बिना किये जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती हैं।
- ख. ऐसी फर्मों के उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली में किए गए महत्वपूर्ण विकृतियों के अधीन हैं, विशेषरूप से संपत्ति के मूल्यहास, अन्य बड़े खाते में डालने, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋण के मुआवजे के माध्यम से भुगतान के संबंध में;
- ग. ऐसी फर्में दिवालिया और संपत्ति कानूनों के अधीन हैं जो फर्मों के संचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- घ. विनिमय दर का रूपांतरण बाजार दर पर किया जाता है।
64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के दावे के संबंध में ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड द्वारा किए गए अनुरोधों में घरेलू बिक्री के साथ दायर प्रश्नावली, निर्यात बिक्री और उत्पादन की लागत के साथ-साथ बाजार अर्थव्यवस्था के दावे के संबंध में पूरक प्रश्नावली के साथ अतिरिक्त अनुरोध किये गए हैं।
65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. में एल्यूमीनियम की प्रचलित कीमतें शंघाई फ्यूचर एक्सचेंज "(एसएचएफई)" द्वारा निर्धारित होती हैं जो एक राज्य-नियंत्रित एक्सचेंज है। इस तरह की धातुओं की लंदन स्थित धातु एक्सचेंज कीमतों के साथ-साथ एसएचएफई कीमतों से तुलना करने पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि एल्यूमीनियम की एसएचएफई कीमतें (वैट को छोड़कर) एलएमई कीमतों (प्रासंगिक प्रीमियम सहित) कीमतों से कम है और इसलिए संबद्ध वस्तुओं की लागत (जहां एल्यूमीनियम एक प्रमुख कच्चा माल है) चीन से वास्तविक लागत प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, ग्रेंजेस शंघाई लिमिटेड ने यह स्वीकार किया है कि यह राज्य नियंत्रित उद्यम से कच्चे माल (यानि एल्यूमीनियम इनगॉट्स) को प्राप्त करता है। इस प्रकार, कच्चे माल का ऐसा खरीद मूल्य राज्य के हस्तक्षेप के अधीन है।
66. अधिसूचना संख्या 6/7/2019 के तहत चीन, जापान, कोरिया, ताइवान और वियतनाम से डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच में जारी किए गए अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा इसकी जांच की गई है और दिनांक 15 मई, 2020 को इसको धारित किया गया है जिसमें प्राधिकारी ने नोट किया है कि:
- "42 प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. एल्यूमीनियम की प्रचलित कीमतें एसएचएफई द्वारा नियंत्रित होती हैं जो कि एक राज्य नियंत्रित स्थिति है। शंघाई फ्यूचर एक्सचेंज (एसएचएफई) की कीमतों की तुलना संबंधित धातु के आधार पर लंदन मेटल एक्सचेंज की कीमतों से करने पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एल्यूमीनियम की एसएचएफई कीमतें (वैट को छोड़कर) एलएमई कीमतों से कम हैं और इसलिए चीन से संबद्ध वस्तुओं (जहां एल्यूमीनियम एक प्रमुख कच्चा माल है) की लागत वास्तविक लागत का प्रतिनिधि नहीं है।"*
- 45. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कोडक राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम से कच्चा माल खरीदता है। इस प्रकार कच्चे माल का ऐसा खरीद मूल्य राज्य के हस्तक्षेप द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है।*
67. वर्तमान मामले के तथ्यों पर भी यही विचार लागू होता है।
68. इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड के स्वामित्व की परवाह किए बिना, कारोबारी माहौल (मुद्रा विनिमय, ऊर्जा, आदि के संदर्भ में) जिसके तहत ग्रेंजेस एल्यूमीनियम शंघाई लिमिटेड संचालित होता है, कुल मिलाकर राज्य के हस्तक्षेप के अधीन है उसी उत्पाद अर्थात् एफआरपी पर एक अनंतिम जांच में यूरोपीय आयोग द्वारा भी विचार किया गया है।
- (132) पीआरसी में, राज्य के स्वामित्व, नियंत्रण और/या नीति पर्यवेक्षण या मार्गदर्शन के तहत काम करने वाले उद्यम अर्थव्यवस्था के अनिवार्य हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।*
- (133) जीओसी और सीसीपी उन संरचनाओं को बनाये रखते हैं जो उद्यमों और विशेष रूप से राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसआईई) पर उनके निरंतर प्रभाव को सुनिश्चित करते हैं। राज्य (और कई पहलुओं में भी सीसीपी)*

ने केवल सक्रिय रूप से व्यक्तिगत एसओई द्वारा सामान्य आर्थिक नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है बल्कि यह एसओई में परिचाजन निर्णय लेने में अपने अधिकारों का भी दावा करता है। यह आमतौर पर सरकारी अधिकारियों और एसओई के बीच कैडरों के रोटेशन के माध्यम से किया जाता है, साथ ही इसे एसओई कार्यकारी निकायों में पार्टी के सदस्यों की उपस्थिति और कंपनियों में पार्टी सेल (देखें खण्ड 3.3.1.4) साथ ही साथ एसओई क्षेत्र की कारपोरेट संरचना को आकार देने के माध्यम से किया जाता है। बदले में एसओई चीनी अर्थव्यवस्था के भीतर एक विशेष स्थिति का फायदा लेते हैं, जिसमें कई आर्थिक लाभ शामिल हैं, विशेष रूप से इसमें प्रतिस्पर्धा से बचाव और वित्त सहित प्रासंगिक सामग्रियों तक तरजीही पहुंच शामिल है। एल्यूमीनियम क्षेत्र में उद्यमों पर सरकारी नियंत्रण के अस्तित्व की ओर इशारा करने वाला तत्वों को आगे नीचे खण्ड 3.3.1.5 में विकसित किया गया है।

(134). शिकायतकर्ता द्वारा साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत ओसीडी अध्ययन, एल्यूमीनियम क्षेत्र में एसओई को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से अपने नियामक फाइलिंग में इस बात पर जोर देता है कि राज्य का स्वामित्व प्रासंगिक औद्योगिक नीतियों को कैसे प्रभावित करता है और राज्य का स्वामित्व सरकारी समर्थन में कैसे परिवर्तित होता है। खासतौर से एक एसओई में अपने 2018 के बॉन्ड प्रोस्पेक्ट्स में उल्लेख किया है कि यह 52 रीड की हड्डी वाले राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में से एक है तथा यह बिजली के क्षेत्र में नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसे जीओसी से व्यापक और निरन्तर समर्थन प्राप्त होता है। एक अन्य एसओई ने अपने 2017 बॉन्ड प्रोस्पेक्ट्स में इस तथ्य को संदर्भित किया है कि संबंधित प्रान्तीय सरकार समूह पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

(135). पीआरसी दुनिया में सबसे बड़ा एल्यूमीनियम उत्पादक है, दुनियाभर के शीर्ष व्यक्तिगत उत्पादकों में कई बड़े एसओई हैं। अनुमानों के अनुसार पीआरसी में कुल प्राथमिक एल्यूमीनियम उत्पाद में एसओई का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक है। पीआरसी में अलौह धातु उद्योग पर एक अध्ययन भी घरेलू बाजार के प्रमुख हिस्से के लिए एसओई लेखांकन की दिशा में इंकित करता है। जबकि हाल के वर्षों में क्षमता में वृद्धि का श्रेय आंशिक रूप से निजी स्वामित्व वाली कंपनियों को दिया जाता है, इस तरह की क्षमता वृद्धि में आमतौर पर (स्थानीय) सरकार की भागीदारी के विभिन्न रूप शामिल होते हैं जिनमें अवैध क्षमता विस्तार को सहन करना भी एक है। इसके अलावा मुख्य एसओई के बीच एल्यूमीनियम उत्पाद की क्षमता में कुछ हद तक ही वृद्धि हुई है।

(136) एसओई को नियंत्रित करने के अलावा जीओसी पीआरसी में निजी स्वामित्व वाली कंपनियों को भी प्रभावित कर रहा है। जांच के दौरान यह स्थापित किया गया है कि एल्यूमीनियम फ्लैट-रोलड उत्पादकों को सरकार से सब्सिडी प्राप्त होती है। उदाहरण के लिए, नमूना कंपनियों में से एक जियांग्सु अल्वा समूह कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट में कई सरकारी सब्सिडी सूचीबद्ध करता है। एल्यूमीनियम के फ्लैट-रोलड उत्पादों के निर्यातकों के बीच कई एसओई बने हुए हैं, जिनमें चाल्को रूइमिन और साउथवेस्ट एल्यूमीनियम ग्रुप शामिल है, जो एसएएसएसी पर्यवेक्षण के तहत एक एसओई, चाल्को की सहायक कंपनियां हैं।

(137) एल्यूमीनियम उद्योग में उच्च स्तर के सरकारी हस्तक्षेप और इस क्षेत्र में एसओई की उच्च हिस्सेदारी के साथ, निजी स्वामित्व वाले उत्पादकों को भी बाजार परिस्थितियों में काम करने से रोका जाता है। वास्तव में, एल्यूमीनियम क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी स्वामित्व वाले दोनों उद्यमों की नीति पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन के अधीन है, जैसाकि नीचे खण्ड 3.3.1.5 में निर्धारित किया गया है।

(138) पूर्ववर्ती विश्लेषण, जिसमें सामान्य रूप से चीनी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ एल्यूमीनियम क्षेत्र (संबंधित उत्पाद सहित) में सार्वजनिक हस्तक्षेप संबंधित सभी उपलब्ध साक्ष्यों की परीक्षा शामिल है, ने दर्शाया है कि संबंधित उत्पाद की कीमतें या लागत कच्चे माल, ऊर्जा और श्रम की लागत सहित, मुक्त बाजार की ताकतों का परिणाम नहीं है क्योंकि वे मूल विनिमय के अनुच्छेद 2(6ए)(बी) के अर्थ के भीतर पर्याप्त सरकारी हस्तक्षेप से प्रभावित होते हैं जैसे कि वास्तविक या उसमें सूचीबद्ध एक या अधिक प्रासंगिक तत्वों का संभावित प्रभाव/उस आधार पर, और जीओसी से किसी भी सहयोग की अनुपस्थिति में आयोग ने निष्कर्ष निकाला है कि इस मामले में सामान्य मूल्य स्थापित करने के लिए घरेलू कीमतों और लागतों का उपयोग करना उचित नहीं है।

69. उपरोक्त के आलेख में, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों/निर्यातकों पर विचार किया है, जिससे ग्रेजिस भी शामिल है जो बाजार अर्थव्यवस्था उपचार के लिए योग्य नहीं हैं और जिन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा किया है।
70. तदनुसार चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है:

छ.5.2 चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

71. चीन जन.गण. से पीयूसी के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य, नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया गया है। नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के तहत अन्य विधियों के संबंध में रिकॉर्ड में उपलब्ध पर्याप्त जानकारी के अभाव में, प्राधिकारी ने "किसी अन्य-उचित आधार" पर विचार करके सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
72. इसलिए प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और अतिरिक्त उचित लाभ सहित, विधिवत समायोजित, चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण किया है। चीनी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित प्रस्तावित निर्मित सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

छ.5.3 निर्यात कीमत का निर्धारण

क. मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक कंपनी लिमिटेड, मैसर्स हांगजो डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मैसर्स डिंगशेंग एल्यूमीनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड और मैसर्स इनर मंगोलिया लियानशेंग न्यू एनर्जी मैटेरियल कंपनी ("डिंगशेंग ग्रुप")

73. मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट-स्टॉक कंपनी लिमिटेड ("जियांग्सू डिंगशेंग") और मैसर्स इनर मंगोलिया लियानशेंग न्यू एनर्जी मैटेरियल्स कंपनी लिमिटेड ("इनर मंगोलिया") संबद्ध वस्तुओं के निर्माण में लगी संबंधित कंपनियां हैं। चीन जन.गण. में मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग और मैसर्स इनर मंगोलिया ने भारत को सीधे संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है और साथ ही संबंधित व्यापारिक कंपनियां, मैसर्स हांगजो डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ("डिंगशेंग आईएंडई") और मैसर्स डिंगशेंग एल्यूमीनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ("डिंगशेंग एचके") सभी 4 कंपनियां अर्थात् जियांग्सू डिंगशेंग, इनर मंगोलिया, डिंगसेंग एंड ई और डिंगशेंग एच ने निर्धारित निर्यातक प्रश्नावली प्रारूप में प्रासंगिक जानकारी प्रदान की है।
74. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान सभी निर्यात भारत में असंबंधित ग्राहकों को किये गए थे। मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग ने सीधे *** मी.टन (स्वयंनिर्मित) और *** मीट्रिक टन (इनर मंगोलिया द्वारा निर्मित) निर्यात किया है जिसका कुल चालन मूल्य *** अमेरिकी डॉलर है। मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग ने संबंधित व्यापारियों डिंगशेंग आई एंड ई और डिंगशेंग एचके के माध्यम से *** मीट्रिक टन (स्वयं निर्मित) का निर्यात किया है, जिसका कुल चालन मूल्य *** अमेरिकी डॉलर है। मैसर्स इनर मंगोलिया ने *** मीट्रिक टन का निर्यात किया है। जिसका कुल चालन मूल्य *** अमेरिकी डॉलर है।
75. जांच की अवधि के दौरान, प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने दो पीसीएन नामतः फिन स्टॉक और फॉयल स्टॉक के तहत विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित खर्चों, बिक्री, कमीशन, बैंक प्रभारों और ऋण लागत के समायोजनों का दावा किया है जिनकी प्राधिकारी द्वारा अनुमति दी गई है। प्राधिकारी ने निर्यात के व्यौरों का सत्यापन किया है। यथा निर्धारित कारखानाबाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

ख. मै. आर्कोनिक (कुशन) एल्यूमीनियम प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड ("आर्कोनिक")

76. आर्कोनिक (कुशन) एल्यूमीनियम प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड एक सीमित देयता कंपनी (विदेशी कानूनी व्यक्ति के पूर्ण स्वामित्व वाली) है जो चीन के कंपनी कानून के तहत स्थापित है। पिछले 3 वर्षों में पीओआई सहित कंपनी की संरचना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जांच की अवधि के दौरान आर्कोनिक ने भारत को *** अमेरिकी डॉलर में सीधे *** मीट्रिक टन पीयूसी का निर्यात किया है। आर्कोनिक ने समुद्री भाड़े के कारण बीमा, अंतर्देशीय परिवहन,

ऋण लागत और बैंक शुल्क के समायोजन का दावा किया है। जांच की अवधि के दौरान प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने एक पीसीएन नामतः क्लैड के अन्तर्गत विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। तदनुसार, आर्कोनिक (कुशन) एल्यूमीनियम उत्पाद कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ग. मैसर्स ग्रेजेंस एल्यूमीनियम (शंघाई) लिमिटेड ("ग्रेजेंस")

77. जांच की अवधि के दौरान, मैसर्स ग्रेजेंस एल्यूमीनियम (शंघाई) लिमिटेड (निर्माता/निर्यातक) ने *** अमेरिकी डॉलर में भारत को *** मीट्रिक टन पीयूसी का निर्यात किया है। ग्रेजेंस ने भारत में असंबद्ध ग्राहकों को सीआईएफ/एफओबी आधार पर सीधे माल बेचा है। जांच की अवधि के दौरान ग्रेजेंस ने दो पीसीएन नामतः फिन स्टॉक और क्लैड के तहत विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। ग्रेजेंस द्वारा रिपोर्ट की गई मात्रा को प्राधिकारी द्वारा भारत को निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए अपनाया गया है। उत्पादक/निर्यातक ने कारखाना बाह्य निर्यात कीमत निकालने के लिए छूट/छूट, ऋण लागत और माल दुलाई लागत के कारण समायोजन का दावा किया है और प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, ग्रेजेंस शंघाई की निर्यात कीमत का निर्धारण भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

छ.5.4 चीन जन.गण. के असहयोगी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

78. चीन जन.गण. से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित प्रस्तावित सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।
79. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है। इस प्रकार निर्धारित की गई प्रस्तावित निर्यात कीमत का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

छ.6 पाटन मार्जिन

80. उपर्युक्त के अनुसार निर्धारित सामान्य मूल्यों और निर्यात कीमतों को ध्यान में रखते हुए, संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रस्तावित पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किया गया है और इसे नीचे तालिका में दिया गया है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	देश	उत्पादक	सामान्य मूल्य (यूएस डालर/मी.टन)	निवल निर्यात कीमत (यूएस डालर/ मी.टन)	पाटन मार्जिन (यूएस डालर/ मी.टन)	पाटन मार्जिन (%)	रेंज
1.	चीन जन.गण.	क).जियांग्सु डिंगशेंग न्यू मैटिरियल्स ज्वाइंट-स्टॉक कं. लि. ख) इनर मोंगोलिया लियानशेंग न्यू एनर्जी मैटिरियल कं.	***	***	***	***	10-20
2.	चीन जन.गण.	एरकोनिक (कुनशान) एल्युमिनियम प्रॉडक्ट्स कं., लि.	***	***	(***)	(***)	नगण्य

3.	चीन जन.गण.	ग्रांजेज एल्युमिनियम (शंघाई) लि.	***	***	(***)	(***)	नगण्य
4.	चीन जन.गण.	अन्य सभी	***	***	***	***	20-30

ज. क्षति के निर्धारण की पद्धति तथा क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

81. अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती।

ज.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

82. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- क. क्षति अवधि के दौरान चीन से पाटित आयातों में निर्बाध रूप से काफी बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ा यह दर्शाता है कि विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयात, जो आधार अवधि में 1,07,198 एमटी थे, वे बढ़कर पीओआई में 1,71,492 एमटी हो गए हैं।
- ख. आयातों में (याचिकाकर्ता के उत्पादन के साथ तुलना करने पर) सापेक्ष रूप से बढ़ोतरी हुई है – विचाराधीन उत्पाद के आयात आधार वर्ष में 39 प्रतिशत थे, वे पीओआई में बढ़कर 64 प्रतिशत हो गए हैं।
- ग. इसी अवधि के दौरान चीन से आयातों में 60 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई, परन्तु याचिकाकर्ता की बिक्रियों में केवल 2 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई है। चीन से आयातों में (तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना करने पर) गिरावट के बारे में विचार करने के बाद भी सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान काफी अधिक रहे और वर्ष 2016-17 में 53 प्रतिशत और वर्ष 2017-18 में 73 प्रतिशत की तुलना में याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्रियां पीओआई के दौरान लगभग 90 प्रतिशत रहीं।
- घ. चीन जन.गण. से आयातों का बाजार हिस्सा काफी बढ़ा है अर्थात् क्षति अवधि के दौरान 11 प्रतिशत तक बढ़ा है। इसी अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा काफी कम अर्थात् 6 प्रतिशत हुआ।
- ङ. एसएचएफई और एलएमई की कीमतों के बीच में सीमित अन्तर होने से चीन के निर्यातकों को कम लागत लाभ हो रहा है। एसएचएफई और एलएमई की कीमतों में कम होना अन्तर एक अस्थायी घटना है। इसलिए, चीन से विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों में हुई गिरावट के बारे में उपयुक्त रूप से मूल्यांकन करना चाहिए।
- च. यह नोट करना महत्व रखता है कि कोविड-19 से संबंधित प्रतिबंध चीन में दिसंबर 2019 के प्रारंभ में शुरू हुए जिनके परिणामस्वरूप पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में चीन जन.गण. से आयातों में गिरावट हुई।
- छ. याचिकाकर्ता का उत्पादन काफी सीमा तक स्थिर रहा और पर्याप्त प्रतिष्ठापित क्षमताओं का क्षति अवधि और पीओआई के दौरान कम उपयोग किया गया था। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग में बढ़ोतरी होने के बावजूद याचिकाकर्ता अपने उत्पादन में बढ़ोतरी नहीं कर सका।

- ज. आयातों का मूल्यांकन तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष के साथ तुलना करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। अपितु मूल्यांकन में संपूर्ण क्षति अवधि की प्रवृत्तियों पर बल दिया जाना चाहिए। क्षति अवधि के आंकड़े चीन से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पर्याप्त बढ़ोतरी को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।
- झ. याचिकाकर्ता (हानि उठाते हुए भी) कीमतों की तुलना करके चीन के आयातों के साथ मुकाबला कर रहा है। इसलिए, कीमतों में हल्की सी कटौती होने के बावजूद याचिकाकर्ता की हानियों में काफी बढ़ोतरी हुई।
- ञ. पाटित आयातों की वजह से याचिकाकर्ता की कीमत पर काफी कमी एवं कीमत न्यूनीकरण प्रभाव होते हैं। जबकि क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की लागतों में काफी बढ़ोतरी हुई है, परन्तु याचिकाकर्ता, विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की वजह से लागतों में हुई बढ़ोतरी के अनुरूप विक्रय मूल्य में बढ़ोतरी नहीं कर सका है।
- ट. क्षति अवधि के प्रारंभ में याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में लाभों में निरन्तर एवं तेजी से गिरावट देखी है, जिससे वित्तीय वर्ष 2018-19 और पीओआई में हानियों में बढ़ोतरी हुई।
- ठ. नियोजित पूंजी पर लाभ में भी समनुरूप गिरावट देखी गई है तथा यह पीओआई के दौरान नकारात्मक स्थिति में आ गया था।
- ड. सस्ती कीमतों पर आयातों की वजह से याचिकाकर्ता घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अपने उत्पाद की बिक्री नहीं कर सका है, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न संयंत्रों पर सामान-सूचियों के ढेर लग गए हैं।
- ढ. निर्यात बाजारों के लिए उत्पादन ग्राहकों से ऑर्डर प्राप्त होने पर शुरू किया जाता है (अर्थात् निर्यात बिक्रियों के उत्पादन ऑर्डर के आधार पर किया जाता है) तथा इसलिए सामान सूचियों में बढ़ोतरी को याचिकाकर्ता के निर्यात-निष्पादन के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता।
- ण. घरेलू उद्योग जिस स्थिति में है, उस स्थिति के अनुरूप प्राधिकारी द्वारा उसे मानना चाहिए तथा पाटित आयातों की वजह से इसे हुई हानि का आकलन करना चाहिए और न कि समर्थन। कंपनियों के निष्पादन के आधार पर इसका मूल्यांकन करना चाहिए।
- त. याचिकाकर्ता यह अनुरोध करता है कि व्याज और वित्त संबंधी लागत के कुल लागत में पर्याप्त अनुपात नहीं बनता है। व्याज और वित्त संबंधी लागत से बिक्री संबंधी लागत के *** प्रतिशत से कम आती है।
- थ. याचिकाकर्ता वास्तव में अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में भी चीन के निर्यातकों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। यह नोट करना आवश्यक है कि चीन के निर्यातक अन्य देशों में भी पाटन संबंधी प्रथाओं को अपना रहे हैं। तृतीय देशों के लिए निर्यात बिक्रियों के पीसीएन वार वितरण का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है। कई देशों (जैसे अमरीका और ईयू) द्वारा की गई व्यापार संबंधी उपचारात्मक कार्यवाहियों से इन बाजारों में निर्यातों के लिए बेहतर कीमत वसूली हुई है।
- द. संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात निर्बाध रूप से तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्रियों के संबंध में भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में आ रहे हैं।
- ध. चीन के एफआरपी उत्पादकों के पास भारी मात्रा में अप्रयुक्त क्षमताएं (वर्ष 2020 में 8.1 मिलियन एम.टी. और वर्ष 2021 में 8.2 एम.टी. तक) हैं तथा भारत के लिए निर्यातों हेतु काफी क्षमताएं हैं, जिनकी केवल 0.5 मिलियन एम.टी. की ही मांग है। चीन के उत्पादकों की क्षमता उपयोग दर केवल 60 प्रतिशत के आस-पास है।
- न. चीन के एफआरपी उत्पादकों की बड़ी-बड़ी क्षमताएं निर्यातोन्मुखी हैं। यह इस बात से स्पष्ट होता है कि चीन के एफआरपी उत्पादक विश्व के उत्पादन का 45 प्रतिशत उत्पादन करते हैं, जबकि चीन की कुल खपत 39 प्रतिशत ही है। चीन में एफआरपी उत्पादों के कुल उत्पादन में से लगभग 16 प्रतिशत (अथवा 2 मिलियन एम.टी. के आस-पास) भारत समेत निर्यातों के लिए है।

- प. चीन की एफआरपी उत्पादकों के लिए एक अनुकूल नीति है। चीन की सरकार एल्यूमीनियम के प्रमुख उत्पादों के बजाए मूल्य-संवर्धित उत्पादों के निर्यातों को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा देती है। यह इस बात से स्पष्ट होता है कि चीन प्रमुख एल्यूमीनियम (जैसे अयस्क/विशुद्ध सिल्लियों (इन्गोट्स), एल्यूमिनियम स्कैप आदि) के आयातों पर 15 प्रतिशत निर्यात कर लगाती है। दूसरी ओर, चीन एफआरपी सहित एल्यूमीनियम के मूल्य-संवर्धित उत्पादों के निर्यातों पर 13 प्रतिशत की निर्यात छूट प्रदान करती है।
- फ. चीन के एफआरपी उत्पादकों ने वर्ष 2020 में लगभग 1067 केटी और वर्ष 2021 में 940 केटी क्षमताओं की बढ़ोतरी की है। भारत में एफआरपी की वार्षिक मांग लगभग 500 केटी की ही है। देश की संपूर्ण मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2020 में चीन के एफआरपी उत्पादकों की आधी नई क्षमता की बढ़ोतरी ही काफी है।
- ब. विचाराधीन उत्पाद के बड़े-बड़े बाजारों ने चीन जन.गण. से एफआरपी उत्पादों के आयातों पर व्यापार संबंधी उपचारात्मक उपाय शुरू किए हैं और लगाए हैं।

ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

83. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित मुख्य अनुरोध किए गए थे:-

- क. एचआईएल की तुलना एफआरपी का उत्पादन करने के लिए माल्को की प्रतिष्ठापित क्षमता काफी कम है (प्रतिष्ठापित क्षमता का सटीक ब्यौरा पहले से ही रिकॉर्ड में है) और माल्को पुनः कहती है कि विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों से माल्को जैसे छोटे-छोटे उत्पादकों को भी वस्तुतः क्षति हुई है।
- ख. एचआईएल से भिन्न एफआरपी की पूर्ण रेंज के लिए माल्को प्रस्ताव नहीं करता है। उनके प्रस्ताव कुछ किस्म के उत्पादों के लिए सीमित होते हैं तथा उत्पाद के उन किस्मों के अन्तर्गत वे सभी विशिष्टियों के लिए प्रस्ताव नहीं करते हैं।
- ग. एलआईएल की अपेक्षा जिन्दल की क्षमताएं काफी कम हैं और कम्पनी की आन्तरिक एक्चूरल्स/रिजर्व से सभी नियोजित पूंजी की वित्त-व्यवस्था की गई है क्योंकि कम क्षमता के लिए किसी बाह्य वित्तीयन की आवश्यकता नहीं होती थी।
- घ. जेएएल, साधारण अनुप्रयोगों के लिए चुनिंदा किस्म के उत्पादों एवं अयस्कों का उत्पादन करती है जिसमें एचआईएल जैसी कंपनियों द्वारा बनाए गए ऐसे अधिक जटिल उत्पादों की तुलना में समग्र उत्पादन लागत कम होती है, जिनकी उत्पादन लागतें अपेक्षाकृत कम वसूली सहित काफी अधिक होती हैं, तथा एक छोटे विनिर्माता होने के कारण एचआईएल जैसी कम्पनियों की तुलना में चीन से आयात करने के लिए हमारे उत्पाद की रेंज अपेक्षाकृत कम संवेदनशील होती है।
- ड. जेएएल पुनः यह कहती है कि विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों से जेएएल जैसे उत्पादकों को भी वस्तुतः क्षति हुई है। एचआईएल जैसी बड़ी-बड़ी उद्योग कम्पनियों तथा जेएएल जैसे अपेक्षाकृत छोटे विनिर्माताओं की वास्तविक क्षति की सीमा अलग-अलग हो सकती है। इसलिए, हमें हुई क्षति को दूर करने के लिए चीन से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की उचित राशि लगाने के बारे में जांच करने एवं सिफारिश करने के बारे में शीघ्रता से निर्णय करने का अनुरोध है।
- च. फार्मेट एच के तुलनात्मक विश्लेषण के अनुसार मूल याचिका में दावा किए गए और वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान अद्यतन की गई याचिका के आंकड़ों में काफी अन्तर है। प्राधिकारी को भ्रमित करने के लिए घरेलू उद्योग याचिका में संशोधन करके आंकड़ों को चालाकी से प्रभावित करने की कोशिश कर रहा था। इससे मै. हिंडालको इण्डस्ट्रीज लि. द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता के बारे में गंभीर प्रश्न उठते हैं।
- छ. संबद्ध आयातों का मात्रा संबंधी कोई प्रभाव नहीं होता है क्योंकि पिछले वर्ष की तुलना में पीओआई में आयातों को 78,476 एम.टी. तक काफी कम कर दिया गया है। घरेलू आपूर्ति की कमी होने की वजह से संबद्ध देश से उत्पादों का आयात किया जा रहा है।

- ज. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में 16 सूचकांक तक बढ़ गया, जबकि चीन जन.गण. का बाजार हिस्सा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान 34 सूचकांक तक कम हो गया।
- झ. यदि याचिकाकर्ता प्रवृत्ति की जांच करने के लिए पीओआई के आधार वर्ष को सही तरीके के रूप में मानता है, तो यह नोट करना चाहिए कि 1.07 लाख एमटी से 1.71 लाख एम.टी. तक आयातों में बढ़ोतरी से आधार वर्ष में 185/कि.ग्रा. से पीओआई में 195/कि.ग्रा. तक कीमत में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई थी। कीमत में बढ़ोतरी होने के साथ आयातों में ऐसी बढ़ोतरी से भी घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए।
- ञ. कीमत पर प्रभाव के बारे में यह अनुरोध है कि मूल याचिका और अद्यतन याचिका में उपलब्ध करायी गई सूचना पूरी तरह से बदली सी दिखती है। अद्यतन याचिका में, पूर्ववर्ती वर्षों की कीमत कटौती संबंधी आंकड़े भी पहुंच मूल्य में कोई बदलाव किए बिना ही बदल दिए गए हैं। इससे घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की प्रामाणिकता पर सन्देह उठता है। वर्ष 2017-18 में कीमत में कटौती 0.10 प्रतिशत पर सकारात्मक हो गई जो वर्ष 2016-17 में (5)-5 प्रतिशत नकारात्मक थी। इसी वर्ष में पीबीआईटी वर्ष 2016-17 में 100 से बढ़कर 2017-18 में 195 तक लगभग दुगुनी हो गई। नकद लाभ में भी 47 सूचकांक तक बढ़ोतरी हुई। पीओआई में (5)- 5 प्रतिशत तक कीमत में कटौती होने के बावजूद घरेलू उद्योग को हानियां हुई तथा पीबीआईटी में प्रति यूनिट (379) तक गिरावट आई। इसी तरह, पीओआई के दौरान नकद लाभ में भी (159) तक गिरावट हुई।
- ट. घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य पहुंच मूल्य के अनुरूप स्वतंत्र रूप से तथा उत्पादन की लागत के अनुसार ऊपर नीचे हुए। यद्यपि पहुंच मूल्य में सीमान्त रूप से गिरावट हुई, परन्तु विक्रय मूल्य में काफी गिरावट हुई, जो यह दर्शाता है कि विक्रय मूल्य में कमी संबद्ध आयातों की वजह से नहीं थी।
- ठ. विक्रय मूल्य की तुलना कच्चे माल की लागत के साथ करनी चाहिए। घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में बढ़ोतरी क्षति अवधि के दौरान एल्युमीनियम की कीमत में बढ़ोतरी से अधिक हुई। वर्ष 2018-19 की तुलना में विक्रय मूल्य तथा बिक्री की लागत में कमी जांच अवधि में एल्युमीनियम की कीमतों में हुई गिरावट से कम हुई। जब कच्चे माल की कीमत की तुलना की गई, तो कीमतें घरेलू उद्योग के अनुरूप नहीं रही, अतः कीमतों में कोई कमी अथवा न्यूनीकरण नहीं है।
- ड. घरेलू उद्योग की लागत में बढ़ोतरी और लाभप्रदता में गिरावट एल्युमीनियम और तांबा क्षेत्र के बीच कारपोरेट खर्चों के आबंटन की पद्धति में बदलाव की वजह से हुई है जिससे तांबा क्षेत्र की लाभप्रदता बढ़ी और एल्युमीनियम क्षेत्र की लाभप्रदता में कमी आयी।
- ढ. लाभप्रदता और कीमत में कटौती के बीच में परस्पर संपर्क की कमी है। पीओआई के दौरान वर्ष 2018-19 की तुलना में (5)- 5 प्रतिशत तक कीमत कटौती की कमी के बावजूद लाभप्रदता (नकारात्मक) 379 सूचकांक तक गिर गई।
- ण. याचिकाकर्ता ने पीओआई के दौरान लाभों और आरओसीई में अत्यधिक गिरावट होने का दावा किया है जिसे आयातों की मात्रा एवं कीमत के साथ लिंक नहीं किया जा सकता है, क्योंकि चीन जन.गण. से इनकी मात्रा में पीओआई के दौरान लगभग 31 प्रतिशत तक काफी कमी हुई तथा कीमत में सुधार लगभग 1 प्रतिशत तक बहुत ही नकारात्मक था। तथापि, पीबीआईटी लगभग 275 सूचकांक की गिरावट दर्शाता है और आरओसीई लगभग 274 सूचकांक की गिरावट दर्शाता है। इस परिदृश्य को ठीक से बताया नहीं है तथा ये तथ्य घरेलू उद्योग के लाभों को प्रभावित करने वाले कुछ अन्य कारकों के होने को अच्छी तरह से दर्शाता है।
- त. घरेलू उद्योग ने वर्ष 2017-18 की अवधि के लिए अधिकतम लाभ दर्ज किया। लेकिन इसी अवधि में कीमत में कटौती सकारात्मक थी तथा 0-10 प्रतिशत की रेंज में थी। लेकिन, जब पीओआई में कीमत कटौती में 5 से 5 प्रतिशत तक काफी कमी हुई, तब हानियों में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई, जो कथित पाटित आयातों के पहुंच मूल्य तथा घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के बीच में विपरीत संबंध को दर्शाता है।

- थ. कीमत कटौती की सीमा यह दर्शाती है कि पीओआई के दौरान पहुंच मूल्य और एनएसआर के बीच अन्तर शून्य अथवा बहुत ही नकारात्मक था (यदि वास्तविक तथ्य सकारात्मक कीमत कटौती दर्शाते हैं) और उस मामले में, यह नहीं कहा जा सकता है कि पहुंच मूल्य याचिकाकर्ता के कीमत संबंधी निर्णयों को किसी प्रकार प्रभावित कर रहा था, क्योंकि पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की कीमत से बहुत अधिक कम नहीं था तथा ऐसी स्पष्ट कीमतों से कीमत का किसी प्रकार से प्रतिबंध अथवा दबाव भी नहीं हो सकता है।
- द. कीमत पर प्रतिबंध अथवा दबाव होने के दावे भी पूरी तरह से आधारहीन हैं, क्योंकि जब लागत में बढ़ोतरी हुई थी, तब याचिकाकर्ता अपनी कीमतों में बढ़ोतरी कर सकता है। लागत और एनएसआर के सूचकांकों में हल्के से अंतर से पीओआई में ऐसी भारी हानियां नहीं होनी चाहिए।
- ध. यह भी नोट करने की जरूरत है कि क्षति अवधि के दौरान लाभप्रदता और पहुंच मूल्य एक ही दिशा में भी नहीं होता था। जब वर्ष 2017-18 और 2018-19 के बीच पहुंच मूल्य में बढ़ोतरी हुई, और जिसमें घरेलू उद्योग ने भी अपनी कीमतों में बढ़ोतरी की थी, तब लाभप्रदता का सूचकांक 204 से तेजी से घट कर 90 तक हो गया था। इस परिदृश्य का दोषी होने से लागत में गड़बड़ी हो सकती थी, जिसके लिए आयातों के पहुंच मूल्य को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। उसके बाद, जब लागत और एनएसआर में आनुपातिक रूप से गिरावट हुई, तब लाभप्रदता में बेहिसाब एवं बिना व्यक्त किए तरीके से गिरावट हुई, जो वर्तमान मामले में आयात और क्षति के बीच किसी कारणात्मक संबंध को वर्जित करती है।
- न. व्यापार उपचार महानिदेशालय द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत अत्यधिक बड़ी हुई होती है और वास्तविक स्थिति पर आधारित नहीं होती है। डीजीटीआर ऐसी सकल स्थिर परिसम्पत्तियों पर 22 प्रतिशत लाभ की अनुमति देता है जो अत्यधिक मुद्रास्फीति वाली हों तथा कानून के अनुसार नहीं होती हैं। डीजीटीआर कम शुल्क के नियम को अपनाता है और घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत निकालता है।
- प. तीन पी.सी.एन – फिन स्टॉक, क्लैड और प्लेटों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से काफी अधिक होते हैं। इसलिए घरेलू उद्योग को हुई किसी वास्तविक क्षति का कभी भी कोई मामला नहीं हो सकता।
- फ. अद्यतन की गई याचिका के प्रपत्र-1 में दिए गए विभिन्न खर्चों के विवरण के आधार पर यह प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने एनआईपी की गणना करने के लिए विभिन्न खर्चों के लिए दावा किया है, जो एन आई पी (कारखानागत स्तर) और पहुंच मूल्य की तुलना को काफी विकृत कर देते हैं।
- ब. घरेलू उद्योग के प्रासंगिक आर्थिक मापदण्डों में सुधार हुआ है, क्योंकि पीओआई और लगातार 2 वर्षों की क्षति अवधि के दौरान आवेदक के उत्पादन और क्षमता उपयोग में बढ़ोतरी हुई। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2018-19 से पीओआई तक घरेलू उद्योग का बाजार हिस्से का सूचकांक 72 से बढ़कर 88 हो गया था। इसके विपरीत, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश के बाजार हिस्से के सूचकांक 169 से गिरकर 135 हो गया।
- भ. सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की क्षमता समान रहती है। तथापि, आधार वर्ष 2016-17 के दौरान उत्पादन जांच अवधि में 100 से बढ़कर 102 हो गया है। आधार वर्ष की तुलना में क्षमता उपयोग में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अतः संबद्ध वस्तुओं के आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।
- म. पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान मांग में 20 सूचकांक की गिरावट होने के बावजूद आवेदक ने इसी अवधि में अपनी बिक्री में 4 सूचकांक की बढ़ोतरी की। आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान सामान-सूची में 57 आधार सूचकांक की बढ़ोतरी हुई है, जो उत्पादन और बिक्री की गतिहीनता औचित्य को प्रमाणित नहीं करती है और प्राधिकारी द्वारा इसकी जांच करने की जरूरत है।
- य. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्रियां या तो स्थिर रहीं अथवा उनमें बढ़ोतरी हुई। तथापि, संबद्ध वस्तुओं की कैप्टिव खपत तथा घरेलू उत्पादक की निर्यात बिक्रियों में गिरावट आई है। क्षति विश्लेषण करते समय प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदण्डों के आधार पर, कैप्टिव खपत और निर्यात बिक्रियों में हुई गिरावट के प्रभाव के बारे में विचार करना चाहिए।

- कक. घरेलू उद्योग को क्षति होने के अपने मूलभूत कारक हैं। ब्याज और मूल्यहास लागत में असाधारण तौर पर बढ़ोतरी हुई है। ऐसी अधिक लागतों से घरेलू उद्योग को निचले स्तर पर प्रभाव पड़ता है। ऐसी बढ़ोतरी के कारणों के बारे में जांच होनी चाहिए। यह निम्नलिखित की वजह से बढ़ सकती है:-
- घरेलू उद्योग के द्वारा अपनायी गई आबंटन पद्धति। यदि इसने कारोबार के अनुपात में उत्पादों के लिए वित्त संबंधी लागत का आबंटन किया है, तो अन्य उत्पादों के कारोबार में गिरावट होने से संबद्ध वस्तुओं के लिए आबंटित वित्तीय लागत में बढ़ोतरी होगी।
 - पूंजी का विस्तार करने के लिए कर्ज में ली गई निधियां। तथापि, जब तक संयंत्र पूरा न हो जाए तथा उत्पादन शुरू न हो जाए, तब तक ऐसे व्यय को बिक्री की लागत का निर्धारण करने के लिए जोड़ना नहीं चाहिए।
 - अन्य उत्पादों के लिए ऋणों पर किया गया वित्त संबंधी व्यय।
- खख. घरेलू उद्योग की वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 एल्युमीनियम की खपत में गिरावट होने के कारणों के रूप में मांग संबंधी आघातों, कोरोना वायरस महामारी के परिणामस्वरूप विश्व भर में आपूर्ति चेन में गड़बड़ी, अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध आदि के बारे में संकेत देती है, जिनसे घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए ये कारक उत्तरदायी हैं और न कि संबद्ध वस्तुओं का आयात।
- गग. याचिका में संयंत्रों की बन्दी के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा घोषणा न करना प्राधिकारी से मुख्य तथ्यों की गलत घोषणा करने तथा छिपाने के बराबर है। घरेलू उद्योग द्वारा यह सूचना स्पष्ट रूप से उपलब्ध करायी जानी चाहिए तथा समग्र कार्यकरण और निष्पादन के रूप में इसके प्रभाव के बारे में दर्शाना चाहिए जिसे वह ऐसा करने में असमर्थ रहा।
- घघ. घरेलू उद्योग के लिए क्षति, यदि कोई हो, कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी करने के लिए उत्तरदायी है। व्यापार युद्ध और अमरीका द्वारा यू.सी. रसाल, रूस पर जुर्माना लगाने की वजह वैश्विक स्तर पर एल्युमीनियम के कच्चे माल की कीमत में पर्याप्त बढ़ोतरी के बारे में हिण्डालको की वित्तीय वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट भी सुझाव देती है।
- ड.ड. जिन्दल एल्युमीनियम लि. को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि इसने आधार वर्ष और वर्ष 2018-19 की तुलना में पीओआई के दौरान लाभप्रदता के संदर्भ में “विशेष रूप से अच्छा” कार्य किया है। यदि आयातों की वजह से क्षति हुई होती, तो विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सभी कंपनियों पर इसका प्रभाव हुआ होगा, परन्तु अन्य उत्पादकों को कोई क्षति नहीं हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग के लिए क्षति स्वयं की पहुंचायी हुई है।
- चच. क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण करने के संबंध में अद्यतन याचिका में विभिन्न कारखानागत बाद के व्यय जैसे विज्ञापन, अन्य विक्रय एवं वितरण संबंधी अतिरिक्त व्यय, बिक्रियों पर कमीशन, निर्यात से संबंधित व्यय आदि निहित हैं जिन पर एनआईपी का निर्धारण करने के लिए विचार नहीं किया जा सकता है तथा प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अन्तर्गत दिए गए सिद्धांतों के आधार पर इनका सख्ती से निर्धारण करना चाहिए।
- छछ. वस्तुतः क्षति होने की चेतावनी के बारे में आवेदक ने यह निराधार टिप्पणी की थी कि चीन जन.गण. में विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी हो रही है तथा चीन के उत्पादकों के पास पर्याप्त मात्रा में अप्रयुक्त क्षमताएं हैं। आवेदक के दावे आधारहीन हैं और निरस्त किए जाने लायक हैं क्योंकि ये दावे बिल्कुल ही कल्पना और अनुमान पर आधारित हैं तथा सूचना के स्रोत को प्रकट न किए बिना दिए हैं। वस्तुतः क्षति होने का कोई इतना खतरा नहीं है क्योंकि चीन जन.गण. में अप्रयुक्त क्षमता होने के बावजूद जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में गिरावट आयी है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत के लिए निर्यातों में बढ़ोतरी करने के लिए संबद्ध देश के उत्पादक अपनी निष्क्रिय क्षमता का उपयोग नहीं कर रहे हैं। तदनुसार यह दर्शाने के लिए कुछ नहीं है कि नई क्षमताओं को वाणिज्यिक कर दिए जाने के बाद भी चीन जन.गण. के उत्पादक भारत के निर्यातकों में बढ़ोतरी करेंगे।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

84. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है और किए गए अनुरोधों पर विधिवत विचार करने के उपरांत प्रासंगिक पाटनरोधी नियमावली और अनुबंध III के अनुसार विभिन्न मापदण्डों के बारे में जांच की है।
85. अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी।
86. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों के बारे में नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।
87. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों के बारे में, जिन्हें प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक माना गया है, उनकी जांच की गई है और नीचे दिए अनुसार समाधान किया है:-

ज.3.1 पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव

क. मांग /स्पष्ट खपत का मूल्यांकन:

88. भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत का भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के जोड़े के रूप में निर्धारण किया गया है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
पाटित	सूचीबद्ध	100	96	99	104
समर्थकों की बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
पाटित	सूचीबद्ध	100	105	101	95
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
पाटित	सूचीबद्ध	100	119	130	129
संबद्ध देश से आयात	मी.टन	1,07,198	1,31,526	2,49,968	1,71,492
पाटित	सूचीबद्ध	100	123	233	160
अन्य देशों से आयात	मी.टन	41,191	41,756	41,453	33,652

पाटित	सूचीबद्ध	100	101	101	82
कुल भारतीय मांग	मी.टन	***	***	***	***
पाटित	सूचीबद्ध	100	107	138	118

89. यह देखा गया है कि आधार वर्ष से पीओआई के दौरान मांग में बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2018-19 की तुलना में पीओआई के दौरान मांग में गिरावट देखी गई।

ख. निर्बाध रूप से संबद्ध देश से आयात की मात्रा:

90. संबद्ध आयातों की मात्रा के बारे में प्राधिकारी को यह विचार करना होता है कि क्या पाटित आयातों में निर्बाध रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष रूप में काफी मात्रा में बढ़ोतरी हुई है। क्षति अवधि की आयात मात्रा निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
संबद्ध देश	मी.टन	1,07,198	1,31,526	2,49,968	1,71,492
	सूचीबद्ध	100	123	233	160
अपाटित	मी.टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	110	96	81
पाटित	मी.टन	***	***	***	***
पाटित	सूचीबद्ध	100	125	255	173
गैर-संबद्ध देश	मी.टन	41,191	41,756	41,453	33,652
	सूचीबद्ध	100	101	101	82
कुल आयात	मी.टन	1,48,389	1,73,281	2,91,420	2,05,144
	सूचीबद्ध	100	117	196	138

91. यह देखा गया है कि:

क. संबद्ध देश से आयातों में क्षति अवधि के दौरान बढ़ोतरी हुई है। आधार वर्ष से संबद्ध देश से पाटित आयातों में लगभग 73 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। जबकि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में आयातों में गिरावट हुई है, परन्तु आधार वर्ष से संबद्ध देश से आयातों में बढ़ोतरी हुई।

ख. गैर-संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में इसी अवधि के दौरान गिरावट हुई।

ग. सापेक्ष रूप में संबद्ध देश से आयात मात्रा:

92. प्राधिकारी ने यह विचार किया कि क्या उत्पाद के आयातों ने भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष में कोई बढ़ोतरी दर्शायी है। नीचे दी गई सारणी इस संबंध में आंकड़ों को दर्शाती है। सापेक्ष रूप में आयात नीचे दिए अनुसार हैं:-

निम्नलिखित के बारे में चीन से पाटित आयात	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग का उत्पादन	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	130	252	169
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	131	256	166
मांग	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	117	185	146

93. यह देखा गया है कि:

- क. उत्पादन के संदर्भ में संबद्ध देश के आयातों में जांच की अवधि के दौरान *** प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है जो आधार वर्ष में *** प्रतिशत था, जबकि मांग/खपत के संदर्भ में आयातों ने यही प्रवृत्ति दर्शायी है तथा यह आधार वर्ष के *** प्रतिशत से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान *** प्रतिशत हो गया।

ज.3.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

94. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में यह विश्लेषण करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कथित पाटित आयातों से कीमत में काफी कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों पर दबाव डालने अथवा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए है; जो सामान्य अवधि के दौरान अन्यथा हुई होगी। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव के बारे में कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षतिरहित कीमत की संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। प्राधिकारी ने पीसीएन आधार पर कीमत कटौती और कम कीमत पर बेचने का विश्लेषण किया है क्योंकि विभिन्न पीसीएन की प्रति एमटी कीमतों में काफी अन्तर होता है।

क. कीमत में कटौती

95. कीमत कटौती का विश्लेषण करने के लिए घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य की संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। घरेलू उद्योग के निवल विक्रय मूल्य की गणना करते समय सभी करों, छूट, कटौतियों और कमीशन की कटौती की गई है और पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना करने के लिए कारखानागत स्तर पर बिक्री वसूली का निर्धारण किया गया है। इस प्रयोजन के लिए वर्तमान जांच में अपनाए गए पीसीएन पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने तुलनीय पीसीएन के लिए घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य के साथ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना की है। अतः संबद्ध आयात मात्रा के बारे में विचार करने के उपरान्त भारत औसत कीमत कटौती का निर्धारण किया गया है। तदनुसार, संबद्ध देश से पाटित आयातों का कीमत कटौती प्रभाव नीचे दिए अनुसार है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
पहुंच कीमत	भारतीय रु./मी.टन	1,85,385	1,96,871	1,97,555	1,95,407
	सूचीबद्ध	100	106	107	105

एनएसआर	भारतीय रु./मी.टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	111	110	105
कीमत कटौती	भारतीय रु./मी.टन	(***)	***	***	(***)
	सूचीबद्ध	100	-135	-72	114
कीमत कटौती %	%	(***)	***	***	(***)
	सूचीबद्ध	100	-127	-68	108
कीमत कटौती	% रेंज	नगण्य	0-10%	0-10%	नगण्य

96. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती नकारात्मक है। नकारात्मक कीमत कटौती नगण्य (अर्थात् 2 प्रतिशत से कम) है।

ख. कीमत न्यूनीकरण और ह्रास:

97. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का ह्रास अथवा न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी हद तक कीमतों का ह्रास करना अथवा कीमत में बढ़ोतरी को रोकना है, जो काफी हद तक अन्यथा हुई होंगी, तो प्राधिकारी ने क्षति अवधि में लागतों एवं कीमतों में परिवर्तन करने के बारे में विचार किया। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत बिक्री लागत एवं विक्रय मूल्य के आधार पर स्थिति नीचे दी गई सारण के अनुसार दर्शायी है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	भारतीय रु./मी.टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	109	124	118
बिक्री कीमत	भारतीय रु./मी.टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	111	119	107
पहुंच कीमत	भारतीय रु./मी.टन	1,85,385	1,96,871	1,97,555	1,95,407
	सूचीबद्ध	100	106	107	105
परिवर्तन					

बिक्रियों की लागत	भारतीय रु./मी.टन		***	***	(***)
	सूचीबद्ध		100	160	-59
बिक्री कीमत	भारतीय रु./मी.टन		***	***	(***)
	सूचीबद्ध		100	70	-106

98. यह देखा गया है कि बिक्रियों की लागत और बिक्री कीमत दोनों में वर्ष 2018-19 तक बढ़ोतरी हुई है तथा उसके बाद जांच की अवधि के दौरान गिरावट हुई। पहुंच मूल्य में भी यही प्रवृत्ति हुई। अतः पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान बिक्री लागत, बिक्री मूल्य और पहुंच मूल्य में गिरावट आयी है। तथापि, यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान बिक्रियों की लागत में 18 सूचकांक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि विक्रय मूल्य में केवल 7 सूचकांक की ही बढ़ोतरी हुई। साथ ही, आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान पहुंच मूल्य में केवल 5 सूचकांक की ही बढ़ोतरी हुई है।

ज.3.3 भारतीय उद्योग का आर्थिक मापदंड

99. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षा है कि क्षति का निर्धारण करने में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों के पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी प्रासंगिक आर्थिक कारक और सूचकांकों का वस्तुपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन करना शामिल होगा और इसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित कमी; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारके, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, सामान-सूचियों, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की सामर्थ्य पर संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल होंगे। प्राधिकारी ने विभिन्न तथ्यों और किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी मापदंडों की वस्तुपरक जांच की है।

क. उत्पादन, क्षमता, बिक्री और क्षमता उपयोग

100. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग का ब्यौरा नीचे सारणी में दिया है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
क्षमता	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	101	102
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	101	102
घरेलू बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	100	104

101. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।
- ख. घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री में सीमान्त बढ़ोतरी हुई है।
- ग. क्षमता उपयोग, जांच की अवधि के दौरान ज्यादातर स्थिर रहा है।

ख. लाभप्रदता, निवेश पर लाभ और नकद लाभ:

102. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर लाभ और नकद लाभ का ब्यौरा नीचे सारणी में दिया है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
लाभ/हानि	भारतीय रु./मी.टन	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	204	-90	-365
पीबीआईटी	भारतीय रु./मी.टन	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	195	-90	-379
नकद लाभ	भारतीय रु./मी.टन	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	147	-3	-159
निवेश पर लाभ	%	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	207	-99	-373

103. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्ष 2017-18 तक सुधार हुआ है और वर्ष 2018-19 और जांच की अवधि के दौरान इसमें अत्यधिक गिरावट आयी।
- ख. पीबीआईटी, नकद लाभ और आरओआई, सभी तीनों मापदण्डों में लाभप्रदता की भांति वही प्रवृत्ति रही है। इन सभी मापदण्डों में वर्ष 2017-18 तक सुधार हुआ और वर्ष 2018-19 तक जांच की अवधि के दौरान काफी गिरावट आयी।
- ग. बाजार हिस्सा:

104. बाजार हिस्से के संबंध में क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादकों की स्थिति नीचे दिए अनुसार है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	90	72	88

समर्थकों सहित अन्य उत्पादकों का हिस्सा		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	107	86	98
संबद्ध देश से आयात	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	115	169	135
अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	95	73	69
कुल भारतीय मांग	%	100%	100%	100%	100%

105. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आयी है, जबकि संबद्ध देश के बाजार हिस्से में जांच की अवधि के दौरान *** प्रतिशत की काफी बढ़ोतरी हुई, जो आधार वर्ष में *** प्रतिशत थी।

घ. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी:

106. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का रोजगार, उत्पादकता और वेतन का ब्यौरा नीचे सारणी में दिया है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	101	99	92
प्रति दिन उत्पादकता	मी.टन/दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	96	101	102
वेतन	भारतीय करोड़ रु. में	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	99	102	96

107. यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या और मजदूरी में गिरावट आयी है। जांच की अवधि के दौरान प्रति व्यक्ति उत्पादकता में सीमान्त बढ़ोतरी हुई है।

ड. मालसूचियां

108. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची की स्थिति नीचे सारणी में दी है:

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	154	157

109. जांच की अवधि के आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि के दौरान मालसूची में 57 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।
च. विकास:

110. यह देखा गया है कि उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग का विकास जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक रहा है और निवेश पर लाभ के संबंध में विकास जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक था।

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
उत्पादन	%		(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध		-100	126	31
घरेलू बिक्रियां	%		(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध		-100	92	84
क्षमता उपयोग	%		(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध		-100	126	31
आरओआई	%		***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध		100	-598	-142

छ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

111. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयात की कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, उन कारकों का मूल्यांकन करने के लिए पाटित आयातों के अन्य कारकों के बारे में विचार किया जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं।

ज. 3.4 क्षति और क्षति मार्जिन की मात्रा:

112. घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत का यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर निर्धारण किया गया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का जांच अवधि की उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपना करके निर्धारित किया गया है। एनआईपी के बारे में क्षति मार्जिन की गणना करने हेतु संबद्ध देश से प्रत्येक पीसीएन के पहुंच मूल्य की तुलना करने हेतु विचार किया गया है। एनआईपी का निर्धारण करने के लिए क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के सबसे अच्छे उपयोग के बारे में विचार किया गया है। उपयोगिता के बारे में यही कार्रवाई की गई है। क्षति अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सबसे अच्छे उपयोग के बारे में विचार किया गया है। सबसे अच्छे क्षमता उपयोग के बारे में विचार करते हुए जांच की अवधि के दौरान उत्पादन की गणना की गई है तथा प्रति व्यक्ति नियम लागत प्राप्त करने के लिए उसी उत्पादन के बारे में विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन की लागत के लिए कोई असाधारण अथवा अनावर्ती व्यय नहीं लिया गया था। विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत चल पूंजी जमा औसत निवल स्थायी परिसम्पत्तियों) पर उचित लाभ (22 प्रतिशत की दर से कर से पूर्व) अनुबंध-III में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एनआईपी प्राप्त करने के लिए कर पूर्व लाभ के रूप में अनुमति दी गई थी। इस प्रकार, निर्धारित प्रत्येक पीसीएन के लिए क्षति रहित कीमत की संबद्ध देश से आयातों की पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है जो क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए तुलनीय पीसीएन नीचे दिए अनुसार है:-

क्षति मार्जिन तालिका

क्र.सं.	देश	उत्पादक	पहुंच मूल्य (अम.डा./ एमटी.)	क्षति रहित कीमत (अम.डा./ एमटी.)	क्षति मार्जिन (अम.डा./ एमटी.)	क्षति मार्जिन (%)	रेंज
1	चीन	क) जियांग्सु डिंगशेंग न्यू मैटिरियल ज्वाइंट-स्टॉक कं. लि. ख) इनर मंगोलिया लियानशेंग न्यू एनर्जी मैटिरियल कं.	***	***	***	***	0-10
2	चीन	एकॉनिक (कुनशान) एल्युमिनियम (शंघाई) लि.	***	***	(***)	(***)	नगण्य
3	चीन	ग्रांगेज एल्युमीनियम (शंघाई) लि.	***	***	(***)	(***)	नगण्य
4	चीन	अन्य सभी	***	***	***	***	15-25

ज.3.5 अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

113. पाटनरोधी निमावली के अनुसार प्राधिकारी के द्वारा पाटित आयातों के अलावा ज्ञात किन्हीं कारकों की, अन्य बातों के साथ-साथ जांच करनी अपेक्षित होती है, जो उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं, ताकि इन अन्य कारकों की वजह से हुई क्षति पाटित आयातों के लिए उत्तरदायी न हो। इस पहल के लिए जो कारक प्रासंगिक हो सकते हैं, उन कारकों में, अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर बेचे न गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में कमी अथवा खपत के पैटर्न में बदलाव, व्यापार संबंधी सीमित प्रथाएं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास तथा निर्यात संबंधी निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। नीचे यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

क. तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

114. अन्य देशों से आयात संबद्ध देश से आयात कीमतों से अधिक कीमत पर किए हैं तथा उनकी मात्रा कम है।

ख. निर्यात संबंधी निष्पादन

115. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग अधिकांशतः घरेलू बाजार में होता है। किसी मामले में प्राधिकारी ने इसका क्षति विश्लेषण करने के लिए घरेलू कार्यों के आंकड़ों पर विचार किया है।

ग. प्रौद्योगिकी में विकास

116. क्षति अवधि के दौरान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कोई ज्ञात विकास नहीं हुआ है। प्रौद्योगिकी में हुए परिवर्तनों से घरेलू उद्योग के लिए क्षति होने का दावा नहीं किया जा सकता।

घ. कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन:

117. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ही घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार किया है। घरेलू उद्योग के लिए दावा की गई क्षति केवल संबद्ध वस्तुओं के बारे में ही है।

ड. व्यापार संबंधी सीमित प्रथाएं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा:

118. ऐसी कोई ज्ञात व्यापार संबंधी सीमित प्रथाएं नहीं हैं, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सके।

च. मांग में कमी तथा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

119. यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में बड़ोतरी हुई है।

झ. प्रकटन पश्चात विवरण

120. हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण के संबंध में अपनी टिप्पणियां दी हैं। उनमें से अधिकांश टिप्पणियां दुहराव वाली हैं और प्राधिकारी द्वारा उनका पहले ही समाधान किया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का सारांश दिया गया है और निम्नानुसार पुनः उनका समाधान किया गया है:

झ.1 घरेलू उद्योग की टिप्पणियां

121. घरेलू उद्योग की प्रमुख टिप्पणियां निम्नानुसार हैं:-

- (i) घरेलू उद्योग, हिंडालको विचाराधीन उत्पाद से संबंधित प्राधिकारी की जांच से सहमत है और उसने अनुरोध किया कि जांच से बाहर रखे जाने की मांग किए गए किसी भी उत्पाद को जांच के दायरे से बाहर रखने की आवश्यकता नहीं है और प्राधिकारी को पीयूसी संबंधी अपने निष्कर्ष जारी रखने चाहिए। हिंडालको ने 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई के ऑयल स्टॉक और कलर कोटिड उत्पादों के संबंध में विशेष रूप से प्राधिकारी से जांच से बाहर रखने संबंधी उत्पाद के विभिन्न अनुरोधों के संबंध में अतिरिक्त स्पष्टीकरण भी प्रदान किए हैं।
- (ii) घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि चीन के सहयोगी उत्पादक और निर्यातक अत्यधिक गोपनीयता और कमियों से संबंधित घरेलू उद्योग द्वारा रिकॉर्ड में रखी गई टिप्पणियों का समाधान नहीं कर पाए हैं और उसने प्राधिकारी से निर्यातकों के उत्तर को अस्वीकृत करने का अनुरोध किया है।
- (iii) घरेलू उद्योग ने बताया है कि प्राधिकारी ने संभत: गलती से नोट किया है कि मलेशिया से कुल आयात 3 प्रतिशत से अधिक है परंतु संबंधित पीसीएन का क्षतिरहित कीमत से कम पर आयात हुआ है। यह टंकण की त्रुटि प्रतीत होती है। प्राधिकारी को यह बताते हुए इसे ठीक करना चाहिए कि मलेशिया से कुल आयात 3 प्रतिशत से अधिक हैं परन्तु संबंधित पीसीएन की क्षति रहित कीमत से अधिक पर आयात हुए हैं।
- (iv) प्राधिकारी से चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य परिकलन में त्रुटि हुई है, विशेष रूप से प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पद्धति "तर्कसंगत" नहीं है क्योंकि प्राधिकारी को उपलब्ध तथ्यों अर्थात् हिंडालको द्वारा प्रदत्त परिकलन पर विचार करना चाहिए था। किसी भी चीनी उत्पादक ने उन परिकलनों का खंडन नहीं किया है, अतः प्राधिकारी को उनके पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना अर्थात् हिंडालको द्वारा यथा-परिकलित और प्रस्तुत निविष्टि सामग्रियों की वास्तविक उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य पुनः परिकलित करना चाहिए। तदनुसार, प्राधिकारी को चीन जन.गण. से उत्पादकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन का पुनः परिकलन करना चाहिए।
- (v) घरेलू उद्योग प्राधिकारी से एनआईपी गणनाओं की विस्तृत कार्य-शीटों तथा क्षति रहित कीमत निर्धारित करने हेतु अपनाई गई पद्धति का प्रकटन करने का अनुरोध करता है। प्राधिकारी द्वारा की गई समस्त गणनाओं और अपनाई गई पद्धति का प्रकटन नहीं होने से घरेलू उद्योग की एनआईपी निर्धारण संबंधी सार्थक टिप्पणियां करने की क्षमता प्रभावित हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग प्राधिकारी से सुझाई गई पद्धति पर विचार करने और एनआईपी का पुनः परिकलन करने तथा परिणामस्वरूप क्षति मार्जिन की पुनः गणना करने का अनुरोध करता है।

झ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां

122. निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों द्वारा की गई टिप्पणियां अधिकांशतः दोहराई गई हैं और संबंधित पैराग्राफों में उनकी पहले ही जांच और उचित ढंग से समाधान किया गया है। तथापि, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए कुछ प्रमुख मुद्दों का सारांश निम्नानुसार है:-

- (i) जहां तक 'टयूब के लिए कलैडेड क्वायल, हैडर प्लेट और इंड प्लेट, अनकलैड फिनस्टॉक और अनकैड क्वायल' का संबंध है, घरेलू उद्योग इस बात से स्वयं सहमत है कि उसने 2016 में हितबद्ध पक्षकार को कतिपय सामग्री की आपूर्ति की है और यह कि वह अपेक्षित विनिर्देशनों को पूरा नहीं करती है। इसके अलावा, किसी समान वस्तु के

अभाव में और पाटन तथा घरेलू उद्योग को किसी वास्तविक क्षति के अभाव में कोई भी कारक 'एल्युमिनियम-मैगनीज-सिलिकॉन आधारित और/या क्लैड एल्युमिनियम-मैगनीज-सिलिकॉन आधारित अलाय, चाहे क्लैड हों अथवा अनक्लैड: जिनकी पोस्ट ब्रेजिंग यील्ड मजबूती 35 एमपीए से अधिक हो, जो 7606 और 7607 टैरिफ शीर्ष के अंतर्गत आते हों तथा जिनका प्रयोग रेडिएटर, चार्ज एअर कूलन, कंडेन्सर, ऑयल कूलर, हीटर कोर्स, इवेपोरेटर्स, हीट वेंटिलेशन और वातानुकूलन (एचवीएसी) प्रणालियों में होता है और उनके कलपुर्जे' पर इस जांच के दायरे से पाटनरोधी शुल्क लगाने को न्यायोचित नहीं ठहराते हैं।

- (ii) घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के विपरीत वह 0.3 एमएम से कम चौड़ाई के कॉयल स्टॉक का उत्पादन और बिक्री नहीं करता है। हिंडालको अपेक्षित मोटाई वाले उत्पाद की आपूर्ति करने में असमर्थ है। तदनुसार, प्रयोक्ता उत्पाद के आयातों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं।
- (iii) घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान ब्रशड फिनिश कॉयल, मिरर फिनिश कॉयल और एनोडाइज्ड कॉयल का उत्पादन और बिक्री नहीं की है। अतः, प्राधिकारी को ब्रशड फिनिश कॉयल, मिरर फिनिश कॉयल और एनोडाइज्ड कॉयल को जांच की अवधि के दायरे से बाहर रखना चाहिए। हिंडालको का ब्रशड उत्पाद ब्रासर यह दर्शाएगा कि हिंडालको ऐसे उत्पाद किस्मों का उत्पादन नहीं कर रहा है।
- (iv) घरेलू उद्योग ने 1550 एमएम चौड़ाई से अधिक के एसीपी स्टॉक/एसीपी मिल फिनिश (एसीपी) का उत्पादन भी नहीं किया है और 1550 एमएम से अधिक की चौड़ाई वाले उक्त उत्पाद को भी पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (v) प्रकटन विवरण दर्शाता है कि उत्पाद के पर्याप्त आयात उचित कीमतों पर हुए हैं और अधिकांश सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारित ऐसे नकारात्मक क्षति मार्जिन के मद्देनजर मामले को समाप्त कर देना चाहिए। यहां तक कि तीसरे प्रतिवादी निर्यातक का क्षति मार्जिन 0-10 प्रतिशत के बीच रहा है, जो दर्शाता है कि संबद्ध वस्तु प्राथमिक रूप से घरेलू उद्योग की एनआईपी से तुलनीय कीमत पर आयात हो रही है और ऐसे आयातों से किसी क्षति का दावा पूर्णतः निराधार है।
- (vi) कीमत कटौती, जो पूर्ववर्ती वर्ष तक सकारात्मक थी, जांच की अवधि में नकारात्मक हो गई है। घरेलू उद्योग अपनी मात्रा में वृद्धि कर सकता था और घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित कीमत पहुंच कीमत से प्रभावित नहीं हुई थी।
- (vii) यह काफी उल्लेखनीय है कि घरेलू उद्योग के घाटों में जांच की अवधि में असाधारण वृद्धि हुई है, जब कीमत कटौती नकारात्मक हो गई थी जिससे इस तथ्य का पता चलता है कि लाभों में गिरावट आयातों की पहुंच कीमत से नहीं हुई है और आयातों की पहुंच कीमत तथा घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के बीच स्पष्ट विपरीत संबंध है जिससे ऐसे घाटों के अन्य गंभीर कारणों की मौजूदगी का पता चलता है।
- (viii) ऐसी स्थिति में जहां घरेलू उद्योग संबद्ध आयातों से किसी कटौती प्रभाव के बिना अपने बाजार हिस्से में वृद्धि करने और उत्पाद को बेचने में समर्थ था, ऐसे आयातों से क्षति के दावों का कोई आधार नहीं है और केवल इसी कारक के आधार पर इस मामले को समाप्त करना आवश्यक है।
- (ix) आर्कोनिक (कुनशान) ने बताया है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि आर्कोनिक (कुनशान) के निर्यातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- (x) किसी अस्पष्टता से बचने के लिए प्राधिकारी विस्तृत विवरण वाले उत्पादों को जांच से बाहर रख सकते हैं और केवल सीमा शुल्क अधिसूचना और अंतिम जांच परिणामों के संदर्भ में नहीं रख सकते हैं।
- (xi) प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ता का कुल घरेलू उत्पादन में 71 प्रतिशत हिस्सा है और अपने समर्थकों के साथ याचिकाकर्ता का कुल घरेलू उत्पादन में 91 प्रतिशत हिस्सा है और इस प्रकार याचिकाकर्ता नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग होने संबंधी अपेक्षा को पूरा करता है। इन दावों को प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए।
- (xii) प्राधिकारी टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दिए गए विस्तृत तर्कों पर विचार नहीं कर सके हैं, जिनमें दर्शाया गया है कि घरेलू उद्योग किसी भी वाणिज्यिक मात्रा में 1150 एमएम से अधिक चौड़ाई की लिथोग्रेड एल्युमिनियम कॉयल का उत्पादन नहीं कर रहा है। इस उत्पाद के लिए मांग और आपूर्ति के बीच अंतर है।

- (xiii) ग्रेस शंघाई अपनी स्थिति को दोहराता है कि ग्रेस शंघाई बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर प्रचालन कर रहा है और उसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाना चाहिए। ग्रेस शंघाई का पाटन और क्षति मार्जिन सकारात्मक है। अतः प्राधिकारी को ग्रेस पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश नहीं करनी चाहिए।
- (xiv) प्राधिकारी से यह नोट करने का अनुरोध किया गया है कि महत्वपूर्ण मात्रात्मक मापदंडों पर घरेलू उद्योग में सकारात्मक वृद्धि हुई है और इस प्रकार चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को उच्च मूल्यहास लागत और वित्त लागत के कारण घाटा हो रहा है और न कि पाटन के कारण।
- (xv) प्राधिकारी व्यापार सूचना सं. 10/2018 के अनुसार +/- 10 प्रतिशत की विहित रेंज में एनआईपी का प्रकटन करने में विफल रहे हैं। यह बताया गया है कि एनआईपी रेंज के अभाव में प्रतिवादी विभिन्न पीसीएन के लिए लागत और कीमत के बीच उनके ज्ञात अंतर के आधार पर एनआईपी की उपयुक्तता संबंधी कोई अनुरोध करने में असमर्थ हैं।
- (xvi) 80 से 120 μm की कॉयल और 200 या उससे अधिक μm की कॉयल को जांच की अवधि से इस आधार पर बाहर रखना अपेक्षित है कि यह हिंडालको द्वारा उत्पादित नहीं की गई है।
- (xvii) जहां तक 120 से 200 μm का संबंध है, हिंडालको ने उनके उत्पादन और बिक्री का दावा किया है परंतु लगभग 30 उपभोक्ता जो एसीपी मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन के सदस्य हैं, यह दलील देते हैं कि हिंडालको ने इसका उत्पादन और बिक्री नहीं की है।
- (xviii) प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में नोट किया है कि मलेशिया से आयात न्यूनतम सीमा से अधिक हैं और घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम पर आयातित हैं। अतः प्राधिकारी को मलेशिया को वर्तमान जांच के दायरे में शामिल करना चाहिए या कम से कम मलेशिया से आयातों के कारण हुई क्षति की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मलेशिया से आयातों के कारण क्षति के लिए चीन जन.गण. के आयातकों को जिम्मेदार न ठहराया जाए।
- (xix) प्राधिकारी शुल्क तालिका में निम्नलिखित निर्यातकों के नामों में सुधार कर सकते हैं:
- क. जियांग्सु डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट-स्टॉक कं. लि.
- ख. हांगझोऊ डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- ग. डिंगशेंग एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कं. लि.
- घ. इनर मोंगोलिया लायनशेंग न्यू एनर्जी मैटेरियल कं., लि.

अ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

123. ऊपर उठाए गए मुद्दों के संबंध में प्राधिकारी का विश्लेषण और निर्णय निम्नानुसार है:

- (i) प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दायरे संबंधी संगत पैराग्राफों में ट्यूब के लिए 'क्लैडेड कॉयल, हैडर प्लेट और एंड प्लेट, अनक्लेड फिनस्टॉक और अनक्लेड कॉयल' को बाहर रखने के संबंध में तर्कों का पहले ही समाधान किया है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस मुद्दे संबंधी कोई नया तर्क नहीं दिया है। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि गुणवत्ता संबंधी मुद्दे किसी पाटनरोधी जांच में अपवर्जन का आधार नहीं हो सकते हैं और इस निष्कर्ष को बदलने का कोई कारण नहीं है।
- (ii) प्राधिकारी ने 0.3 एमएम से कम चौड़ाई की कॉयल स्टॉक को बाहर रखने संबंधी तर्कों का समाधान किया है। हितबद्ध पक्षकारों ने न तो कोई नया तर्क दिया है और न ही अपने दावे के समर्थन में कोई नया साक्ष्य प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी ने 0.3 एमएम से कम के फॉयल स्टॉक की बिक्री दर्शाने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य को पहले ही नोट किया है। इससे सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग के पास जांच अवधि के दौरान उत्पाद का निर्माण और आपूर्ति करने की क्षमता है। अतः प्राधिकारी ऐसे किसी उत्पाद को जांच की अवधि के दायरे से बाहर नहीं कर रहे हैं।

- (iii) यह तर्क दिया गया है कि (I) ब्रशड फिनिश काँयल, मिरर फिनिश काँयल और एनोडाइज्ड काँयल; और (ii) 1550 एमएम से अधिक चौड़ाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी मिल फिनिश (एसीपी) को जांच की अवधि के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के भीतर इसका उत्पादन और बिक्री नहीं की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने अपने दावे को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जबकि दूसरी ओर, घरेलू उद्योग ने इन उत्पादों की बिक्री के साक्ष्य के रूप में बिक्री बीजक प्रस्तुत किए हैं। अतः प्राधिकारी (I) ब्रशड फिनिश काँयल, मिरर फिनिश काँयल और एनोडाइज्ड काँयल; और (ii) 1550 एमएम से अधिक चौड़ाई के एसीपी स्टॉक/एसीपी मिल फिनिश (एसीपी) को जांच की अवधि के दायरे से बाहर नहीं करते हैं।
- (iv) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत और आयातों के पहुंच मूल्य के आधार पर क्षति निर्धारित की है। अतः यह तर्क कि कोई क्षति नहीं हुई है या केवल 0 से 10 प्रतिशत के बीच क्षति हुई है, निराधार है।
- (v) कीमत कटौती, क्षति की मौजूदगी का आकलन करने का एकमात्र मापदंड नहीं है। क्षति का आकलन सभी संगत आर्थिक मापदंडों पर विचार करके किया जाना चाहिए। प्राधिकारी ने क्षति की मौजूदगी के संबंध में अपने निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए समस्त संगत मापदंडों का आकलन किया है।
- (vi) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के उत्पादन संबंधी आंकड़ों का सत्यापन किया है और यह पाया है कि वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।
- (vii) 1150 एमएम से अधिक चौड़ाई के लिथोग्रेड एल्युमिनियम काँयल को बाहर रखने संबंधी तर्कों का प्राधिकारी द्वारा पहले ही समाधान किया गया है। पहले, प्राधिकारी ने 1150 एमएम से अधिक 1600 एमएम तक चौड़ाई के लिथोग्रेड एल्युमिनियम काँयल की घरेलू उद्योग द्वारा एक पक्षकार को आपूर्ति संबंधी साक्ष्य का सत्यापन किया है। दूसरा, मांग-आपूर्ति में संभावित अंतर जांच की अवधि को बाहर रखने को न्यायोचित नहीं ठहराता है। हितबद्ध पक्षकार उत्पाद का आयात करने हेतु स्वतंत्र हैं और आयात प्रतिबंधित नहीं हैं। तीसरा, यदि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद संगत सरकारी प्राधिकारियों द्वारा विहित मानकों के अनुरूप हैं जो उपभोक्ता यह दलील नहीं दे सकते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद किस्म वांछित मानकों को पूरा नहीं करती हैं। किसी भी स्थिति में गुणवत्ता संबंधी मुद्दे जांच से बाहर रखने को न्यायोचित नहीं ठहराते हैं और प्राधिकारी के लिए उसे बदलने का कोई कारण नहीं है।
- (viii) प्राधिकारी आर्कोनिक (कुशान) और ग्रेंस शंघाई के इस अनुरोध को नोट करते हैं कि उनका संबंधित क्षति मार्जिन नकारात्मक है और उनके निर्यातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
- (ix) क्षति की मौजूदगी का आकलन सभी संगत मापदंडों पर आधारित होता है और किसी अकेले मात्रा मापदंड या किसी अन्य विशिष्ट मापदंड पर आधारित नहीं होता है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी के आकलन के लिए सभी संगत मापदंडों का विस्तृत आकलन किया है।
- (x) व्यापार सूचना 10/2018 प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण पर लागू नहीं होती है। प्रक्रिया के अनुसार, प्राधिकारी किसी घरेलू उद्योग की एनआईपी का अन्य पक्षों को खुलासा नहीं करते हैं और इस जांच में इस प्रक्रिया को बदलने का कोई कारण नहीं है।
- (xi) 80 μm या उससे अधिक की काँयल के संबंध में जांच से बाहर रखने के अनुरोध के बारे में हितबद्ध पक्षकार अपने दावों को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य देने में विफल रहे हैं। तथापि, घरेलू उद्योग ने यह दर्शाने के लिए बीजक के रूप में साक्ष्य दिए हैं कि उसने 100 μm और 300 μm सहित विभिन्न मोटाई वाली काँयल की आपूर्ति की है। अतः प्राधिकारी, 80 μm से अधिक की काँयल को जांच की अवधि के दायरे से बाहर नहीं रखते हैं।
- (xii) मलेशिया से आयातों के पहुंच मूल्य के संबंध में प्राधिकारी स्पष्ट करते हैं कि मलेशिया से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के एनआईपी से अधिक है और इसलिए मलेशिया संबद्ध देश नहीं है।

- (xiii) कल कॉटेड को बाहर रखने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग उत्पाद का उत्पादन करता है और ग्राहक के विनिर्देशों के आधार पर उत्पादों पर केवल रंग लगाने के लिए जॉब कार्य करने वालों को नियुक्त करता है। एप्लीकेशन कलर/पेंट लगाने के संबंध में केवल सीमित कार्य से उत्पाद को बाहर रखना आवश्यक नहीं है। घरेलू उद्योग वस्तु के नाम से अलग नहीं है। किसी भी स्थिति में, कलर कोटिंग की लागत अधिक नहीं है और इसलिए यह कहना गलत होगा कि घरेलू उद्योग कलर कॉटेड एल्युमिनियम कॉयल का विनिर्माण नहीं करता है।
- (xiv) 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक को बाहर रखने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई और 1950 एमएम से कम चौड़ाई के फॉयल स्टॉक समान वस्तुएं हैं। उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं तथा उत्पादन प्रक्रिया की तुलना से पता चलता है कि दोनों समान हैं, उनका प्रयोग भी एक समान है अर्थात् फैलैक्सीबल पैकेजिंग, गुटखा पैकेजिंग और फार्मा पैकेजिंग उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं की दृष्टि से कोई वास्तविक अंतर नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि उन्हें फॉयल की जरूरत वाले अपने डाउनस्ट्रीम ग्राहकों के लिए 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई की फॉयल स्टॉक की जरूरत होती है। फॉयल का उत्पादन फॉयल स्टॉक के प्रसंस्करण द्वारा होता है जिसे बाद में छोटी-छोटी चौड़ाई में काटा जाता है। हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि 2000 एमएम से कम चौड़ाई के फॉयल स्टॉक से बर्बादी होती है क्योंकि 1000 एमएम से कम की फॉयल की कोई मांग नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों ने इन दावों के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं दिया है। इसके विपरीत, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य दर्शाते हैं कि फॉयल की व्यापक रेंज है जिनका विभिन्न अंतिम प्रयोक्ताओं द्वारा (अर्थात् 290 से 1626 एमएम) प्रयोग किया जाता है और ऐसे बचे हुए उत्पादों का स्पष्ट रूप से बाजार मौजूद है। 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई वाले फॉयल स्टॉक का कोई विशिष्ट अंतिम प्रयोग नहीं है। प्रयोक्ताओं ने यह दर्शाने की कोई सामग्री रिकॉर्ड में प्रस्तुत नहीं की है कि 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई के उत्पादों का कोई विशिष्ट अंतिम प्रयोग है। अतः प्राधिकारी, 1950 एमएम से अधिक चौड़ाई के फॉयल स्टॉक को बाहर नहीं रखते हैं।

ब. जन हित

124. प्राधिकारी ने इस पर विचार किया कि क्या पाटनरोधी शुल्क लगाने से जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। विशेषकर, प्राधिकारी ने आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए राजपत्र अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना जिसमें उनके व्यापार पर पाटनरोधी शुल्क के संभावित प्रभाव के संबंध में संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए उपभोक्ताओं के वास्ते एक प्रश्नावली भी निर्धारित की। प्राधिकारी ने अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न देशों से विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की परस्पर परिवर्तन की क्षमता, स्रोतों को बदलने की घरेलू उद्योग की क्षमता, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उत्पन्न नई स्थिति के प्रति समायोजन में संभावित रूप से गति लाने अथवा उसमें विलंब करने वाले कारकों के संबंध में सूचना मांगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ उपभोक्ताओं ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। जांच की प्रक्रिया के दौरान, उपभोक्ताओं द्वारा किए अनुरोधों पर विचार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने सत्यापन योग्य सूचना सहित यह नहीं दर्शाया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से इन उपभोक्ताओं या व्यापक रूप से जनता पर कोई खास प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस उत्पाद का अनेक देशों से आयात किया गया है। यह देखा गया है कि विचाराधीन उत्पाद की पर्याप्त मात्रा विभिन्न देशों से आयातित की जा रही है जो वर्तमान जांच के अधीन नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शेष विश्व से आयात कीमत चीन से आयात कीमत से अधिक है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की विनिर्माण सुविधाएं अल्प प्रयुक्त हैं। घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद की संपूर्ण मांग को पूरा कर सकता है। क्षति अवधि के दौरान सूचना के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत आयात कीमतों के बराबर रही है। घरेलू उद्योग विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करता है, जो काफी उत्पादन सुविधाओं को शेयर करते हैं। विभिन्न उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग का समग्र क्षमता उपयोग काफी कम है और स्पष्टतः दर्शाता है कि घरेलू उद्योग देश में उत्पाद की मांग को पूरा करने की स्थिति में है।

125. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से चीन से निर्यातकों और घरेलू उद्योग के बीच केवल एक समान अवसर वाली प्रतिस्पर्धा सृजित होगी। पाटनरोधी उपाय लागू होने से पाटन प्रथाओं से अर्जित अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट पर रोक लगेगी और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो उपभोक्ताओं और समग्र रूप से अर्थव्यवस्था के सामान्य हित में है अतः, पाटनरोधी शुल्क लागू होने से उपभोक्ताओं उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ट. क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

126. उपर्युक्त के मद्देनजर यह नोट किया गया है कि:

- क) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में संपूर्ण जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
- ख) संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि भारत में खपत के संबंध में हुई है।
- ग) भारत में प्रवेश कर रहे कम कीमत के पाटन आयातों के कारण कीमत ह्रास हुआ है।
- घ) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है, यद्यपि संबद्ध वस्तु की मांग उसी अवधि के दौरान बढ़ी है। ऐसा पीयूसी की कुल मांग में आयातों के बढ़े हुए प्रतिशत हिस्से के कारण हुआ है।
- ड.) घरेलू उद्योग के लाभ और नियोजित पूंजी पर आय जांच की अवधि के दौरान समग्र रूप से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि के कारण आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं।

ठ. निष्कर्ष

127. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच के बाद और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

- क) संबद्ध वस्तु के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के लिए ग्रेड-वार पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है और ये मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक हैं।
- ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। संबद्ध उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच से पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटन आयातों की मात्रा में निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों तरह से वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु की मात्रा में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है जबकि मांग में केवल 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास कर रहे हैं। घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और बाजार हिस्सा जांच अवधि में अधिकांशतः स्थिर रहा है जबकि क्षमता उपयोग इष्टतम से कम स्तर पर रहा है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच अवधि में 12 प्रतिशत तक गिरावट आई है जबकि संबद्ध देश के आयातों के बाजार हिस्से में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय के संबंध में भारी गिरावट आई है। जांच अवधि में घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा, नकद घाटा और निवेशों पर ऋणात्मक आय हुई है।
- ग) घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति पाटन आयातों के कारण हुई है।

ड. सिफारिशें

128. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच आरंभ की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना उपलब्ध कराने के लिए घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर दिया गया था। इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के संबंध में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने संचालित करने बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है। अतः, प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
129. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। अतः प्राधिकारी, यह आवश्यक समझते हैं और कॉलम (7) में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शुल्क तालिका के कॉलम (3) में वर्णित वस्तु के समस्त आयातों पर लगाए जाना है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष	विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	7606, 7607	एल्युमिनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	जियांग्सु डिगशेंग न्यू मैटिरियल्स ज्वाइंट-स्टॉक कं. लि.	65	एमटी	यूएसडॉ.
2.	7606, 7607	एल्युमिनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	इनर मंगोलिया लायनशेंग न्यू एनर्जी मैटिरियल कं., लि.	65	एमटी	यूएसडॉ.
3.	7606, 7607	एल्युमिनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई अन्य देश	आर्कोनिक(कुनशान) एल्युमिनियम प्रोडक्ट्स कं. लि.	शून्य	एमटी	यूएसडॉ.
4.	7606, 7607	एल्युमिनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	ग्रैंस एल्युमिनियम (शंघाई) लि.	शून्य	एमटी	यूएसडॉ.
5.	7606, 7607	एल्युमिनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	क्रम सं. 1,2,3 और 4 के अलावा कोई उत्पादक	449	एमटी	यूएसडॉ.
6.	7606, 7607	एल्युमिनियम के फ्लैट रोल्ड उत्पाद*	चीन जन.गण. के अलावा कोई देश	चीन जन.गण.	कोई उत्पादक	449	एमटी	यूएसडॉ.

* निम्नलिखित उत्पादों को विचाराधीन उत्पारद के दायरे से बाहर रखा गया है:

- कैन-बॉडी-स्टार्क – इसमें एल्युमिनियम कैन बनाने में प्रयुक्त कैन एंड स्टॉक (सीईएस) भी शामिल हैं;
- 80 माइक्रोन तक एल्युमिनियम फॉयल।

130. आगे की प्रक्रिया

इस सिफारिश से उत्पन्न होने वाले केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपयुक्त पीठ के समक्ष की जाएगी।

अनंत स्वरूप, संयुक्त सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION
FINAL FINDINGS

New Delhi, the 7th September, 2021

Case No. (AD-OI -22/2020)

Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Certain Flat Rolled Products of Aluminium originating in or exported from China PR-reg.

F. No. 06/27/2020-DGTR.—Having regards to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time thereof:

A. BACKGROUND OF THE CASE:

2. M/s Hindalco Industries Ltd. (hereinafter also referred to as the “applicants” or the “domestic industry”) had filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) on behalf of the domestic industry, in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Rules” or “AD Rules”), for initiation of an anti-dumping investigation on the imports of Certain Flat Rolled Products of Aluminium (hereinafter also referred as the subject goods or the “product under consideration” or the “PUC”) originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the “subject country”).
3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant to justify the initiation of an investigation issued a public notice vide Notification No. 06/27/2020 - DGTR dated 8th September, 2020, published in the Official Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

4. Procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
 - a. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with the Rules.
 - b. The Authority issued a public notice No. 06/27/2020 - DGTR dated 8th September, 2020, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country.
 - c. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users in India, other Indian producers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 30 days of the initiation notification.
 - d. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of the subject country in India in accordance with the Rules.
 - e. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR.

- f. The Authority sent Exporter's Questionnaire to elicit relevant information to the following known producers/exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- (i) Xiamen Shengmao Co Ltd
 - (ii) Hang Yue Tong Company Limited
 - (iii) Dingsheng Aluminium Industries
 - (iv) Xiashun Holdings Limited
 - (v) Luoyang Longding Aluminium
 - (vi) Henan Mingtai Aluminium Industry Company Limited
 - (vii) Jiangsu Alcha Aluminium Co., Ltd
- g. The following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire response:
- (i) Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd.
 - (ii) Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd.
 - (iii) Dingsheng Aluminum Industries (Hongkong) Trading Co., Limited
 - (iv) Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co
 - (v) Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd.
 - (vi) M/s Granges Aluminium (Shanghai) Ltd. (GAS)
- h. The Authority sent questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information, in accordance with the Rules:
- (i) Technova Imaging Systems Pvt Ltd
 - (ii) SKM Steel Limited
 - (iii) Jindal (India) Limited
 - (iv) Banco Products Ltd
 - (v) Greenberry Foils India Limited
 - (vi) Tata Toyo Radiator Ltd
 - (vii) Amber Enterprises India Limited
- i. The following importers filed importer/users questionnaire response:
- (i) Alkraft Thermotechnologies Pvt. Ltd.
 - (ii) Technova Imaging Systems Private Limited
 - (iii) Jindal (India) Limited
 - (iv) Raviraj Foils Limited
 - (v) Indomax Industries
 - (vi) Aludecor Lamination Private Limited
 - (vii) Mahle Anand Thermal Systems Pvt. Ltd.
- j. Following interested parties have also made the submissions:
- (i) Aluminium Secondary Manufacturers Association
 - (ii) ACP Manufacturer Association
 - (iii) Greenberry Foils India Limited
 - (iv) Shree Venkateshwara Electrocast Private Limited
 - (v) Hanon Automotive Systems India Pvt Ltd
 - (vi) Mahle Anand Thermal Systems Pvt. Ltd.

- k. The Authority, upon request, granted extension till 6th December, 2020 to the exporters to file the questionnaire response.
- l. The Authority directed the parties to share the non-confidential version of their response with the list of interested parties. The parties exchanged the non-confidential version of the response with other interested parties through email.
- m. Further information was sought from the applicants and the other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the information provided by the domestic industry and the exporters by way of table study, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority.
- n. The investigation was conducted for the period from 1st April, 2019 to 31st March, 2020 (12 months) (hereinafter referred to as the 'Period of Investigation' or the 'POI'). The injury analysis covered the period from 01st April, 2016 – 31st March, 2017, 01st April, 2017 – 31st March, 2018, 01st April, 2018 – 31st March, 2019 and the POI.
- o. A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCIS data for computation of the volume of imports and its analysis after due examination of the transactions.
- p. The Non-injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- q. In accordance with the Rules, the Authority provided an opportunity to all the interested parties to present their submissions orally in the oral hearing held on 25th May, 2021 which was attended by various parties. The interested parties who presented their views at the oral hearing were advised to file written submissions of their views expressed orally. The interested parties were also provided with an opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by the opposing interested parties.
- r. A disclosure statement containing the essential facts in this investigation which would have been formed the basis of the final findings was issued to the interested parties on 26.08.2021 and the interested parties were allowed time upto 02.09.2021 to comment on the same. The comments on the Disclosure Statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this final findings notification.
- s. The Authority has considered all the arguments raised and the information provided by all the interested parties at this stage, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority in this final finding.
- t. Information provided by the interested parties on a confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on a confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on a confidential basis.
- u. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and examined the matter on the basis of the facts available.
- v. '****' in this final finding represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- w. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as 1 US\$ = Rs. 71.66.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Submissions made by the domestic industry

5. The following are the key submissions made by the domestic industry with regard to the product under consideration and the like article:

- a. The product under consideration is “Flat Rolled Products of Aluminium” (FRP). FRP is made in the form of Aluminium Rolled Coils, or Aluminium Rolled Sheets of various dimensions. FRP is made from primary or secondary aluminium which may undergo several processes such as melting & alloying, slab casting (slabs/concast), hot rolling, cold rolling, and other finishing processes and used for a variety of applications depending upon the gauge, temper, alloy, width, finish etc.
- b. The product scope includes all product forms and shapes of the products, inter-alia, Coil, Sheets, Circles, Plates etc. with patterns including mill finished or coated products. The scope of the PUC includes products of all dimensions, diameters, thickness, widths, alloys, finish, etc, excluding:
 - i. Can-body Stock – also include Can End Stock (CES) used to make aluminium cans; and
 - ii. Aluminium Foil up to 80 microns attracting anti-dumping duty vide Customs Notification No. 23/2017-Customs (ADD) dated 16th May, 2017 issued pursuant to the final findings dated 10th March, 2017, notification no F.No. 14/06/2015-DGAD.

PCN

- c. The applicant proposed for the adoption of certain product control numbers (PCNs) based on, amongst other things, generally accepted commercial nomenclature of the product types included within the PUC.
- d. The PCN categorization is only indicative and is based on commercial nomenclature so as to ensure a fair comparison. All these products fall under the basket of flat rolled products offered by the domestic industry. Should there be any significant difference in pricing of various product types, that should be addressed through a PCN to PCN comparison for the purpose of the dumping and injury margin.
- e. Exclusion requests: With regard to exclusion requests made by the interested parties, the domestic industry has submitted as follows:

Aluminium Foil up to 80 Micron with the Customs Notification No. 23/2017 imposing anti-dumping duty on Aluminium foil up to 80 micron

- i. The domestic industry does not object to a clarification from the Authority with respect to the items that are excluded under Customs Notification No. 23/2017-Customs (ADD) dated 16th May, 2017. However, the domestic industry requests that such clarification explicitly makes note of the fact that “Aluminium composite panel stock” or “ACP mill finish” and Clad with compatible non clad Aluminium Foil are in fact included in the scope of this investigation. It is also submitted, for the sake of clarification, that Customs Notification 23/2017 does not exclude “ACP mill finish” which is included in the PUC in the present investigation. Rather, it excludes ACP (i.e., the finished product) which is different from “ACP mill finish”.

Foil stock of thickness above 0.3mm

- ii. The domestic industry has the capability to produce products below the thickness of 0.3 mm and has indeed supplied products with less than 0.3 mm thickness in the POI.

Foil Stock of width above 1950 mm.

- iii. There is no requirement for Indian users to purchase foil stock of width above 1950 mm. Raviraj Foils may: (i) directly purchase 1000mm foil from the domestic industry and trade in the same; or (ii) they can purchase foil of any width above 1000mm and slit the same.

There is no wastage as claimed by Raviraj Foils. Evidence will show that there are different industries using foils of varying width within the sub-1000 mm category.

- iv. The import data of foil stock from FY17 to FY21 clearly demonstrates that the market exists across a broad spectrum of widths. Nearly 90% of the market in the POI was for widths <1940 mm. In fact, until FY19 there was no import of foil stock above 1940 mm.
- v. The imports of widths ≥ 2000 mm have been consistently priced lower than the domestic industry's sales. It is, therefore, clear that these are being dumped into the country.
- vi. If products above 1940 mm are excluded, the imports of products above 1940 mm will further increase with intensified dumping to circumvent the anti-dumping duty. This is because the importers can easily slit these products into lesser widths.
- vii. There is no "specific" end-use of products with width above 1940mm.

Products of alloy 8079

- viii. The domestic industry regularly supplies Alloy 8079 to Indian users. It also supplies Alloy 8079 to other customers, where it has received good feedback from customers with no quality complaints whatsoever.

Colour Coated Aluminium Coil

- ix. The domestic industry has supplied Colour Coated Aluminium Coil to various customers in the POI.

ACP stock / ACP finish of thickness 0.12 mm – 0.2 mm

- x. The domestic industry has been regularly supplying ACP Mill Finish to customers in the thickness of 0.10 mm to 0.2 mm.

Lithographic Aluminum Coils having a width above 1150mm

- xi. The domestic industry has supplied coils having width above 1150 mm in the past to customers. Further, the quality of products provided by the petitioner meets all the specified requirements.
- xii. No industry or manufacturer can supply products meeting all specifications at all times. Depending upon the industry and product in question, there will be some products in a batch or over multiple batches that may not meet all specifications. In such cases, those products are returned and amounts for the same are adjusted for future orders or refunded. This in itself cannot be a ground for exclusion.

Cladded coil for Tube, Header Plate and End Plate, Unclad Finstock and Unclad Coil

- xiii. The domestic industry can manufacture Unclad Finstock, Unclad Coil and Cladded Coil for Header Plate and End Plate. The domestic industry had in fact supplied material to the relevant interested party with the required specifications to users in the past (in 2016) but never received orders in the future. A one-off complaint by a user cannot be a ground for exclusion. This is particularly important in the case of trial and commercial orders. Since trial orders are small and made in different casts, it is possible that not all batches will meet all specifications to the mathematical precision. That cannot be a ground for exclusion. No metal manufacturers supply products at all times meeting all specifications. There are few rejections and there are processes to resolve and address such rejections.

Thickness Above- 0.30 mm Alloy

- xiv. The domestic industry noted that while exclusion was not sought for this variety, certain users alleged that the domestic industry's products with a thickness above 0.30 mm alloy are not meeting the required quality standards.
- xv. Domestic industry submitted that the sales of these products have been increasing, which is a testament to the superior quality of its products.

Products of domestic industry do not adhere to quality and global safety standards.

- xvi. Allegations that the domestic industry cannot meet the safety and global standards required for the auto industry are unsubstantiated and without any basis. The domestic industry regularly supplies various products (such as Auto Fin, Clad, Hard alloy, etc.) to the auto industry.

C.2 Submissions made by the other interested parties

6. The following are the submission made by the other interested parties with regard to the product under consideration and like article:
 - a. The scope of the product under consideration is too broad and includes products excluded by the domestic industry itself. This is not reflected in the Initiation Notice.
 - b. The domestic industry is not sophisticated enough to produce FRP of aluminium for heat exchanger applications, especially in the automotive industry. More specifically, heat exchanger applications require that the products have a post-braze yield strength of >45MPa. The domestic industry does not have the research and development experience to produce such articles.
 - c. The PCNs are not appropriately defined and does not allow proper comparison as:
 - Cost and price vary according to thickness and width of the product under consideration, but no bifurcation has been made between product types based on such thickness and width.
 - The scope of the product under consideration includes thickness better known, produced and sold as foil.
 - The thicknesses not produced by the domestic industry have also been included.
 - d. Exclusion requests: Following exclusions have been requested by the opposing interested parties:

Foil stock of thickness below 0.3 mm

 - i. The domestic industry can only produce foil stock of thickness above 0.3 mm. Hence foil stock of thickness below 0.3 mm should be excluded.
 - ii. Foil stock of thickness below 0.3 mm is used to make aluminium foil of 6 microns and 6.5 microns including ultralight gauge and cigarette foil, while foil stock of thickness 0.3 mm is used to make aluminium foil of 9 microns and above.
 - iii. It is technically and commercially not feasible to use any foil stock to produce different types of foils. If foil stock of thickness 0.3 mm and above is used to manufacture products currently being manufactured by foil stock of thickness less than 0.3 mm, the number of passes through the machine will increase which will lead to deterioration in quality of the product and will reduce productivity of the users.

Foil Stock of width above 1950 mm

 - iv. The domestic industry does not have the capacity to produce the subject goods of width more than 1940 mm.
 - v. The domestic industry has not proposed any PCN for any product falling beyond 1950 mm. The consumers are importing the product under consideration having width 2000 mm and above to match the customer requirement and to utilize the rolling capacity of the mills
 - vi. In order to produce 1000 mm foil, the consumer requires a foil of 2000 mm. This is for two reasons –
 - The machine installed by the consumer cannot use an FRP of less than 1700 mm.
 - The majority of the sales made by the respondents herein are such that they require 2000mm FRP.
 - vii. Therefore, if the users buy FRP below 2000 mm, they must find consumers of the leftover product after selling the 1000 mm product. The users would, therefore, end up with a significant stock of leftover FRP if they produce 1000 mm foil by using FRP below 2000 mm
 - viii. The users would be willing to provide end-user undertakings to address any concerns regarding circumvention.

Foil stock AA 8079

- ix. The domestic industry produces AA 1235 (of thickness above 0.3 mm). The present domestic industry has tried to develop AA 8079 recently. However, the product produced by the present domestic industry did not meet the technical requirements/ standards as it could not be rolled below 7 microns. Rolling it below 7 microns led to the breaking of foil during the rolling process.

Colour coated aluminium coils

- x. The domestic industry does not have the capacity to produce colour coated coils. Production of colour coated coil from ACP stock / ACP mill finish requires a separate plant and entails an investment to the tune of ₹ 5 crores, which the domestic industry has not done even though it is an insignificant cost to it.
- xi. Consumers are not in a position to undertake the significant investment needed to produce colour coated coil themselves.
- xii. Colour coated aluminium coil was excluded in the previous safeguard investigation concerning imports of Aluminium Flat Rolled Products. Colour coated aluminium foil was also excluded from the scope of the product under consideration by the CESTAT in the anti-dumping investigation concerning imports of aluminium foil originating in or exported from China PR. Accordingly, colour coated aluminium coil should be excluded from the present investigation as well.
- xiii. The domestic industry has not sold any colour coated coil to the consumers despite such a large demand in the country. This can be verified from the PCN wise sales information that must have been provided by the present domestic industry.

ACP Stock / ACP Mill finish of thickness between 0.12 mm – 0.2 mm

- xiv. The domestic industry does not have the capacity to manufacture ACP Stock / ACP mill finish of thickness between 0.12 mm – 0.2 mm. Hence this should be excluded from the scope of the PUC.
- xv. Almost 40% imports in India are of the said thickness. The Authority has followed a consistent practice of excluding products not manufactured by the domestic industry from the scope of the product under consideration.

Lithograde Aluminium Coils above 1150 mm width

- xvi. Aluminium offset printing plates are manufactured from high purity litho-grade aluminium coils which is the crucial and principal raw material for its manufacturing. Litho-grade aluminium coils, which has been made a part of the current PUC, are a special grade of aluminium coils made from alloy of aluminium and lithium.
- xvii. TechNova requires litho-grade Aluminium coils of certain higher width ranges which goes up to 1600 mm which the domestic industry does not manufacture. The domestic industry is not commercially capable of supplying litho-grade aluminium coils beyond 1150 mm. Consequently, users have no other option but to import Lithograde aluminium coils beyond 1150 mm width into India.
- xviii. During the POI and 2020-21, 95% - 100% of the Lithograde aluminium coils beyond width 1150 mm have been imported, whereas, the domestic industry has been able to supply only 0% - 5% of Lithograde aluminium coils above 1150 mm width.
- xix. Most of these coils supplied by the domestic industry had been on a trial basis out of which many of them failed to produce the desired quality standards required and were liable to be rejected.
- xx. Thus, the Authority is requested to exclude lithograde aluminium coils above 1150 mm width from the product scope.

Cladded coil for Tube, Header Plate and End Plate, Unclad Finstock and Unclad Coil

- xxi. This product is highly technical and requires expertise that the Chinese exporters possess. The domestic industry has no such expertise, and is, at best, engaged in reverse engineering products

- that are already in the market. The domestic industry is unable to even complete this task of replicating the imported material in an efficient manner. More specifically, heat exchanger applications require that the products have post-braze yield strength of >45MPa. The domestic industry does not have the capacity to manufacture the same.
- xxii. An importer has attempted to purchase from the domestic industry, and the domestic industry has failed to deliver as per specifications.
- xxiii. Heat exchanger applications were excluded from ADD in the earlier anti-dumping investigations on FRP/ Foil and accordingly should be excluded in the present investigation as well.
- Can-body Stock including Can End Stock (CES) used to make aluminum cans' and 'Aluminum Foil upto 80 micron
- xxiv. The Authority should exclude 'Can-body Stock including Can End Stock (CES) used to make aluminum cans' and 'Aluminum Foil upto 80 micron (as excluded from the Final Findings No. 14/06/2015-DGAD dated 10th March, 2017 and Initiation Notification No. 6/21/2020-DGTR dated 20th June, 2020)'. The exclusion should not be given with reference to the customs notification and the final findings and a detailed description of the products excluded should be provided.
- xxv. Request of the domestic industry to include (i) *aluminium composite panel* and (ii) *clad with compatible non clad aluminium foil* cannot be accepted. In the anti-dumping investigation concerning Aluminium Foil upto 80 Micron originating from China PR, the Authority excluded the aforementioned product types because they were not being produced by the domestic industry.

C.3 Examination by the Authority

7. Various interested parties have raised a number of issues with regard to the scope of the product under consideration in the present case. Interested parties have sought exclusion of certain products from the scope of the PUC on the grounds that the domestic industry is not capable of producing the product type or supply the product in the desired product type, or the quality of the product produced and supplied by the domestic industry is not satisfactory. The arguments of interested parties have been examined after calling relevant information from the parties and examined the same during the table verification and also taking into account the evidence submitted on record by the interested parties.
8. The product under consideration is "Flat Rolled Products of Aluminium". FRP is made in the form of Aluminium Rolled Coils or Aluminium Rolled Sheets of various dimensions. The product scope includes all product forms and shapes of the products, inter-alia, Coil, Sheets, Circles, Plates etc. with patterns including mill finished or coated products.
9. The Authority notes certain exclusions proposed by the domestic industry in its application. The Authority clarifies that the following products are excluded from the scope of the product under consideration in this investigation:
 - i. Can-body Stock – also includes Can End Stock (CES) used to make aluminium cans; and
 - ii. Aluminium Foil up to 80 microns.
10. The Authority has verified that the grades that have been excluded above have not been considered as a part of the import data, and consequently, for the purposes of determining dumping and injury analysis in this investigation.
11. The Authority notes that the subject goods are being imported in various types. The applicants had proposed product control numbers (PCN) in order to make PCN to PCN comparison. Considering the parameters that impact the associated cost and prices of the product, the Authority notified a PCN methodology vide Initiation Notification No. 06/27/2020-DGTR dated 8th September, 2020. The PCN methodology adopted in the present investigation is as follows:

PCN	Thickness Range (mm)	Width Range (mm)	Temper	Alloy Series	Length Range (mm)	Primary Application
ACP Stock / ACP Mill Finish (ACP)	0.12 to 0.98	760 to 1550	H12, H14, H16, H18, H22, H24, H28	1xxx, 3xxx, 5xxx,	-	Aluminium composite panels, for façade, Partitions, Signage etc.
Colour Coated	0.12 to 1.63	760 to 1550	H12, H14, H16, H18, H22, H24, H28, H4X	1xxx, 3xxx, 5xxx,	1000 to 7000 (for Sheet)	Aluminium composite panel, for façade, insulation, roofing/cladding
Fin Stock	0.04 to 1.5	10 to 1220	O, H12, H14, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, & F	1xxx, 3xxx, 8xxx		HVAC applications for automotive/transport, industrial heat exchanger and air conditioning
Clad	0.045 to 4.0	10 to 1200	O, H12, H14, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, & F	3xxx, 4xxx, 5xxx, 7xxx	500 to 4500 (for Sheet)	HVAC applications for automotive/transport
Circles	0.6 to 7.25	102 to 1350 (Diameter)	O, H12, H14, H16, H18, H24, T6	1xxx, 3xxx, 4xxx, 5xxx, 6xxx, 8xxx		Pressure Cooker & Cookwares
Foil Stock	More than 0.08 to 0.60	540 to 1940	H14, H16, H18, H24 & F	1xxx, 3xxx, 8xxx,		Packaging
Hard Alloys	0.20 to 5	20 to 1900	O, H12, H14, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, H32, H34, H36, H38, T4, T5, T6	2xxx, 5xxx, 6xxx, 7xxx	500 to 6000	Industrial, Construction and Defense Applications
Lithographic Aluminium	0.20 to 0.35	600 to 1460	H18	1xxx		Printing plates
Plates	5 to 300	140 to 1900	T6, F, O, H111	1xxx, 2xxx, 3xxx, 5xxx, 6xxx, 7xxx, 8xxx	500 to 6000	Defense and Industrial Applications

Closure Stock	0.13 to 0.52	38 to 1940	O, H14, H16, H18, H34, H36, H39	1xxx, 3xxx, 5xxx, 8xxx	425 to 1300	PP Caps and Packaging
Applications including General Engineering and Industrial Applications (which may be called GEQ)	0.07 to 5	10 to 1950	O, H12, H14, H15, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, F, H2X, H3X, H4X, T4, T6	1xxx, 3xxx, 5xxx, 6xxx, 8xxx	600 to 6000	Industrial, Automotive, Construction, Durables, Insulations etc.

12. Different types of aluminium flat-rolled products are comparable in terms of essential product characteristics including physical, production technology, manufacturing process, plant & equipment, functions & usage, etc. Different categories/types are intended to meet different end-user requirements. The design of the aluminium flat-rolled products differs as per the end-use requirements. As far as interchangeability is concerned, aluminium flat-rolled products that belong to different product groups may not be interchangeable due to various reasons such as the specific alloy treatments used or the type of finishing. Still, these products fall in the product scope of the investigation as they share the same basic physical, chemical and technical characteristics. However, different types of aluminium flat-rolled products constitute one article and it would not be appropriate to exclude product types if the domestic industry is manufacturing the like article to the product being imported into India.
13. The Authority has also considered the submissions by some interested parties that the scope of the PUC in the present case is too wide. In this regard the Authority notes that there is no bar either under the Customs Tariff Act or Rules which prevents multiple product types from falling within the scope of a product. In fact, the Authority has in the past in its final findings dated 23 December, 2020 in the *Anti-dumping investigation concerning imports of Flat Rolled Products of Stainless Steel from China PR, Korea RP, European Union, Japan, Taiwan, Indonesia, USA, Thailand, South Africa, UAE, Hong Kong, Singapore, Mexico, Vietnam and Malaysia* conducted an investigation on both hot rolled and cold rolled products of stainless steel together, finding that these two types were two sub-categories of the broad stainless steel category. Similarly, different types of flat rolled aluminium products are part of the broader category of aluminium flat rolled product and may be included within the scope of the same investigation.
14. The Authority considered the exclusion requests of the interested parties. The opposing interested parties have requested the following exclusions and the Authority has examined all the exclusion requests hereinunder:
- Foil stock of thickness below 0.3mm
 - Foil Stock of width above 1950 mm.
 - Products of alloy 8079
 - Colour Coated Aluminium Coil
 - ACP stock / ACP finish of thickness 0.12 mm – 0.2 mm
 - Lithographic Aluminum Coils having a width above 1150mm
 - Cladded coil for Tube, Header Plate and End Plate, Unclad Finstock and Unclad Coil

Foil stock of thickness below 0.3mm

15. Interested parties have argued that the domestic industry can only produce foil stock of thickness above 0.3 mm. However, the domestic industry has submitted documentary evidence to show the production and sale of foil stock below 0.3 mm. This establishes that the domestic industry has the capability to manufacture the product and it indeed manufactured and supplied the product during the POI. Therefore, the Authority holds not to exclude such a product from the scope of the PUC.

Foil Stock of width above 1950 mm

16. With respect to foil stock of width above 1950mm, interested parties have argued that the domestic industry does not supply such widths. The domestic industry has argued that there is no “specific use” of foil stock above 1950 mm.
17. After considering the submissions made, the Authority notes that there is no commercial usage of end product (i.e., foil) made using foil stock of widths above 1950 mm. The Authority notes that there is no known difference in foil stock above 1950 mm and foil stock below 1950 mm supplied by the domestic industry. There is no specific use of foil made using foil stock of widths above 1950 mm. Raviraj’s arguments that anything below 2000 mm results in wastage is untenable as the lower width foil stock can also be rolled to produce the end products. In this regard, the domestic industry has provided evidence to demonstrate usage of sub-1000 mm width foil stock. Further, the Authority notes that there are no known differences between foil stock of width 1950 mm and those above 1950 mm in terms of physical and chemical characteristics, product specifications, distribution and marketing, functions and tariff classification. Therefore, the Authority does not consider it appropriate to exclude foil stock of width above 1950 mm from the scope of the investigation.

Products of alloy 8079

18. Interested parties have stated that the product produced by the present domestic industry did not meet the technical requirements/ standards as it could not be rolled below 7 microns. The domestic industry has claimed that it supplies Alloy 8079 to Indian users and has provided documentary evidence regarding the same.
19. The users/importers, in their response, have not identified any technical/ physical difference between the imported and domestic goods. Contrary to that, the domestic industry has received appreciation and quality approval certificates from customers.
20. Quality is not a factor for assessing the scope of the PUC. The difference in quality is not a sufficient justification for the exclusion of a product.

Colour Coated Aluminium Coil

21. The interested parties have argued that the domestic industry does not have the capacity to produce colour coated coils. However, the domestic industry has provided evidence that it has supplied Colour Coated Aluminium Coil to various customers, including an interested party in this case in the POI.
22. With respect to the exclusion of Colour Coated Aluminium Coil in past investigations, the Authority notes that for the purposes of the current investigation, the Authority has looked at the evidence and data provided by the domestic industry and the Authority notes that the domestic industry is manufacturing and has supplied colour coated aluminium coil to customers and, therefore, they are included within the scope of the PUC.

ACP stock / ACP finish of thickness 0.12 mm – 0.2 mm

23. Interested parties have argued that the domestic industry does not have the capacity to manufacture ACP Stock / ACP mill finish of thickness between 0.12 mm – 0.2 mm. Hence this should be excluded from the scope of the PUC. The domestic industry has claimed that it supplies these products to Indian users and has provided documentary evidence regarding the same. Therefore, the Authority has determined not to exclude such a product from the scope of the PUC.

Lithographic Aluminum Coils having a width above 1150 mm

24. Interested parties have submitted that the domestic industry is not commercially capable of supplying Lithograde Aluminium coils beyond 1150 mm and up to 1600 mm width and that the domestic industry has been able to supply only 0% - 5% of Lithograde Aluminium coils above 1150 mm width.
25. On the other hand, the domestic industry has submitted that it has supplied coils having width above 1150 mm in the past to customers meeting all the specified requirements.
26. The Authority has verified the evidence submitted by the domestic industry and finds that the domestic industry has supplied Lithograde Aluminium coils beyond 1150 mm and up to 1600 mm width to one of the parties. Accordingly, this is included within the scope of the PUC.

27. The Authority notes that a possible demand-supply gap does not justify the exclusion of particular product types where they are comparable to the product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods.
28. Interested parties have argued that the supply of these coils by domestic industry had been on a trial basis out of which many of them failed to produce the desired quality standards required and were liable to be rejected.
29. The Authority notes that if the government has prescribed certain standards of a product and the product supplied by the domestic industry conforms to such standards, the consumers cannot contend that the product type produced by the domestic industry does not meet the desired standards. It is also noted that nothing substantial has been provided by the interested parties to demonstrate the difference in the quality of the product supplied by the domestic industry and imported into India.
30. Therefore, the Authority holds not to exclude such a product from the scope of PUC.
Cladded coil for Tube, Header Plate and End Plate, Unclad Finstock and Unclad Coil
31. The interested parties have argued that the domestic industry cannot provide high quality and technical products needed in the auto industry while the domestic industry has submitted that it can manufacture Unclad Finstock, Unclad Coil and Cladded Coil for Header Plate and End Plate.
32. With respect to the quality of products, the Authority reiterates that quality issues cannot be grounds for exclusion in an antidumping investigation.
33. Therefore, the Authority has determined not to exclude such a product from the scope of the PUC.
34. In view of the forgoing, the scope of the product under consideration for the purpose of the present investigation is as follows.

"The product under consideration is "Flat Rolled Products of Aluminium". FRP is made in the form of Aluminium Rolled Coils, or Aluminium Rolled Sheets of various dimensions. The product scope includes all product forms and shapes of the products, inter-alia, Coil, Sheets, Circles, Plates etc. with patterns including mill finished or coated products. The scope of PUC includes products of all dimensions, diameters, thickness, widths, alloys, finish etc., excluding:

- i. Can-body Stock also include Can End Stock (CES) used to make aluminium cans; and*
- ii. Aluminium Foil up to 80 microns. (It is clarified that "Aluminium composite panel stock" or "ACP mill finish" and Clad with compatible non-clad Aluminium Foil are included in the scope of this investigation.)"*

35. After considering the information on record, the Authority notes that there is no known difference in product under consideration exported from the subject country and the product produced by the domestic industry. The subject product produced by the domestic industry is comparable to the product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The Authority notes that the subject product produced by the applicant domestic industry is like an article to the product under consideration, in accordance with the Rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

D.1 Submissions made by the domestic industry

36. The following key submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
 - a. The Application has been filed by M/s Hindalco Industries Ltd. The applicant has neither imported the subject goods from the subject country nor is related to any producer or exporter of the subject goods.

- b. The production share of the petitioner is approximately 71% of the total Indian production. In view of the same, the petitioner is eligible to be the domestic industry pursuant to Rule 2(b) read with Rule 5(3) of the Rules.
- c. Further, the application is supported by two domestic producers, namely, M/s Jindal Aluminium Limited and M/s Manaksia Aluminium Company Limited. The supporters have filed the requisite data. They have disclosed all the critical information before the Authority. Disclosure of such information will validate the standing and injury claimed by the domestic industry.
- d. In addition, two other domestic producers, namely, M/s Vedanta Limited and M/s Virgo Aluminium have expressed support for the imposition of duties.

D.2 Submissions made by the other interested parties

37. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to scope and standing of the domestic industry:
- a. Jindal and Manaksia have imported the subject goods from China PR. As per Rule 2(b) of the Rules, the domestic industry must not include the domestic producers when they are themselves the importer of the subject goods. Therefore, Jindal and Manaksia cannot be considered as comprising the domestic industry
 - b. The supporter information in the required format as stipulated by Trade Notice No. 13/2018 has not been furnished by Vedanta Limited. Vedanta Limited has only provided a one-page letter along with the petition in support of the petition.
 - c. Supporter companies are required to provide certain information including the data of their economic parameters in the format prescribed by the Authority in the said Trade Notice. However, in the present investigation, the supporters have only provided the data relating to production and sales and that too has been claimed as confidential. Only Jindal and Manaksia have provided non-confidential version (NCV) of the information furnished by them.

D.3 Examination by the Authority

38. Rule 2 (b) of the Rules defines domestic industry as under:
- “(b) ‘domestic industry’ means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.*
39. The application has been filed by M/s. Hindalco Industries Ltd., and is supported by M/s Jindal Aluminium Limited and M/s Manaksia Aluminium Company Limited. In addition, two other domestic producers, namely, M/s Vedanta Limited and M/s Virgo Aluminium have expressed support for the imposition of duties.
40. As per the Rules, the Authority is required to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty-five per cent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. The applicant constitutes 71% of the total domestic production and with supporters, applicant constitute 91 % of the total Indian production.
41. Therefore, Hindalco Industries Ltd. meets the requirements to constitute the domestic industry under the Rules.
42. Further with respect to M/s Jindal Aluminium Limited and M/s Manaksia Aluminium Company Limited the Authority notes that Manaksia has not imported the PUC in the period of investigation while Jindal has made certain imports. These imports by Jindal do not affect the standing of the applicant as it alone constitutes 71 % of the total domestic production.

43. As regards the contention that the supporters have not filed the information in compliance with the Trade Notice No. 13/2018 dated 27 September, 2018, the Authority notes that it had invited all interested parties to file their claims with appropriate evidence and formats as applicable. Accordingly, the Authority has made its determination based on the information available on record.

E. ISSUES OF CONFIDENTIALITY

E.1 Submissions made by the domestic industry

44. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality
- The questionnaire responses filed by the interested parties are grossly deficient and violates the norms of confidentiality. The opposing interested parties, i.e., the exporters, importer and users completely ignored the requirements set up for them in the Trade Notice No. 10/2018 dated 7th September, 2018.
 - The domestic industry has filed communication, pointing out deficiencies in the responses filed by all the exporters and importers in the investigation. Except for Granges Aluminium Shanghai Ltd, none of the parties provided a response to these comments. In absence of any credible response, the Authority should direct the parties to either address the deficiencies or reject responses that are grossly deficient.
 - Related parties of Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co., Ltd, Dingsheng Aluminium Industries (Hongkong) Trading Co., Limited, Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd and Mongolia Liansheng New Energy Material Co., Ltd which are engaged in production or sales of PUC have not filed separate questionnaire responses, therefore, the response of these exporters should be rejected.

E.2 Submissions made by the other interested parties

45. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to confidentiality:
- The domestic industry has claimed excessive confidentiality in its application and in fact has even claimed information which was to be disclosed by them in terms of the Trade Notice No. 10/2018 as confidential. The information of NIP as well as other parameters such as purchase quantity and value of PUC, funds raised have not been furnished without showing good cause for the same
 - All injury parameters as listed in the application format have not been provided. The domestic industry has not furnished any evidence of lost contracts or its declining sales. No data has been provided for the average industry norm for capacity utilization, productivity per day, inventory, PBIT as % of average capital employed. No meaningful summary of Formats A to L has been provided.
 - The domestic industry has themselves claimed that the dumping and injury assessment should be done for each PCN but has selectively not provided the information PCN wise.
 - The normal value has not been computed on the basis of the domestic industry's cost and, therefore, there is no reason to keep this information confidential.
 - Related entities of the exporters identified by the domestic industry are not engaged in the production of the PUC but rather are involved in the "aluminium segment".
 - Furthermore, economic parameters of the supporters (Vedanta, Jindal and Manaksia Aluminium) have not been provided. As supporters, they have violated Trade Notice No. 13 /2018 which requires meaningful and sufficient information of supporter like profitability, return on capital employed, etc. Supporters have only provided data relating to production and sales and that too has been claimed as confidential. Jindal and Manaksia have provided non-confidential version of their application but other supporter Vedanta has not yet provided the same.
 - All the related entities in the Dingsheng Group, i.e., producers/exporters who are involved in the production and export of the product under consideration to India have filed the exporter questionnaire response.

- h. The allegation of incomplete response filed by Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd. was unwarranted and not based on facts. Arconic (Qinhuangdao) Aluminium Industries Co., Ltd., China PR was not involved in purchase or export of PUC to India during the period of investigation.

E.3 Examination by the Authority

46. Various submissions made by the applicant as well as the other interested parties during the course of the investigation with regard to confidentiality, to the extent considered relevant by the Authority, have been examined below.
47. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provides as follows:

“Confidential Information:

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarisation is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

48. Information provided by the interested parties on a confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on a confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential versions of the information filed on a confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties through the circulation of email.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

F.1 Submissions made by the domestic industry

49. The following miscellaneous submissions have been made by domestic industry:
- a. None of the non-PUC import transactions (including Aluminium foil upto 80 microns) have been considered as the PUC while sorting the import data. The imports made under HS Code 7607 which falls under the product scope have been considered as the PUC.
- b. As regards the performance of the supporters, the product offering (in terms of product types, alloys, temper, etc.) by the domestic industry is large compared with the product offering by the supporting companies which deal in limited product types (PCNs) and characteristics. With smaller capacities and limited product offerings by the supporters, any comparison of the applicant's financial performance with the financial performance of the supporters will be unfair and not an apple-to-apple comparison. The production process employed by the supporting companies is different from the production process of the applicant and the amount of investment made by the petitioner is significantly higher than the investment made by the supporting companies. In light of these factors, the performance of the applicant and the supporting companies may differ. In any event, the Authority ought to consider the domestic industry as is and assess the injury suffered by it on account of the dumped imports

- c. The operations of the petitioner were affected by COVID-19 pandemic only for a period of 7-8 days during the POI (towards the end of March 2020). Therefore, the decline in performance cannot be attributed to the COVID-19.
- d. With regard to the effects on the US-China Trade war, the imports of the PUC from China into India continued to increase in significant volumes and at dumped and injurious prices.
- e. Imports made from Malaysia are below the non-injurious price at the total level (after considering the NIP and landed prices for individual PCN). Hence, Malaysia has correctly not been included as a subject country.

F.2 Submissions made by the other interested parties

50. The following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties:

- a. The Authority had only prima facie evidence with them about dumping and injury to the domestic industry which formed the basis for initiation of the present investigation. The present initiation is based on prima facie evidence. “Prima facie” and “sufficient” are two completely distinct terms, imply different standards and are not interchangeable. According to the Shorter Oxford English Dictionary, the term “prima facie” indicates “first impression” and the term “sufficient” implies “legally satisfactory”. Hence, the petition filed by the domestic industry does not meet the requirements laid down under the law and the present initiation is bad at law.
- b. The initiation was based on inaccurate and inadequate evidence and hence, it is bad in law. This is attributed to change in the POI data post initiation since the proposed POI by the applicant was from April to December, 2019 but the POI considered by the Authority is from April, 2019 to March, 2020. Hence, the Authority did not have prima facie evidence of the total POI of 12 months to establish dumping, injury, causal link leading to change in parameters such as reduction of around 8000 MT of imports from China. There are other parameters like captive consumption, inventory, cash profit, interest cost, price undercutting, etc. which have undergone change even for the injury period. While the updated petition’s purpose was only to revise the data for the POI, the other changes in parameters are not justified by the DI and its credibility cannot be ascertained.
- c. The domestic industry has sourced transaction wise import statistics for tariff headings 7606 and 7607 of the Customs Tariff Act, 1972 from the DGCI&S in the present investigation. In the ongoing investigation of Aluminium Foil of less than 80 micron from Thailand, Malaysia, Indonesia, Korea RP and China PR, the domestic industry has also obtained transactions for tariff heading 7607 to determine the total import. There is a possibility of double counting of imports under HS code 7607 in the present investigation and the investigation of Aluminium Foil of less than 80 micron
- d. The methodology for segregation of import data is unclear and the Authority is requested to
 - i. To identify imports of the PUC under HS codes 7607 and 7606 separately
 - ii. To identify total imports from China PR of Aluminium foil from the ongoing aluminium foil investigation.
 - iii. To add imports of the PUC under HS code 7607 in the present investigation and the imports of aluminium foil below 80 microns in the ongoing investigation and compare the sum of imports so determined with total import volume under HS code 7607 to ensure that the sum of imports does not exceed total imports into India under HS code 7607.
- e. Various interested parties have averred that the supporting companies are performing well and, therefore, the industry at large is not suffering from any injury on account of imports from China PR.
- f. Domestic sales of the applicant have either remained stable or increased. However, the captive consumption of the subject goods and the export sales of the domestic producer have declined. It is evident that the total quantity of captive consumption of the domestic industry is shielded from injury that may be caused by imports of the PUC from the subject country.
- g. The product under consideration includes various categories based on end-use application and technical characteristics. The PUC covers a wide range of inter se products with utility across multiple industries. Therefore, it is required to be examined whether the domestic industry had sufficient capacity to meet demand in each of these segments during the injury investigation period including the POI.

- h. Despite a steady increase in demand for subject goods as a whole, the installed capacity of the petitioner has remained stagnant. The Authority should examine if the domestic industry has had sufficient capacities to meet such substantial increase in demand in the Indian markets during the entire injury period.
- i. Imports from other countries such as Malaysia, Thailand, USA, UAE, Japan, Canada, Oman etc. have seen a significant increase during the investigation period. Hindalco has not included these countries for the purposes of anti-dumping investigation. Dumping from other countries cannot be ruled out.
- j. The petitioner has also claimed that for the purposes of dumping and injury assessment the PCN methodology should be adopted. But Hindalco has failed to provide the normal value, export price and dumping margin computed for PCN Clad and PCN Fin stock separately, effectively ruling out a meaningful understanding of the claims.
- k. Imposition of an unwarranted anti-dumping duty on the subject goods will benefit the producer in the production of downstream products and negatively impact standalone producers of *Aluminium Foil 80 micron and below*. This will increase the cost of production for standalone producers of foil and stifle healthy competition in the market.

F.3 Examination by the Authority

- 51. The Authority has noted all the miscellaneous submissions by all other interested parties and examined all aspects of the submissions.
- 52. With respect to the arguments made by the interested parties regarding the performance of the supporting companies, the Authority has taken this into account. However, for the purposes of determination of injury in the present investigation, the Authority has considered the data made available by the domestic industry.
- 53. With respect to the methodology for segregation of import data, the Authority has examined the data provided by the domestic industry and notes that none of the non-PUC import transactions (including Aluminium foil upto 80 microns) has been considered as PUC while sorting the import data.
- 54. With respect to the inclusion of Malaysia as a subject country, the Authority notes that based on the data, the total imports from Malaysia are above 3 %, but imported below the non-injurious price of the concerned PCNs.

G. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

G.1 Normal Value

- 55. Under Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

“(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when destined for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.”

G.2 Submissions made the domestic industry

56. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to normal value:

- a. Sub-paragraph (2) of Paragraph 8 of Annexure I of the Rules stipulates that a country shall be considered as Non-Market Economy (NME) for the purpose of the anti-dumping investigation if the same has been treated as NME in previous years preceding the investigation period unless the firms cooperating in the investigation produces sufficient evidencing establishing that it operates under market economy principles.
- b. The Authority in its final findings in the matter of “Anti-dumping duty investigation concerning imports of Digital Offset Printing Plates from China PR, Korea RP, Japan, Taiwan and Vietnam” (notification no. 6/7/2019-DGTR dated 15th May, 2020), has treated the participating exporters from China PR as operating under NME principles. In view of the same, the Authority must continue to treat firms operating in China PR as operating under NME principles.
- c. There is sufficient evidence that demonstrates continuous interference by the Chinese government into the aluminium sector. For example, a 2019 report titled “Measuring distortions in international markets: The aluminium value chain” by Organisation for Economic Co-operation and Development identifies several ways through which the Chinese government has intervened in the aluminium value chain.
- d. The European Union Commission conducted a recent study on the *significant distortions in the economy of the People’s Republic of China for the purposes of Trade Defense Investigation* discussing aluminium sector-specific distortions in detail.
- e. A detailed study was conducted by the US Department of Commerce on the continuation of non-market economy practices by China PR on six (6) broad parameters. Based on the study, the US DoC concluded that China PR continues to operate under non-market economy practices.
- f. None of the participating exporters, other than Granges Aluminium Shanghai Ltd., has submitted a request for market economy treatment.
- g. The claims of Granges concerning market economy treatment must be rejected and normal value shall be determined on the basis of the best facts available as-
 - i. The primary metal consumed for the production of the PUC is sourced from state-controlled enterprises. Also, the raw materials pricing in China follows SHFE pricing which is subject to the intervention of the State.
 - ii. The exporter utilizes the prevailing exchange rate in China. The exchange rates are being manipulated (China has been declared as a currency manipulator by the US Govt.) to benefit Chinese exports.

b. G.3 Submissions made by the other interested parties

57. The following submissions were made by the other interested parties with regard to normal value:

- a. The domestic industry has claimed a countrywide dumping margin of 25 – 45% for imports from China PR. The dumping margin determined by the domestic industry is inflated due to incorrect adjustments.
- b. The domestic industry has made an adjustment of 3% non-refundable VAT for determining ex-factory price.
- c. The Authority should determine the export price and dumping margin based on the questionnaire responses filed by the interested parties and not on the assertions of the domestic industry.
- d. China should be treated as a market economy. After 11th December, 2016, any member country will no longer be able to derogate from the standard rules on the determination of the normal value included in Article-2 of the Anti-Dumping Agreement while dealing with imports from China PR.
- e. Granges Shanghai is a wholly owned subsidiary of a public listed Swedish Company, M/s Granges AB. Granges AB is listed on the Stockholm, NASDAQ. No local company in China, whether private or state owned has any shareholding in Granges Shanghai. No local company exercises any direct or indirect control over Granges Shanghai’s operations or sales in the

subject country or on export sales. Granges Shanghai operates under the global internal corporate governance model and follows the accounting policies of the parent company. None of the shareholders or directors of the board are of Chinese nationality. According to the Article of Association of Granges Shanghai, all decision pertaining to operation of Granges Shanghai is taken by the majority of the Board. All decisions pertaining to Granges Shanghai's business policies and investment plans, financial budgets, final accounts, profit distribution, salaries, and remuneration of board of directors, appointment and replacing board of directors etc. are taken by Granges AB. It is thus, evident that no local or state-owned company in China has any control over Granges Shanghai. It is therefore, requested that the Authority should grant Granges Shanghai, market economy status and the dumping margin should be computed based on records maintained by them.

- f. Normal value, export price and dumping margin qua Granges Shanghai should be computed based on the responses filed by them and in terms of Section 9A (6A) read with Para 1 of Annexure I to the Rules. In terms of Section 9A (6A) of the Act read with Para 1 of Annexure I to the Antidumping Rules, the normal value, export price and dumping margin is required to be computed based on the responses filed by the exporter, when such records reasonably reflect the costs associated with the production and sale of the subject goods and are in accordance with the generally accepted accounting principles of the country. Granges Shanghai maintains its accounts in accordance with the Accounting Standards for Business Enterprises (ASBEs), which are the accounting standards in China PR. The ASBEs issued by the Ministry of Finance of China are in conformity with the International Financial Reporting Standards (IFRS). Since, the accounts of Granges Shanghai are based on IFRS, the normal value of Granges Shanghai should be computed based on the records maintained by them.
- g. Even if China were to be treated as a non-market economy, the law permits individual firms to claim and demonstrate that they are unaffected by distortions, if any, in the Chinese economy. Granges Shanghai relies on the proviso to sub para (3) of Paragraph 8, which permits firms operating in a non-market economy country to be treated as operating on market economy principles. The proviso to sub-para (3) also categorically states that if market conditions prevail for a firm, the Authority should apply the principles as prevailing in Para 1 to the Annexure I. Granges Shanghai has demonstrated that the criteria set out in sub para (3) of Para 8 of Annexure I are met and that it operates on market economy principles:
 - a). Granges Shanghai is a subsidiary of a Swedish company and there is no state interference in its operations. It is also not subject to any distortions carried over from the former nonmarket economy system. Granges Shanghai has not acquired or converted any plant, factory, or company earlier under State ownership.
 - b). all decisions pertaining to costs of raw materials, sales, investments, cost of technology etc. are taken based on market signals without any state interference.
 - c). The production and financial costs of Granges Shanghai are not subject to any distortions. The depreciation of assets, write offs etc. are all done in accordance with the IFRS and there is no compensation of any nature provided to Granges Shanghai.
 - d). Granges Shanghai is subject to bankruptcy and property laws of China, which guarantee stability for the operations of Granges Shanghai.
 - e). the Exchange Rate conversions are carried out at market rates.
- h. Granges Shanghai satisfies the statutory conditions for treatment as a firm, which operates on market economy principles, and market economy treatment must, therefore, be accorded to it. Hindalco only claims that China should be treated as a non-market economy country. Hindalco does not dispute that Granges Shanghai meets the statutory conditions and operates on market economy principles. The Authority has treated other companies in the subject country as operating in market economy conditions, in several previous findings, even though they were utilizing the prevailing market exchange rates in the subject country.
- i. Granges Shanghai unlike Hindalco is not a backwardly integrated plant, and its starting raw material is aluminum ingots. The prices at which aluminum ingots is purchased by Granges Shanghai are at par with the international market prices of aluminum ingots. The costs of major

inputs, such as aluminum ingots reflect international values, as is evident from the information furnished. Granges Shanghai has provided the rates at which they have purchased utilities during the POI in their response to the market economy questionnaire. The utility prices are at par with the international market. In the response to the market economy questionnaire, Granges Shanghai has submitted the amount of loan and the interest rate at which loan has been obtained. The interest rates are market rates which are comparable to the prevailing interest rates in other market economy countries.

- j. Hindalco claims that Granges Shanghai should not be accorded market economy status on the basis that pricing of key raw material, aluminum ingot is based on SHFE prices and that SHFE prices are manipulated by the Chinese Government and not determined by market forces. According to Hindalco, the rest of the world uses LME and the SHFE prices are historically lower than LME Prices. This is a factually incorrect claim, as during the Period of Investigation, i.e., April 2019 till March 2020, the trend of LME prices being higher than SHFE prices was reversed. The LME and SHFE prices are fluctuating, and many a times, the LME price is higher than SHFE prices. Granges Shanghai has submitted evidence showing that the average price of ingots was higher than that prevailing on LME, during the POI. It may be the case that historically prices of SHFE are lower than LME, but that is not true for the present POI. Hindalco's claims are not relevant in the context of the present investigation.
- k. Granges Shanghai has submitted a complete response to both the exporter's questionnaire and the market economy questionnaire, in line with the guidelines prescribed by the Authority in the questionnaire and in terms of various trade notices issued therein. Hindalco has no valid grounds to state that the response filed by Granges Shanghai is deficient. Granges Shanghai has provided all information as required to be provided by it under the statutory provisions and its response is complete in all relevant aspects. Therefore, the responses filed by Granges Shanghai cannot be rejected. Hindalco had filed a detailed letter alleging that the responses filed by Granges Shanghai were deficient and excessive confidentiality had been claimed. Granges Shanghai had refuted these claims and made further disclosures of the information contained in their confidential responses. In the absence of any further comment to Granges Shanghai's questionnaire responses by Hindalco, either in the public hearing or in their written submissions, it can be safely concluded that they have no further objection or grievance against the filings. The questionnaire responses filed by Granges Shanghai, deserve acceptance.
- l. Hence, Granges should be treated as an exporter operating on market economy principles. The normal value, the export price and the dumping margin qua Granges should be computed based on the responses filed by them and in terms of Section 9A (6A) read with Para 1 of Annexure I to the Rules.
- m. The FOB price of the Unclad fin stock products from PR China is approximately Rs. 190 per kg, whereas the closest approximation of the product that the DI was able to supply was priced at Rs. 185 per kg. Therefore, there is no evidence whatsoever of dumping of the PUC.
- n. The dumping margin computation of Hindalco should be disregarded as the same has not been provided to Granges Shanghai for its comments. Hindalco has constructed the normal value based on the LME prices + premium, but Hindalco has failed to disclose this price to the other interested parties. There is no guidance in the application as to the basis on which the fabrication cost and other costs have been computed. If Hindalco fails to provide the computation to the interested parties, the Authority should completely disregard the dumping margin computed by them, as non-disclosure of the dumping margin would be in violation of the principles of natural justice.
- o. The normal value and the export price computation in any case suffers from infirmities. Granges Shanghai apprehends that for the computation of the normal value in Hindalco's petition is unrealistic, as the metal prices have been inflated, by applying premiums applicable to Hindalco. Premiums, not relevant to the Granges Shanghai's business model, cannot be added for the determination of its normal value. The comparison of prices between different metal exchanges, for evaluating the impact of state interference, should also be made with reference to the base LME price. Even otherwise, premiums are not relevant, as they are contingent on the specific conditions of particular transactions. Unless the specifics of the purchase transactions are

known, these are notional and unwarranted additions to the raw material price. Even the quantum of the so-called premiums, and the assumptions made for deriving such premiums have not been disclosed. Further, as per the application, the computation of export price includes adjustments on account of 4% VAT which is claimed to be non-refundable. This adjustment is not relevant in Granges Shanghai's case as VAT is not a cost for export sales made by Granges Shanghai to India. The entire VAT has been refunded to Granges Shanghai during the POI.

c. G.4 Examination by the Authority

58. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: "Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO member consistent with the following:

"a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

59. It is noted that while the provisions contained in Article 15(a)(ii) have expired, the provisions under Article 2.2.1.1 of the WTO read with an obligation under 15 (a) (i) of the Accession Protocol requires criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. Accordingly, China PR has been treated as a non-market economy country subject to a rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules by providing information in the supplementary questionnaire response. The same has also been examined and held by the Authority in the recent final findings issued by the Authority in the final findings dated 18th June, 2021 in an anti-dumping investigation concerning imports of Aluminium Foil 80 micron and below from China PR, Indonesia, Malaysia and Thailand wherein the Authority has affirmed the treatment of China PR as a non-market economy.

60. The Authority notes that except for Granges Aluminium Shanghai Ltd., no other cooperating producer/exporter from China PR has filed a supplementary questionnaire. Therefore, the normal value computation for other producers/exporters is required to be dealt with as per provisions of Para 7 of Annexure-I of Anti-Dumping Rules.

d. G.5. Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters

e. G.5.1. Evaluation of MET status of Granges Aluminium Shanghai Ltd., China PR

61. The Authority notes that Granges Aluminium Shanghai Ltd has submitted that it is a wholly owned subsidiary of a public listed Swedish Company, M/s Granges AB; that Granges AB is listed on the Stockholm, NASDAQ; that no local company in China, whether private or state owned has any shareholding in Granges Shanghai; that no local company exercises any direct or indirect control over Granges Shanghai's operations or sales in the subject country or on export sales; that Granges Shanghai operates under the global internal corporate governance model and follows the accounting policies of the parent company; that none of the shareholders or directors of the board are of Chinese nationality; that according to the Article of Association of Granges Shanghai, all decisions pertaining to the operation of Granges Shanghai are taken by the majority of the Board; that all decisions pertaining to Granges Shanghai's business policies and investment plans, financial budgets, final accounts, profit distribution, salaries, and remuneration of board of directors, appointment and replacing board of directors etc. are taken by Granges AB and, therefore, Authority should compute the normal value, export price and dumping margin qua Granges Shanghai based on the responses filed by them and in terms of Section 9A (6A) read with Para 1 of Annexure I to the Rules.
62. With respect to the claim of Granges Aluminium Shanghai Ltd to claim MET status, the Authority notes the following:
63. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti-Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in subparagraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from the People's Republic of China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in subparagraph (3) of paragraph 8 in response to the market economy treatment (MET) questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether: -
- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant state interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to the depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
64. The Authority notes the submissions made by Granges Aluminium Shanghai Ltd regarding claim of market economy status, questionnaire filed with domestic sales, export sales and cost of production along with supplementary questionnaire regarding the claim of market economy status and supplemented with additional submissions with regard to the claim of market economy status.
65. The Authority notes that prevailing prices of aluminium in China PR are governed by the Shanghai Future Exchange ("SHFE") which is a state-controlled exchange. On comparing the SHFE prices with London Metal Exchange prices on an apple to apple basis, the Authority notes that SHFE prices of Aluminium (excluding VAT) are lower than the LME prices (including relevant premium) and, therefore, the costs of the subject goods (where Aluminium is a major raw material) from China are not representative of actual costs. Further, Granges Aluminium Shanghai Ltd. has also acknowledged that it sources the raw materials (i.e., Aluminium Ingots) from the state-controlled enterprise. Thus, such purchase price of the raw materials is subject to state interference.

66. The same has been examined and held by the Authority in the final findings issued recently in the anti-dumping investigation concerning imports of Digital Offset Printing Plates from China, Japan, Korea, Taiwan and Vietnam vide Notification No. 6/7/2019 dated 15th May, 2020 wherein the Authority noted that:

“42.The Authority notes that prevailing prices of aluminum in China PR are governed by the ShFE which is state-controlled. On comparing the Shanghai Future Exchange (“SHFE”) prices with London Metal Exchange prices on an apple to apple basis, the Authority notes that SHFE prices of Aluminum (excluding VAT) are lower than the LME prices (including relevant premium) and therefore the costs of subject goods (where Aluminum is a major raw material) from China are not representative of actual costs.”

“45. The Authority further notes that Kodak purchases the raw material from state owned enterprise. Thus, such purchase price of the raw materials is being governed by state interference... ..”

67. The same considerations apply to the facts of the present case as well.

68. Further, the Authority notes that regardless of the ownership of Granges Aluminium Shanghai Ltd, the business environment (in terms of currency exchange, energy, labour, etc.) under which Granges Aluminium Shanghai Ltd. operates is by and large subject to state intervention. The same has also been considered by the European Commission in a recent provisional finding on the same product, i.e., FRP:

“(132) In the PRC, enterprises operating under the ownership, control and or policy supervision or guidance by the State represent an essential part of the economy.

(133) The GOC and the CCP maintain structures that ensure their continued influence over enterprises, and in particular State-owned enterprises (SOEs). The State (and in many aspects also the CCP) not only actively formulates and oversees the implementation of general economic policies by individual SOEs, but it also claims its rights to participate in operational decision making in SOEs. This is typically done through rotation of cadres between government authorities and SOEs, through presence of party members on SOEs executive bodies and of party cells in companies (see also Section 3.3.1.4), as well as through shaping the corporate structure of the SOE sector. In exchange, SOEs enjoy a particular status within the Chinese economy, which entails a number of economic benefits, in particular shielding from competition and preferential access to relevant inputs, including finance. The elements that point to the existence of government control over enterprises in the aluminium sector are further developed in Section 3.3.1.5 below.

(134) The OECD Study, submitted as evidence by the complainant, refers to SOEs in the aluminium sector which specifically emphasize in their regulatory filings how State ownership influences relevant industrial policies and how State ownership translates into government support. More specifically, one SOE mentions in its 2016 bond prospectus that it is one of the 52 backbone State-owned enterprises, that it plays a key role in the formulation and implementation of policies in the power sector and that it receives comprehensive and sustained support from the GOC. Another SOE refers in its 2017 bond prospectus to the fact that the respective provincial government can exert significant influence on the group.

(135) The PRC is the largest aluminium producer in the world, with several large SOEs amongst the top individual producers worldwide. According to estimates, SOEs account for more than 50 % of the total primary aluminium output in the PRC. A study on the non-ferrous metal industry in the PRC also points in the direction of SOEs accounting for a dominant share of the domestic market. While an increase in capacity in recent years is attributed partly to privately-owned companies, such capacity increase would usually also entail various forms of (local) government involvement, such as tolerating illegal capacity expansion. Moreover, the aluminium production capacity amongst the main SOEs has also increased, though to a lesser extent.

(136) Apart from controlling the SOEs, the GOC is also influencing the privately owned companies in the PRC. During the investigation it was established that the aluminium flat-rolled products producers received subsidies from the government. For example, one of the sampled companies, Jiangsu Alcha Group, lists a number of governmental subsidies in the company's annual report. A number of SOEs persist among the aluminium flat-rolled products exporters, including Chalco Rumin and Southwest Aluminium Group, which are subsidiaries of Chalco, an SOE under SASAC supervision.

(137) *With the high level of government intervention in the aluminium industry and a high share of SOEs in the sector, even privately owned producers are prevented from operating under market conditions. Indeed, both public and privately owned enterprises in the aluminium sector are also subject to policy supervision and guidance as set out in Section 3.3.1.5 below.*”

“(188) *The preceding analysis, which includes an examination of all the available evidence relating to public interventions in the Chinese economy in general as well as in the aluminium sector (including the product concerned), showed that prices or costs of the product concerned, including the costs of raw materials, energy and labour, are not the result of free market forces because they are affected by substantial government intervention within the meaning of Article 2(6a)(b) of the basic Regulation as shown by the actual or potential impact of one or more of the relevant elements listed therein. On that basis, and in the absence of any cooperation from the GOC, the Commission concluded that it is not appropriate to use domestic prices and costs to establish normal value in this case.*”

69. In light of the above, the Authority considers all producers/exporters from China PR including Granges as not qualifying for the market economy treatment which have claimed market economy treatment.

70. Accordingly, the normal value and the export price for all the producers/exporters from China PR have been determined as below:

f. G.5.2 Determination of normal value for China PR.

71. The normal value for all producers/exporters of the PUC from China PR has been determined in accordance with para 7 of Annexure I of the Rules. In the absence of sufficient information on record regarding the other methods under Para 7 of Annexure I of the Rules, the Authority has determined the normal value by considering the method on “any other reasonable basis”.

72. The Authority has, therefore, constructed the normal value for China PR on the basis of the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and additional reasonable profits. The constructed normal value so determined for Chinese producers/exporters is mentioned in the dumping margin table below.

g. G.5.3 Determination of Export Price.

a. **M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co., Ltd., M/s Hangzhou Dingsheng Import and Export Co., Ltd., M/s Dingsheng Aluminum Industries (Hong Kong) Trading Co., Ltd. and M/s Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co., Ltd. (“Dingsheng Group”)**

73. M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co, Ltd. (“Jiangsu Dingsheng”) and M/s Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co., Ltd. (“Inner Mongolia”) are related companies engaged in manufacturing of the subject goods in China PR. M/s. Jiangsu Dingsheng and M/s. Inner Mongolia have exported the subject goods directly to India and also through related trading companies, M/s Hangzhou Dingsheng Import and Export Co., Ltd. (“Dingsheng I&E”) and M/s Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Co., Ltd. (“Dingsheng HK”). All the four companies, namely, Jiangsu Dingsheng, Inner Mongolia, Dingsheng I&E and Dingsheng HK have provided the relevant information in the prescribed exporters questionnaire format.

74. It is noted that during the POI, all exports were made to unrelated customers in India. M/s. Jiangsu Dingsheng has exported *** MT (own manufactured) & *** MT (manufactured by Inner Mongolia), directly, having total invoice value of USD ***. M/s. Jiangsu Dingsheng has also exported *** MT (own manufactured) through related traders Dingsheng I&E and Dingsheng HK, having total invoice value of USD ***. M/s. Inner Mongolia has exported *** MT having total invoice value of USD *** directly to India.

75. The responding producers/exporters have claimed adjustments on accounts of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, sales commission, bank charges and credit cost which have been allowed by the Authority. The Authority has verified the details of the exports given in the questionnaire response filed by producer/exporters. The ex-factory export price as determined is given in the dumping margin table.

b. M/s Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd (“Arconic”)

76. Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd. is a limited liability company (wholly owned by foreign legal person) which is established under the Company Law of China. There is no change in the structure of the Company in the last three years including the POI. During the POI, Arconic has directly exported *** MT of PUC to India for USD ***. Arconic has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, credit cost and bank charges. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd., China PR has been determined and same is shown in dumping margin table below.

c. M/s Granges Aluminium (Shanghai) Ltd. (“Granges”)

77. During the POI, M/s Granges Aluminium (Shanghai) Ltd. (producer/exporter) has exported *** MT of PUC to India for US\$ ***. Granges has directly sold the goods to unaffiliated customers in India on CIF/ FOB basis. The quantity reported by Granges has been adopted by the Authority for determining export price to India. The producer/exporter has claimed adjustment on account of rebates / discounts, credit cost and freight cost for arriving at the ex-factory export price and the same has been allowed by the Authority. Accordingly, the export price of Granges Shanghai has been determined based on the weighted average export price and the same is shown in the dumping margin table below.

h. G.5.4 Determination of Normal Value and Export Price for the non-cooperating producer from China PR.

78. Normal Value for non-cooperative producers/exporters from China PR has been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table below.

79. The export price for other non-cooperative producers/exporters from China PR has been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The export price so determined is mentioned in the dumping margin table below.

G.6 Dumping Margin

80. Considering the normal values and export prices determined as above, the dumping margin for producers/exporters from the subject countries has been determined by the Authority and the same is provided in the table below:

Dumping Margin Table

Sl. No.	Country	Producer	Normal Value (USD/MT)	Net Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Range
1.	China PR	A).Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd B) Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co	***	***	***	***	10-20
2.	China PR	Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative
3.	China PR	Granges Aluminium (Shanghai) Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative
4.	China PR	All Others	***	***	***	***	20-30

i. H. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK.

81. Rule 11 of the Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

j. H.1 Submissions made by the domestic industry

82. The following submissions were made by the domestic industry with regard to injury and causal link:

- a. The dumped imports from China have increased significantly during the injury period in absolute terms. The data shows that the dumped imports of the PUC have increased from 1,07,198 MT in the base period to 1,71,492 MT in the POI.
- b. The imports have increased in relative terms (when compared with the production of the petitioner) - the imports of the PUC have increased from 39% in the base period to 64% in the POI.
- c. Imports from China increased by 60% during the same period but the sales of the petitioner have increased by only 2%. Even after considering the decline (when compared to the immediately preceding year) in the imports from China PR, the imports remain substantial over the entire injury period and about 90% of the domestic sales of the petitioner during the POI compared to 53% in the year 2016-17 and 73% in the year 2017-18.
- d. The market share of the imports from China PR has increased substantially, i.e., by 11% during the injury period. During the same period, the market share of the petitioner declined substantially (i.e., 6%).
- e. The narrowing gap between the SHFE and LME prices is leading to less cost-benefit to Chinese exporters. The declining gap in the SHFE and LME prices is a temporary phenomenon. Therefore, the decline in the exports of the PUC from China must be assessed appropriately.
- f. It is important to note that the COVID-19 related restrictions commenced as early as December, 2019 in China, which may have resulted in the decline of the imports from China PR compared to the preceding year.
- g. The production of the petitioner remained largely stable and substantial installed capacities were underutilized during the injury period and POI. It is worthwhile to note that the petitioner could not increase its production despite the increase in the demand of the PUC in the country.
- h. Assessment of imports must not be limited to comparison with the immediate preceding year. Rather the assessment must focus on the trends for the entire injury period. The data for the injury period clearly shows a substantial increase in imports of the PUC from China.
- i. The petitioner is competing with the Chinese imports by matching the prices (even at the cost of incurring losses). Therefore, losses of the petitioner increased substantially despite having insignificant price undercutting.
- j. There is significant price suppression and price depression effects on the price of the petitioner on account of the dumped imports. While the costs of the PUC have increased significantly during the injury period, the petitioner has not been able to increase the selling price commensurate to the increase in costs due to dumped imports of the PUC.
- k. The petitioner has seen a steady and sharp decline in profits with respect to the PUC during the beginning of the injury period, which accelerated to losses in FY 2018-19 and the POI.

- l. The return on capital employed has also witnessed a commensurate decline and gone into negative during the POI.
- m. Due to the imports at cheap prices, the petitioner has not been able to sell its product to the domestic customers resulting in piling of the inventories at various plants.
- n. The production for export markets is undertaken upon the receipt of the order from the customers (i.e., production for export sales is made on an order basis) and, therefore, an increase in the inventories cannot be attributed to the export performance of the petitioner.
- o. The Authority ought to consider the domestic industry as is and assess the injury suffered by it on account of dumped imports and not the performance of the supporting companies.
- p. The petitioner submits that the interest and finance cost does not form a significant proportion in the total cost. Interest and finance cost accounts for less than ***% of the cost of sales.
- q. The petitioner is indeed competing with the Chinese exporters in the international markets as well. It is important to note that Chinese exporters adopt dumping practices in other countries as well. It is important to assess the PCN-wise distribution of export sales to third countries. Trade remedial actions undertaken by several countries (such as the US and EU) have resulted in better price realization for exports in these markets.
- r. The dumped imports of the subject goods are entering the Indian market in large quantities in absolute terms as well as in relation to the production and sales of the domestic industry.
- s. Chinese FRP producers have significantly unutilized capacities (to the tune of 8.1 million MT in the year 2020 and 8.2 million MT in the year 2021) and have enough capacities for exports to India which have a demand of only 0.5 million MT. The capacity utilization rate of Chinese producers is only close to 60%.
- t. The large capacities of Chinese FRP producers are export oriented. This is evident from the fact that China FRP producers account for 45% of world's production, whereas China PR accounts for only 39% of total consumption. Out of the total production of FRP products in China, about 16% (or close to 2 million MT) is meant for exports including India.
- u. China PR has a favourable policy for the FRP producers. The Chinese government encourages and promotes exports of value-added products instead of primary products of aluminium. This is evident from the fact that China PR levies an export tax of 15% on exports on primary aluminium (such as alloyed/unalloyed ingots, aluminium scrap etc.). On the other hand, China PR provides export rebate of 13% on exports of value-added products of aluminium including FRP.
- v. The Chinese FRP producers have increased the capacities by about 1067KT in 2020 and 940 KT in 2021. The annual demand of FRP in India is only about 500KT. Half of the new capacity additions by the Chinese FRP producers in 2020 alone is sufficient to meet the entire demand of the country.
- w. Major markets of the PUC have initiated and imposed trade remedial measures against imports of FRP products from China PR. European Union has recently imposed provisional measures in the tune of 19.3% to 46.7% on imports of FRP from China PR.

k. H.2 Submissions made by the other interested parties

83. The following key submissions were made by the other interested parties with regard to injury and causal link:
 - a. Installed capacity of MALCO to produce FRP is significantly smaller when compared to HIL (the precise detail of installed capacity is already on record and MALCO reiterates that dumped imports of the PUC have caused material injury to small producers like MALCO as well).
 - b. MALCO does not offer a full range of FRP unlike HIL. Their offerings are limited to few product types and within those product types, they do not offer all specifications.
 - c. Jindal's capacities are much smaller when compared to HIL and all capital employed has been funded from internal accruals/ reserves of the company since small capacity did not require any external funding.

- d. JAL produces only select range of products and alloys for simpler applications wherein the overall production costs are lower as compared to more complex products made by companies like HIL whose production costs are significantly higher with relatively lesser realization; and being a smaller manufacturer, JAL product range is relatively less vulnerable to imports from China as compared with companies like HIL.
- e. JAL reiterates that dumped imports of the PUC have caused material injury to producers like JAL as well. The degree of material injury to the large industry players like HIL and to the relatively smaller manufacturers like JAL may differ. Therefore, it is requested to expeditiously conclude the investigation and recommend imposition of a suitable amount of anti-dumping duty on imports of the PUC from China PR to address the injury caused.
- f. As per comparative analysis of Format H, there is huge difference in the figures claimed in the original petition and the updated petition during the years 2016-17, 2017-18 and 2018-19. The domestic industry was trying to manipulate the data by making amendments in the petition to mislead the Authority. This raises serious questions about the reliability and authenticity of the data provided by M/s. Hindalco Industries Limited.
- g. There is no volume effect of the subject imports since imports have significantly reduced by 78,476 MT in POI as compared to the previous year. The products are being imported from the subject country due to lack of domestic supply.
- h. Market share of the DI increased by 16 indexed points in the POI over the immediate previous year whereas the market share of China PR declined in the POI over the previous year by 34 indexed points.
- i. If the petitioner finds base year to the POI as the right method to examine the trend, then it should be noted that the increase in imports from 1.07 Lakh MT to 1.71 Lakh MT took place with substantial increase in price from Rs185/Kg in the base year to Rs195/Kg in the POI. Such increase also in imports coupled with increase in price ought not to have caused any injury to the DI.
- j. Regarding the price effect, it is submitted that the information provided in original petition and updated petition has shown a complete turnaround. In the updated petition, data of price undercutting for the previous years has also changed without any change in landed value. This raises doubt on the authenticity of the data submitted by the domestic industry. Price undercutting in 2017-18 became positive at 0-10% from negative (5)-5% in 2016-17. The PBIT in the same year nearly doubled from 100 in 2016-17 to 195 in 2017-18. Cash profit also increased by 47 index points. Despite the reduction of price undercutting to (5) – 5% in the POI, the domestic industry incurred losses and PBIT per unit declined to (379). Similarly, cash profit has also declined to (159) during POI.
- k. The selling price of the domestic industry has moved independently of the landed price and in tandem with the cost of production. Even though the landed price declined marginally, the selling price declined significantly, which shows that the decline in selling price was not due to subject imports.
- l. The comparison of selling price should be made with raw material cost. The selling price of domestic industry increased more than increase in aluminium price over the injury period. As compared to 2018-19, the selling price and cost of sales declined less than the decline in aluminium prices in the period of investigation. The prices moved in favour of domestic industry when compared with price of raw material, hence, there is no suppression or depression.
- m. The increase in costs of the domestic industry and decline in profitability is on account of change in the method of allocation of corporate expenses between aluminium and copper segment which led to increase in profitability of copper segment and decline in profitability of aluminium segment.
- n. There is a lack of correlation between profitability and price undercutting. During POI, despite reduction of price undercutting to (5) – 5% as compared to 2018-19, the profitability has dropped to (negative)379 indexed points.

- o. The petitioner has claimed steep decline in profits and ROCE during the POI which cannot be linked to volume and price of imports as volumes from China PR declined significantly by about 31% during the POI and the correction in price was very negligible by about 1%. However, PBIT shows a drop of about 275 indexed points and ROCE dropped by about 274 indexed points. This scenario is just unexplained and these facts at the best shows existence of some other factors impacting the profits of the DI.
- p. The DI registered highest profits during the period 2017-18. But in the same period price undercutting was positive and in the range of 0-10%. But when the price undercutting significantly reduced by the POI to -5 to 5%, the losses increased drastically which demonstrates inverse relation between movement of landed price of alleged dumped imports and profitability of the DI
- q. The range of price undercutting shows that the gap between landed price and NSR was nil or very negligible (if the real facts show positive undercutting) during the POI and in that case, it cannot be said that the landed price was impacting the price decisions of the petitioner in any manner as the landed price was not much lower than the price of the DI and there cannot be any price suppression or depression also from such fair prices.
- r. The claims of price suppression and depression is also completely baseless as the petitioner could increase its prices when there was an increase in cost. The slight gap in the indexed numbers of cost and NSR ought not to have triggered such huge losses in the POI.
- s. It is also need to be noted that the movement in profitability during the injury period and landed price was also not in the same direction. When the landed price increased between 2017-18 and 2018-19 wherein the DI also increased its prices, the profitability declined sharply from 204 indexed points to -90 indexed points. The culprit in this scenario could be a spike in cost which cannot be attributed to landed price of imports. Thereafter, when the cost and NSR declined proportionately, profitability declined disproportionately and in an unexplained manner which rules out any causal relation between import and injury in the present matter.
- t. The non-injurious price determined by the Director General Trade Remedies is highly inflated and is not based on real situation. The DGTR allows 22% return on gross fixed assets, which is highly inflated and not in accordance with the Law. DGTR adopts lesser duty rule and works out the non-injurious price of the domestic industry based on cost of production of the domestic industry.
- u. The landed value of the three PCNs - Fin Stock, Clad and Plates are much higher than the selling price of the domestic industry. Therefore, there can never be a case of any material injury caused to the domestic industry.
- v. Based on the description of various expenses given in Format L of the updated petition, it appears that domestic industry has claimed various expenses for calculation of NIP which significantly distorts the comparison of NIP (ex-factory level) and landed value.
- w. There is an improvement in the relevant economic parameters of the DI since production, and capacity utilization of the applicant increased during POI and injury period for two consecutive years. Additionally, there was an increase in market share of DI from 72 to 88 indexed points from 2018-19 to POI in contrast to decrease of market share of the subject country from 169 to 135 indexed points during the same period.
- x. Capacity of the petitioner remains the same during the entire injury period. However, the production has increased during the period of investigation to 102 from 100 during the base year 2016-17. The capacity utilization has increased by 2% as compared to the base year. Thus, imports of the subject goods are not causing injury to the domestic industry.
- y. Despite decline in demand by 20 indexed points during the POI as compared to the previous year, the applicant increased its sale by 4 indexed points in the same period. There has been an increase in inventory by 57 basis points in the POI as compared to the base year which does not justify stagnation of production and sales and thus need examination by the Authority.
- z. The data submitted by the domestic industry indicates that the domestic sales of the petitioner have either remained stable or increased. However, the captive consumption of the subject goods

and the export sales of the domestic producer have declined. The Authority while conducting an injury analysis must consider the impact of decline in the captive consumption and export sales on the economic parameters of the domestic industry.

- aa. There are own intrinsic factors of injury to the domestic industry. The interest and depreciation cost has increased exceptionally. Such high costs are bound to impact the bottom line of the domestic industry. The reasons for such increase must be examined, it may have increased due to the following:
 - The allocation methodology adopted by the domestic industry. If it has allocated finance cost over the products in ratio of turnover, then a decline in turnover of other products would result in increase in finance cost allocated over subject goods.
 - Funds borrowed for capital expansion. However, unless the plant is completed and production is commenced such expenses should not be added to determine cost of sales.
 - Finance cost incurred on borrowings for other products
- bb. The domestic industry's Annual Report 2019-20 indicates severe demand shocks, supply chain disruptions throughout the world as a result of the coronavirus pandemic, trade war between US and China etc. as reasons for decline in consumption of aluminum, which has impacted the domestic industry. The injury cause to the domestic industry is attributable to these factors and not the import of subject goods.
- cc. Non-declaration by the domestic industry about the shut down in plants in the petition, tantamount to misdeclaration and concealment of vital facts from the Authority. The domestic industry should have clearly provided this information and impact of the same as the overall workings and performance should have been demonstrated which it failed to do.
- dd. Injury, if any, to the domestic industry is attributable to increase in price of raw materials. Hindalco's Annual Report for FY 2018-19 also suggests significant increase in price of raw material of aluminium globally due to trade war and imposition of sanctions on UC Rusal, Russia by the US.
- ee. Jindal Aluminium Ltd. has not suffered any injury since it has done "exceptionally well" in terms of profitability during the POI as compared to the base year and 2018-19. Had injury been due to imports, the impact would have been borne by all the companies related to the PUC, however, other producers have not suffered any injury and therefore the injury to the domestic industry is self-inflicted.
- ff. Regarding determination of Non-injurious Price (NIP), the updated petition contains various post factory gate expenses such as advertisements, other selling and distribution overheads, commission on sales, export related expenses etc. which cannot be considered for determining NIP and authority must determine the same strictly based on principles enshrined under Annexure III to the AD Rules.
- gg. Regarding threat of material injury, the applicant made conjecture remarks that there has been an increase in the production capacity of the PUC in China PR and that the Chinese producers have significantly unutilized capacities. The claims of applicant are baseless and are liable to be rejected as these claims are made purely based on conjectures and surmises and without disclosing the source of the information. There is no threat of material injury inasmuch as despite underutilized capacity in China PR, the subject imports have declined in the period of investigation which makes it evident that the producers in the subject country are not utilizing their idle capacity to increase exports to India. Accordingly, there is nothing to show that the producers in China PR would increase exports to India even after new capacities are commercialized.

I. H.3 Examination of the Authority

84. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties and has examined various parameters in accordance with the relevant Anti-Dumping Rules and Annexure III after duly considering the submissions made.

85. Rule 11 of Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, taking into account all the relevant facts, including the volume of the dumped imports, their effect on the prices of the domestic market for like articles and consequent effect of such imports on domestic producers of such articles.
86. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is, otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.
87. The submissions made by interested parties with regard to injury and causal link, which have been considered relevant by the Authority are examined and addressed as under.

m. H.3.1 Volume Effect of Dumped Imports

A. Assessment of Demand/Apparent Consumption

88. Demand or apparent consumption of the product in India has been determined as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Sales of domestic industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	99	104
Sale of Supporters	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	105	101	95
Sale of other domestic producers	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	119	130	129
Import from subject country	MT	1,07,198	1,31,526	2,49,968	1,71,492
Trend	Indexed	100	123	233	160
Import from other countries	MT	41,191	41,756	41,453	33,652
Trend	Indexed	100	101	101	82
Total Indian Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	138	118

89. It is seen that demand has increased in the POI since the base year. The demand witnessed a decline in the POI compared to 2018-19.
- B. Import volume from the subject country in absolute terms**
90. With regard to the volume of the subject imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The import volumes for the injury period are as under:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Subject Country	MT	1,07,198	1,31,526	2,49,968	1,71,492
Trend	Indexed	100	123	233	160
Un-dumped	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	96	81
Dumped	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	125	255	173
Non-Subject Countries	MT	41,191	41,756	41,453	33,652
Trend	Indexed	100	101	101	82
Total Imports	MT	1,48,389	1,73,281	2,91,420	2,05,144
Trend	Indexed	100	117	196	138

91. It is seen that:

- Imports from the subject country have increased in the injury period. Dumped imports from the subject country increased by almost 73% from the base year. While the imports have declined in the POI compared with the preceding year, the imports from the subject country increased from the base year.
- Imports of PUC from non-subject countries declined during the same period.

C.Import volume from the subject country in relative terms

92. The Authority considered whether the imports of the product have shown an increase in relation to production or consumption in India. The table below shows the data in this regard. Imports in relative terms shows as follows:

Dumped Imports from China in relation to	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Domestic Industry's Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	252	169
Domestic Industry's Sales	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	256	166
Demand	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	185	146

93. It is seen that:

- Imports from the subject country in relation to production have increased from ***% in the base year to ***% in the POI, whereas imports in relation to demand/consumption have shown the same trend and increased from ***% in the base year to ***% in the POI.

n. H.3.2 Price Effect of Dumped Imports on the domestic industry

94. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been

compared with the landed price of imports of the subject goods from the subject countries. The Authority has carried out the analysis of price undercutting and price underselling on PCN basis as there is significant variation in the per MT prices of various PCNs.

A. Price Undercutting

95. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the domestic industry has been compared with the landed value of imports from the subject country. While computing the net selling price of the domestic industry all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at the ex-works level has been determined for comparison with the landed value of the dumped imports. For this purpose, considering the PCN adopted in the present investigation, the Authority has compared the landed price of imports with the selling price of the domestic industry for comparable PCN. Thus, weighted average price undercutting has been determined after considering associated import volumes. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject country work out as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Landed Price	INR/MT	1,85,385	1,96,871	1,97,555	1,95,407
Trend	Indexed	100	106	107	105
NSR	INR/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	111	110	105
Price Undercutting	INR/MT	(***)	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	-135	-72	114
Price Undercutting %	%	(***)	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	-127	-68	108
Price Undercutting	% Range	Negative	0-10%	0-10%	Negative

96. The Authority notes that the price undercutting is negative during the POI. The negative price undercutting is negligible (i.e., less than 2%).

B. Price Depression and Suppression

97. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position on the basis of the cost of sales and selling price furnished by the domestic industry is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Cost of Sales	INR/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	124	118
Selling Price	INR/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	111	119	107
Landed Price	INR/MT	1,85,385	1,96,871	1,97,555	1,95,407

Trend	Indexed	100	106	107	105
Change in					
Cost of Sales	INR/MT		***	***	(***)
Trend	Indexed		100	160	-59
Selling Price	INR/MT		***	***	(***)
Trend	Indexed		100	70	-106

98. It is seen that cost of sales and selling price both have increased till 2018-19 and declined thereafter in the POI. The landed value has also followed the same trend. Thus, the cost of sale, selling price and landed value have declined in the POI compared to the preceding years. However, it is seen that cost of sales has increased by 18 indexed points in the POI compared to the base year, whereas the selling price increased by only 7 indexed points. At the same time, the landed value has increased by only 5 indexed points in the POI compared to the base year.

H.3.3 Economic Parameters of the Domestic Industry

99. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and submissions made.

A. Production, Capacity, Sales and Capacity Utilization

100. Capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	101	102
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	101	102
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	100	104

101. It is seen that:

- a. The capacity of the domestic industry has remained unchanged.
- b. Production and sale of the domestic industry have increased marginally.
- c. Capacity utilization has largely remained stable during the POI.

B. Profitability, Return on Investment and Cash Profits

102. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below: -

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Profit/Loss	INR/MT	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	204	-90	-365
PBIT	INR in Crs.	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	195	-90	-379
Cash Profits	INR in Crs.	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	147	-3	-159
Return on Investment	%	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	207	-99	-373

103. It is seen that:

- a. It is seen that profitability of the domestic industry has improved till 2017-18 and declined drastically in the year 2018-19 and the POI.
- b. PBIT, cash profit and ROI, all three parameters have followed the same trend as the profitability. All these parameters have improved till 2017-18 and declined significantly in 2018-19 and the POI.

C. Market Share

104. The position of the domestic producers over the injury period with regard to market share is as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Share of domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	72	88
Share of other producers including supporters		***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	86	98
Import from subject country	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	169	135
Import from other countries	%	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	95	73	69
Total Indian Demand	%	100%	100%	100%	100%

105. It is seen that the market share of the domestic industry has declined over the injury period, whereas the market share of the subject country has increased significantly from ***% in the base year to ***% in the POI.

D. Employment, Productivity and Wages

106. Employment, productivity and wages of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
No. of Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	99	92
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	101	102
Wages	INR in Crores	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	102	96

107. It is seen that the number of employees and wages have declined in the POI compared to the base year. The productivity per day has increased marginally in the POI.

E. Inventories

108. Inventory position with the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Inventories	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86	154	157

109. Inventories have increased throughout the injury period, by 57% from the base year to the POI.

F. Growth

110. It is seen that growth of the domestic industry in terms of production, capacity utilization and sale have been positive during POI and growth in terms of return on investment was negative in the POI.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Production	%		(***)	***	***
Trend	Indexed		-100	126	31
Domestic Sales	%		(***)	***	***
Trend	Indexed		-100	92	84
Capacity Utilization	%		(***)	***	***
Trend	Indexed		-100	126	31
ROI	%		***	(***)	(***)
Trend	Indexed		100	-598	-142

G. Factors affecting domestic prices

111. The Authority considered the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports to assess the factors that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market.

o. H.3.4 Magnitude of Injury and Injury Margin

112. Non-Injurious Price for the domestic industry has been determined on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP has been considered for comparing the landed price of each PCN from the subject country for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI has been calculated considering the best capacity utilisation and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as per the procedure prescribed in Annexure-III. The non-injurious price for each PCN so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject country for comparable PCN to determine the injury margin as follows:

Injury Margin Table

Sr. No.	Country	Producer	Landed Value (USD/MT)	Non-Injurious Price (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Range
1	China	A) Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd B) Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co	***	***	***	***	0-10
2	China	Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative

3	China	Granges Aluminium (Shanghai) Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative
4	China	All Others	***	***	***	***	15-25

H. 3.5 Other Known Factors and Causal Link

113. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the domestic industry.

A. Volume and price of imports from third countries

114. Imports from other countries are at higher than import prices from the subject country or low in volume.

B. Export Performance

115. It is seen that domestic industry is largely in the domestic market. In any case, the Authority has considered the data for domestic operations for its injury analysis.

C. Development in Technology

116. There are no known material developments in technology over the injury period.

D. Performance of other products of the company

117. The Authority has considered the performance of the domestic industry only in respect of the product under consideration. The injury claimed to the domestic industry is only in respect of the subject goods.

E. Trade Restrictive Practices and Competition between the Foreign and Domestic producers

118. There is no known trade-restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

F. Contraction in Demand and Changes in the pattern of consumption

119. It is noted that the demand for the subject goods has increased over the injury period.

I Post Disclosure Statement

120. The Interested parties offered their comments to the disclosure statement issued by the Authority on 26.08.2021. Most of these comments are repetitive and have already been addressed by the Authority. However, for the sake of clarity, the submissions by the interested parties have been summarised and again addressed as below:

I.1 Comments from the Domestic Industry

121. The key comments from the domestic industry are as follows:

- (i) Hindalco, the domestic industry, agrees with the Authority's examination concerning the product under consideration and submitted that none of the products sought to be excluded warrant any exclusion from the scope of the investigation and the Authority must continue with its findings on the PUC. Hindalco has also provided additional clarifications with respect to the various product exclusions requests from the Authority especially with respect to foil stock of width above 1950mm and colour coated products.

- (ii) The domestic industry submits that cooperating producers and exporters from China PR have failed to address the comments placed on record by the domestic industry concerning the deficiencies and excessive confidentiality and requested the Authority to reject the responses of the exporters.
- (iii) The domestic industry submits that the Authority appears to have erroneously noted that the total imports from Malaysia are above 3% but imported below the non-injurious price of the concerned PCNs. The same appears to be a typographical error. The Authority should correct to state that the total imports from Malaysia are above 3% but imported above the non-injurious price of the concerned PCNs.
- (iv) The Authority has erred in calculating the normal value for the producers from China PR. Specifically, the methodology considered by the Authority is not "reasonable" as the Authority ought to have considered facts available, i.e., the calculation provided by Hindalco. None of the Chinese producers rebutted those calculations. Therefore, the Authority should recalculate the normal value based on the "best information available" to it, i.e., the actual cost of production of the input materials as calculated and submitted by Hindalco. Accordingly, the Authority should recalculate the dumping margin determined for the producers from China PR.
- (v) The domestic industry requests the Authority to disclose detailed NIP calculation worksheets and methodology adopted for determining the non-injurious price. The non-disclosure of the complete workings and methodology adopted by the Authority has impaired the ability of the domestic industry to offer meaningful comments on the NIP determination. Further, the domestic industry requests the Authority to consider the suggested methodology and recalculate the NIP and consequently re-work the injury margin.

I.2 Comments from the other interested parties

122. The comments submitted by exporters/importers/users/associations are mostly repetitive and have already been examined and addressed appropriately in respective paragraphs. However, some of the key points raised by the other interested parties are summarised as below:

- (i) As far as 'Cladded coil for Tube, Header Plate and End Plate, Unclad Finstock and Unclad Coil' is concerned, the domestic industry itself has agreed that it has supplied certain material to the interested party in 2016 and that it did not meet the requisite specifications. Further, in the absence of any like article and the absence of any dumping and material injury caused to the DI, none of the factors justify for the imposition of anti-dumping duty on 'Aluminium-Manganese- Silicon based and/or clad Aluminium-Manganese-Silicon based alloys, whether clad or unclad: with post brazing yield strength greater than 35 MPA, falling under tariff heading 7606 and 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof' from the scope of this investigation.
- (ii) Contrary to the claims made by the domestic industry, it does not produce and sell foil stock of width below 0.3 mm. Hindalco has not been able to supply the product having requisite thickness. Accordingly, users are forced to rely on the import of the product.
- (iii) The domestic industry has not produced and sold Brushed Finish Coil, Mirror Finish Coil and Anodised Coil during the POI. Therefore, the Authority should exclude Brushed Finish Coil, Mirror Finish Coil and Anodised Coil from the scope of the PUC. The product brochure of Hindalco will show that Hindalco is not producing such product types.
- (iv) The domestic industry has also not produced and sold ACP Stock/ACP Mill Finish (ACP) above 1550MM width and the said product above 1550MM width also needs to be excluded from the scope of PUC.
- (v) The disclosure statement shows substantial imports of the product were made at fair prices and the case should be terminated in view of such negative injury margin determined for majority of cooperating producers/exporters. Even the third responding exporter has an injury margin in the range of 0-10% which shows the subject goods have been primarily getting imported at prices comparable to the NIP of the DI and claims of any injury from such imports is totally unsubstantiated.

- (vi) The price undercutting which was positive till the previous year turned negative in the POI. The DI was able to increase its volume and the price determined by the DI was not influenced by the landed price.
- (vii) It is very notable that the losses of the domestic industry extraordinarily increased in the POI when the price undercutting became negative which demonstrates the fact that the fall in profits is not triggered by landed price of imports and there is a clear inverse relation between landed price of imports and profitability of the domestic industry indicating existence of serious other factors triggering such losses.
- (viii) In a situation where the DI was able to increase its market share and sell the product without any undercutting effects from the subject imports, the claims of injury from such imports has no basis and the case warrants termination for this factor alone.
- (ix) Arconic (Kunshan) submits that it is abundantly clear that exports from Arconic (Kunshan) has not caused any injury to the domestic industry.
- (x) To avoid any ambiguity, the Authority may exclude the products by providing their detailed description and not by mere reference to the customs notification and final findings.
- (xi) The Authority has noted that the petitioner constitutes 71% of total domestic production and with supporters the Petitioner constitutes 91% of total Indian production and hence the petitioner meets the requirement to constitute the domestic industry under the Rules. These claims need to be verified by the Authority.
- (xii) The Authority has failed to consider the detailed arguments made by Technova Imaging Systems Private Limited indicating that the domestic industry is not producing Lithograde Aluminium Coils above 1150 MM width in any commercial quantities. There is demand-supply gap for this product.
- (xiii) Granges Shanghai reiterates the position that Granges Shanghai is operating on market economy principles and should be accorded market economy status. The dumping and injury margin qua Granges Shanghai is negative. Therefore, the Authority should not recommend imposition of any anti-dumping duty on Granges.
- (xiv) The Authority is requested to note that there is positive growth of domestic industry on critical volume parameters and thus the domestic industry is not suffering any injury due to import of subject goods from China PR. Further, the domestic industry is incurring losses due to high depreciation cost and finance cost, and not due to dumping.
- (xv) The Authority has failed to disclose NIP in the prescribed range of +/- 10% in terms of Trade Notice No. 10/2018. It is submitted that due to absence of NIP range, the Respondents are unable to make any submission regarding appropriateness of NIP for different PCNs based on their known difference between cost and prices.
- (xvi) Coils from 80 to 120 μ m and coils from 200 μ m and above are required to be excluded from the PUC on the grounds that the same have not been produced by Hindalco.
- (xvii) As far as Coils from 120 to 200 μ m are concerned, Hindalco has claimed the production and sale of the same but about 30 consumers who are members of ACP Manufacturer Association contend that Hindalco has not produced and sold the same.
- (xviii) The Authority has noted in the disclosure statement that the imports from Malaysia are above the de minimis and are imported below the non-injurious price of the domestic industry. Therefore, the Authority must include Malaysia within the scope of the present investigation, or the Authority may at least examine the injury caused due to imports from Malaysia and ensure that the injury caused due to imports from Malaysia is not attributed to imports from China PR.
- (xix) The Authority may correct names of following exporters in the duty table:
 - a. Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co., Ltd.
 - b. Hangzhou Dingsheng Import and Export Co., Ltd.
 - c. Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Co., Ltd.
 - d. Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co., Ltd.

I.3 Examination by the Authority

123. The analysis and the decision of the Authority on the issues raised above are as below:

- (i) The Authority has already addressed arguments with respect to exclusion of 'Cladded coil for Tube, Header Plate and End Plate, Unclad Finstock and Unclad Coil' in relevant paragraphs concerning the scope of the PUC. The other interested parties have not raised any new argument on this issue. The Authority has determined that that quality issues cannot be grounds for exclusion in an antidumping investigation and there is no reason to deviate from this finding.
- (ii) The Authority has already addressed the arguments with respect to exclusion of foil stock of width below 0.3 mm. The interested parties have neither raised any new argument nor provided any new evidence in support of their claim. The Authority has already noted the documentary evidence produced by the domestic industry to show the sale of foil stock below 0.3 mm. This establishes that the domestic industry has the capability to manufacture the product and supply the product during the POI. Therefore, the Authority is not to excluding such a product from the scope of the PUC.
- (iii) It has been argued that (i) Brushed Finish Coil, Mirror Finish Coil and Anodised Coil; and (ii) ACP Stock/ACP Mill Finish (ACP) above 1550MM width should be excluded from the scope of the PUC as the domestic industry has not produced and sold the same within the POI. The Authority notes that the interested parties have not produced any evidence to substantiate their claims whereas on the other hand, the domestic industry has produced sales invoices evidencing the sale of these products. The Authority, therefore, does not exclude (i) Brushed Finish Coil, Mirror Finish Coil and Anodised Coil; and
(ii) ACP Stock/ACP Mill Finish (ACP) above 1550MM width from the scope of the PUC.
- (iv) The Authority has determined the injury based on the non-injurious price determined by the Authority and landed value of the imports. Therefore, the arguments that there is no injury or injury in only in the range of 0 to 10% are inconsequential.
- (v) The price undercutting is not the only parameter to assess existence of injury. An assessment of injury is to be done taking into account all relevant economic parameters. The Authority has assessed all relevant parameters to arrive at its conclusions with respect to the existence of injury.
- (vi) The Authority has verified the production figures of the petitioner and has found that it constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the anti-dumping Rules.
- (vii) The arguments with respect to the exclusion of Lithograde Aluminium Coils above 1150 MM width have already been addressed by the Authority. First, the Authority has verified evidence of supply of Lithograde Aluminium coils beyond 1150 mm and up to 1600 mm width to one of the parties by the domestic industry. Secondly, a possible demand-supply gap does not justify exclusion of the PUC. The interested parties are free to import the product and imports are not prohibited. Thirdly, if the products manufactured by the domestic industry conform to the standards prescribed by relevant governmental authorities, the consumers cannot contend that the product type produced by the domestic industry does not meet the desired standards. Quality issues, in any event, do not justify exclusion and there is no reason for the Authority to deviate from this.
- (viii) The Authority notes submission from Arconic (Kushan) and Granges Sanghai that their respective injury margin is negative and that their exports have not caused injury to the domestic industry.
- (ix) The assessment of existence of injury is based on all the relevant parameters and not on the volume parameters or any other specific parameter alone. The Authority has undertaken a detailed assessment of all relevant parameters to assess the existence of injury to the domestic industry.
- (x) Trade Notice 10/2018 does not apply to the disclosure statements issued by the Authority. As a matter of practice, the Authority does not disclose NIP of a domestic industry to other parties and there is no reason to deviate from such practice in this investigation.
- (xi) As regards the exclusion requests with respect to coils of 80 μ m and above are concerned, the interested parties have failed to produce evidence to substantiate their claims. The domestic industry, however, has supplied evidence in the nature of invoices to demonstrate that it has

supplied coils of different thicknesses including 100 μm and 300 μm . Therefore, the Authority does not exclude coils above thickness 80 μm from the scope of the PUC.

- (xii) With regards to the landed value of the imports from Malaysia, the Authority clarifies that the landed value of imports from Malaysia is above the NIP of the domestic industry and hence Malaysia is not a subject country.
- (xiii) With respect to exclusion on colour coated, the Authority notes that the domestic industry has given the evidence that it produces the product and engages job workers for merely applying the colour to the products based on the customer specifications. Mere job working with respect to application colour/paint does not warrant exclusion of the product. The domestic industry does not part with title of the goods. In any event, the cost towards color coating is not significant and, therefore, it will be incorrect to say that the domestic industry does not manufacture color coated aluminium coil.
- (xiv) With respect to the exclusion of foil stock above 1950 mm width, the Authority notes that foil stock above 1950 mm width and foil stock below 1950 mm width are like articles. A comparison of their physical and chemical properties and production process shows that they are similar. Their application is also identical, i.e., flexible packaging, 'gutkha' packaging and pharma packaging. There is no material difference in terms of their physical and chemical properties. The interested parties have argued that they require foil stock above 1950 mm to serve its downstream customers requiring foil. Foils are produced from processing foil stock and then are slit into smaller width. The interested parties have argued that foil stock below 2000 mm width leads to wastage as there is no demand for foils below 1000 mm. The interested parties have not adduced any evidence in support of these claims. On the contrary, evidence made available by the domestic industry shows that there is a wide range of foils that are utilised by various end users (i.e., 290 mm to 1626 mm) and such "left over" products clearly have an existing market. There is no "specific" end-use of foil stock with a width above 1950mm. The users have not placed on record any material suggesting products of width above 1950 mm per se have any specific end-use. Therefore, the Authority does not exclude foil stock above 1950 mm width.

J Public Interest

124. The Authority considered whether imposition of the anti-dumping duties shall have any adverse public interest. Specifically, the Authority issued gazette notification inviting views from all the interested parties, including importers, consumers and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the consumers to provide the relevant information with regard to the present investigation, including the possible effect of the anti-dumping on their operations. The Authority sought information on, inter-alia, interchangeability of the product supplied by various suppliers from different countries, ability of the domestic industry to switch sources, effect of the anti-dumping duties on the consumers, factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by imposition of anti-dumping duties, impact of imposing the present duty. The Authority notes that some consumers filed questionnaire response. The submissions made by the consumers during the course of the investigation have been taken into account. The Authority notes that these interested parties have not shown with verifiable information that the imposition of the anti-dumping duties shall have significant adverse effect either on these consumers or the public at large. The product has been imported from a number of countries. It is seen that a considerable quantity of the product under consideration are being imported from various countries which are not subject to the present investigation. The Authority notes that the import price from the rest of the world is higher than the import price from China. The information provided by the domestic industry shows that the manufacturing facilities of the domestic industry are under-utilised. The domestic industry can cater to the entire demand of the product under consideration. The analysis of the information over the injury period also shows that the selling price of the domestic industry has remained aligned to the import prices. The domestic industry produces a number of different types of products, which share significant production facilities. The overall capacity utilisation of the domestic industry for various products is quite low and clearly shows that the domestic industry is in a position to cater to the demand for the product in the country.

125. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties will only create a level playing field between exporters from China PR and the domestic industry. The imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the consumers and economy as a whole. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

p. K. CONCLUSION ON INJURY & CAUSAL LINK

126. In view of above, it has been noted that:

- a) The imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms over the entire period of investigation.
- b) The imports of the subject goods have increased in relation to its consumption in India.
- c) There is price suppression due to low priced dumped imports coming into India.
- d) The market share of the domestic industry has decreased in the POI as compared to the base year even though demand for the subject goods has risen during the same period. This is due to the increase in percentage share of the imports in the total demand of the PUC.
- e) The domestic industry's profits and return on capital employed have been negatively affected in the POI as compared to the base year due to increase in the imports of the subject goods from the subject country in absolute terms during the POI.

L. CONCLUSION

127. After examining the submissions made by the domestic industry and the other interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- a) Considering the normal value and export price for the subject goods, dumping margin for the subject goods from the subject country has been determined, and the margin is positive and significant.
- b) The domestic industry has suffered material injury and the injury margin is positive. The examination of the imports of the subject product and the performance of the domestic industry shows that the volume of dumped imports from the subject country has increased in both absolute and relative terms. The volume of the subject goods has increased by more than 60% whereas demand has increased by only 18%. It is also noted that the imports of the subject goods from the subject country are suppressing the prices of the domestic industry. The production and the sales of the domestic industry have remained largely stable in the period of investigation while the capacity utilization remains suboptimal. It is noted that the market share of domestic industry has declined by 12% in the period of investigation whereas market share of the imports from the subject country has increased by 35%. The performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on capital employed. The domestic industry has suffered financial losses, cash losses and negative return on investments in the period of investigation.
- c) The material injury suffered by the domestic industry has been caused by the dumped imports.

M. RECOMMENDATION

128. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, the exporters, the importers and the other interested parties to provide information on the aspects of the dumping, the injury and the causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that imposition of

anti-dumping duty is required to offset the dumping and the injury. Therefore, the Authority recommends imposition of the anti-dumping duty on the imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

129. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of the anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. The Authority, therefore, considers it necessary to recommend imposition of the definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in the column (7), on all imports of the subject goods described at Column (3) of the duty table, originating in or exported from China PR, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government.

DUTY TABLE

S. No.	Heading	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	7606, 7607	Flat Rolled Products of Aluminium*	China PR	Any country including China PR	Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co., Ltd.	65	MT	USD
2.	7606, 7607	Flat Rolled Products of Aluminium*	China PR	Any country including China PR	Inner Mongolia Liansheng New Energy Material Co., Ltd.	65	MT	USD
3.	7606, 7607	Flat Rolled Products of Aluminium*	China PR	Any country including China PR	Arconic (Kunshan) Aluminum Products Co., Ltd.	NIL	MT	USD
4.	7606, 7607	Flat Rolled Products of Aluminium*	China PR	Any country including China PR	Granges Aluminium (Shanghai) Ltd.	NIL	MT	USD
5.	7606, 7607	Flat Rolled Products of Aluminium*	China PR	Any country including China PR	Any producer other than at serial number 1, 2, 3 & 4	449	MT	USD
6.	7606, 7607	Flat Rolled Products of Aluminium*	Any country other than China PR	China PR	Any producer	449	MT	USD

*The following products are excluded from the scope of the product under consideration:

- iii. Can-body Stock – also includes Can End Stock (CES) used to make aluminium cans;
- iv. Aluminium Foil up to 80 microns.

N. FURTHER PROCEDURE

130. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the appropriate forum.

ANANT SWARUP, Designated Authority